



विश्व का भौतिक भूगोल

विश्व का भूगोल

‘भूगोल’ शब्द ग्रीक भाषा के ‘जियो- पृथ्वी’ और ‘ग्राफीन- लिखना’ से बना है, जो सरल शब्दों में ‘पृथ्वी की सतह के विवरण’ करता है। हालाँकि, एक विषय के रूप में, भूगोल बहुत व्यापक अर्थ रखता है और अनिवार्य रूप से सामाजिक और भौतिक विज्ञान के बीच एक के बीच पुल का कार्य करता है।

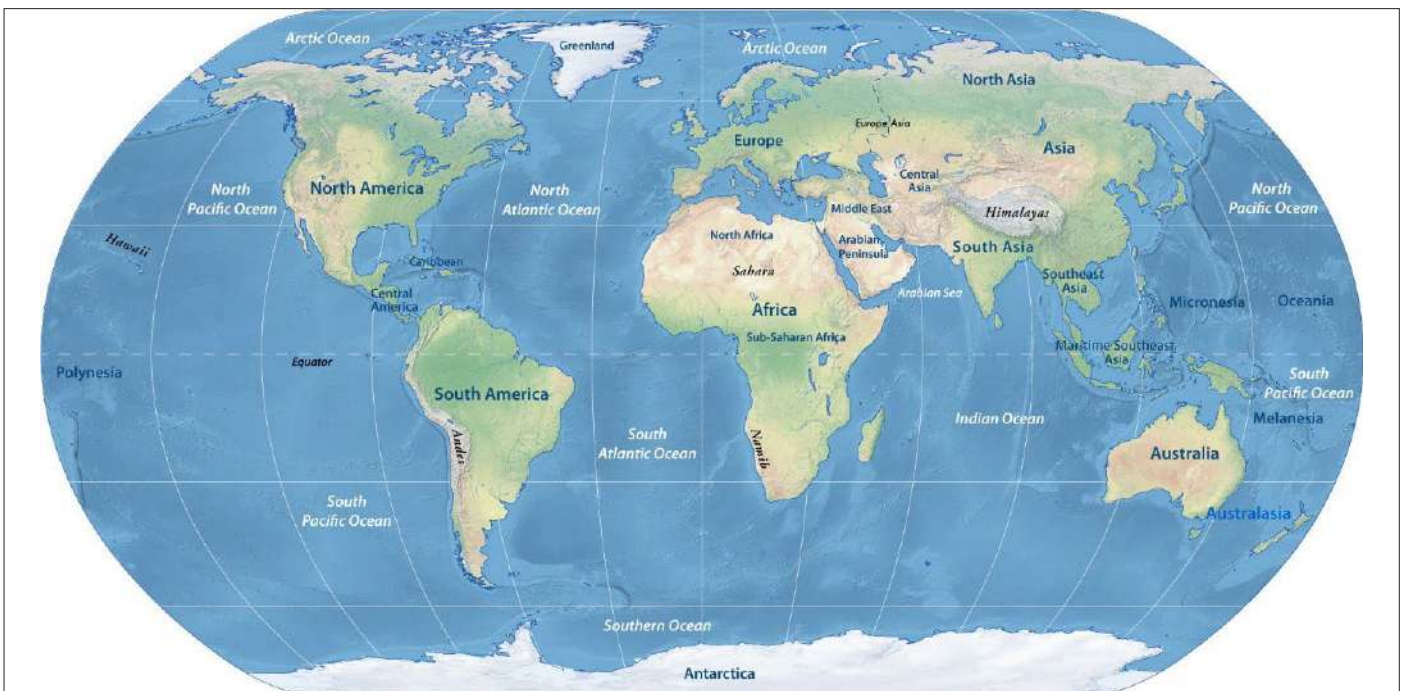
भूगोलवेत्ता पृथ्वी की भौतिक विशेषताओं, इसके निवासियों और संस्कृतियों, जलवायु जैसी घटनाओं और ब्रह्मांड के भीतर पृथ्वी के स्थान का अध्ययन करते हैं। भूगोल दुनिया की सभी भौतिक और सांस्कृतिक घटनाओं के बीच स्थानिक संबंधों की जांच करता है। भूगोलवेत्ता यह भी देखते हैं कि सांस्कृतिक हस्तक्षेप के कारण पृथ्वी, इसकी जलवायु और इसके परिदृश्य कैसे बदल रहे हैं।

भौगोलिक जांच में 4 परंपराएं हैं, जिनमें शामिल हैं:

1. भूगोल : पृथ्वी विज्ञान के रूप में
2. भूगोल : क्षेत्रीय अध्ययन के रूप में
3. भूगोल : मानव-प्रकृति अंतःक्रिया के रूप में
4. भूगोल : भौगोलिक घटना के स्थानिक विश्लेषण के रूप में

विश्व भूगोल: विश्व का एक क्षेत्रीय अध्ययन

हम एक जटिल और गतिशील विश्व में रहते हैं। विश्व कि क्षेत्रीय भौगोलिक जांच हमें इस बदलती दुनिया को समझने और वर्तमान और भविष्य दोनों के वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार करने में मदद करती है। इसके लिए, क्षेत्रीय भूगोल विश्व को स्थानिक/क्षेत्रीय इकाइयों में विभाजित करता है जिन्हें ‘क्षेत्र’ कहा जाता है। इस प्रकार ‘क्षेत्र’ को भूगोल की मूल इकाई माना जा सकता है। ‘क्षेत्र’ में एक सामान्य सरकार, भाषा, राजनीतिक स्थिति या भू-आकृति जैसी विशेषताओं की समानता होती है। कोई क्षेत्र राजनीतिक सीमाओं द्वारा शासित एक औपचारिक देश हो सकता है, जैसे जर्मनी या भारत; किसी क्षेत्र को भू-आकृति द्वारा परिभाषित किया जा सकता है, जैसे कि गंगा या अमेज़ॉन नदी में बहने वाले सभी पानी का जल निकासी बेसिन; और एक क्षेत्र को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले क्षेत्र से भी परिभाषित किया जा सकता है।



विश्व क्षेत्रीय भूगोल शेष विश्व की तुलना में विभिन्न विश्व क्षेत्रों का अध्ययन करता है। तुलना के कारकों में भौतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य दोनों शामिल हैं। मुख्य प्रश्न हैं, वहां कौन रहता है? उनका जीवन किस जैसा है? क्या करते हैं वह जीने के लिए? महत्व के भौतिक कारकों में स्थान, जलवायु प्रकार और भूभाग शामिल हो सकते हैं। मानवीय कारकों में सांस्कृतिक परंपराएँ, जातीयता, भाषा, धर्म, अर्थशास्त्र और राजनीति शामिल हैं।

विश्व का महाद्वीपवार अध्ययन

महाद्वीप पृथ्वी के भूमि के सात मुख्य भागों में से एक है। महाद्वीप सबसे बड़े से लेकर सबसे छोटे तक हैं: एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अंटार्कटिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया। कुल मिलाकर, महाद्वीपों का क्षेत्रफल लगभग 148 मिलियन वर्ग किलोमीटर (57 मिलियन वर्ग मील) है। महाद्वीप पृथ्वी की अधिकांश भूमि का निर्माण करते हैं, लेकिन संपूर्ण नहीं। कुल भूमि क्षेत्र का एक बहुत छोटा हिस्सा द्वीपों से बना है जिन्हें महाद्वीपों का भौतिक भाग नहीं माना जाता है। महासागर पृथ्वी के लगभग तीन-चौथाई भाग को घेर हुए हैं। महासागर का क्षेत्रफल सभी महाद्वीपों के क्षेत्रफल के दोगुने से भी अधिक है। सभी महाद्वीपों की सीमा कम से कम एक महासागर से लगती है।

महाद्वीपीय विशेषताएँ

पर्वत निर्माण, अपक्षय, कटाव और तलछट के निर्माण के कारण महाद्वीपों की सतह कई बार बदल गई है। टेक्टोनिक प्लेटों की निरंतर, धीमी गति से सतह की विशेषताएं भी बदल जाती हैं। महाद्वीपों को बनाने वाली चट्टानों को कई बार आकार दिया गया है और उन्हें दोबारा रूपांतरित आकार दिया गया है। महान पर्वत श्रृंखलाएँ उठी हैं और फिर नष्ट हो गई हैं। महासागरों का पानी विशाल क्षेत्रों में भर गया और फिर धीरे-धीरे सूख गया। विशाल बर्फ की चादरें आई और चली गई, इस प्रक्रिया में परिदृश्य का निर्माण हुआ। आज, सभी महाद्वीपों में विशाल पर्वत श्रृंखलाएँ, विशाल मैदान, विस्तृत पठार और जटिल नदी प्रणालियाँ हैं। समुद्र तल से भूमिखंड की औसत ऊंचाई लगभग 838 मीटर है।

यद्यपि प्रत्येक महाद्वीप अद्वितीय है, सभी महाद्वीप दो बुनियादी विशेषताएं साझा करते हैं: पुराने, भूवैज्ञानिक रूप से स्थिर क्षेत्र, और युवा, कुछ हद तक अधिक सक्रिय क्षेत्र। युवा क्षेत्रों में, पर्वत निर्माण की प्रक्रिया हाल ही में हुई है और अक्सर होती रहती है। महाद्वीपों के आंतरिक भाग में पुरानी, अधिक स्थिर पर्वत श्रृंखलाएँ पाई जाती हैं। उत्तरी अमेरिका के एपलाचियन और यूरोप और एशिया के बीच की सीमा पर यूराल, पुरानी पर्वत श्रृंखलाएँ हैं जो भूवैज्ञानिक रूप से सक्रिय नहीं हैं।

इन प्राचीन, नष्ट हो चुकी पर्वत श्रृंखलाओं से भी पुराने महाद्वीपों के समतल, अधिक स्थिर क्षेत्र हैं जिन्हें 'क्रेटन' कहा जाता है। 'क्रेटन' प्राचीन पर्यटी का एक क्षेत्र है जो पृथ्वी के प्रारंभिक इतिहास के दौरान बना था। प्रत्येक महाद्वीप में एक 'क्रेटन' होता है। क्रेटन के दो रूप होते हैं: 'शील्ड' और 'प्लेटफार्म'। 'शील्ड' नंगी चट्टानें हैं जो प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं की जड़ें या कोर हो सकती हैं जो पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। 'प्लेटफार्म', क्रेटन का वो भाग है जिनके ऊपर तलछट और तलछटी चट्टानें पड़ी हैं।

1. एशिया

एशिया, सबसे बड़ा महाद्वीप, पूर्वी भूमध्य सागर से पश्चिमी प्रशांत महासागर तक फैला हुआ है। एशिया में 40 से अधिक देश हैं। कुछ दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से हैं, जिनमें चीन, भारत और इंडोनेशिया शामिल हैं। पृथ्वी की साठ प्रतिशत जनसंख्या एशिया में रहती है। दुनिया की एक तिहाई से अधिक आबादी अकेले चीन और भारत में रहती है।

एशिया महाद्वीप में कई द्वीप शामिल हैं, जिनमें से कुछ देश भी हैं। फिलीपींस, इंडोनेशिया, जापान और ताइवान एशिया के प्रमुख द्वीप राष्ट्र हैं। एशिया में विश्व की लगभग एक तिहाई भूमि है। इस महाद्वीप में जलवायु क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला है, साइबेरियाई आर्कटिक में ध्रुवीय से लेकर भूमध्यरेखीय इंडोनेशिया में उष्णकटिबंधीय तक। चीन और मंगोलिया में गोबी रेगिस्तान सहित मध्य एशिया के हिस्से साल भर शुष्क रहते हैं। दूसरी ओर, दक्षिण पूर्व एशिया वार्षिक मानसून पर निर्भर करता है, जो बारिश लाता है और कृषि को संभव बनाता है।

एशिया सभी महाद्वीपों में सबसे अधिक पर्वतीय है। दुनिया की 50 से अधिक सबसे ऊंची चोटियाँ एशिया में हैं। माउंट एवरेस्ट, जो हिमालय श्रृंखला में 8,800 मीटर से अधिक ऊंचाई तक पहुंचता है, पृथ्वी पर सबसे ऊंचा स्थान है। एशिया में न केवल पृथ्वी की सबसे ऊंचाई है, बल्कि भूमि पर इसका सबसे निचला स्थान भी है: इजराइल और जॉर्डन देशों में मृत सागर के तट। वहां की भूमि समुद्र तल से 390 मीटर से अधिक नीचे है।

2. अफ्रीका

अफ्रीका, दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप, संयुक्त राज्य अमेरिका के तीन गुना से अधिक क्षेत्र को कवर करता है। उत्तर से दक्षिण तक, अफ्रीका लगभग 8,000 किलोमीटर तक फैला हुआ है। यह मिस्र में स्वेज़ के इस्तमुस द्वारा एशिया से जुड़ा हुआ है।

सहारा, जो उत्तरी अफ्रीका के अधिकांश भाग को कवर करता है, दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान है। दुनिया की सबसे लंबी नदी, नील, विक्टोरिया झील के अपने सबसे दूरस्थ उद्गम क्षेत्र (हेडवाटर) से उत्तर में भूमध्य सागर तक 6,560 किलोमीटर से अधिक बहती है। अफ्रीका का ऊपरी आधा भाग अधिकतर शुष्क, गर्म रेगिस्तान है। मध्य क्षेत्र में सवाना, या समतल, घास के मैदान हैं। यह क्षेत्र शेर, जिराफ, हाथी, लकड़बग्घा, चीता जैसे जंगली जानवरों का घर है। अफ्रीका के मध्य और दक्षिणी क्षेत्रों में वर्षावनों का प्रभुत्व है। इनमें से कई जंगल अफ्रीका की अन्य महान नदियों, ज़म्बेजी, कांगो और नाइजर के आसपास पनपते हैं।

अफ्रीका का अधिकांश भाग एक ऊंचा पठार है जो तटीय तराई क्षेत्रों की संकरी पट्टियों से घिरा हुआ है। आंतरिक भाग के कुछ क्षेत्रों में पहाड़ी उपरी भूमि और पहाड़ उभरे हुए हैं। पूर्वी अफ्रीका में, ग्रेट रिफ्ट वैली नामक एक विशाल भ्रंश (रिफ्ट घाटी), लाल सागर से मोज़ाम्बिक देश तक चलता है। (रिफ्ट घाटी वास्तव में दक्षिण-पश्चिमी एशिया में शुरू होती है।) ग्रेट रिफ्ट वैली प्रमुख विवर्तनिक गतिविधि का स्थल है, जहां अफ्रीका महाद्वीप दो भागों में विभाजित हो रहा है। भूवैज्ञानिकों ने पहले ही अफ्रीकी प्लेट के दो भागों का नामकरण कर दिया है। न्युबियन प्लेट महाद्वीप के अधिकांश हिस्से को दरार के पश्चिम तक ले जाएगी; सोमाली प्लेट तथाकथित “हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका” सहित महाद्वीप के सुदूर पूर्वी हिस्से को अपने साथ ले जाएगी। हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका एक प्रायद्वीप है जो गैंडे के उलटे सींग जैसा दिखता है।

3. उत्तरी अमेरिका

उत्तरी अमेरिका, तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप, उत्तर पश्चिम में छोटे अलूशियन द्वीप समूह से लेकर दक्षिण में पनामा की स्थल संधि (इस्थमस) तक फैला हुआ है। इस महाद्वीप में उत्तर-पूर्व में ग्रीनलैंड का विशाल द्वीप शामिल है। सुदूर उत्तर में, यह महाद्वीप दुनिया भर में ग्रीनलैंड से लेकर अलूशियन तक फैला हुआ है। लेकिन पनामा के सबसे संकरे हिस्से में, महाद्वीप केवल 50 किलोमीटर चौड़ा है।

उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी श्रृंखला रॉकीज़ सहित युवा पर्वत पश्चिम में उभर रहे हैं। उत्तरी अमेरिका की पुरानी पर्वत श्रृंखलाएँ संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के पूर्वी तट के पास से निकलती हैं। पर्वतीय प्रणालियों के बीच में विस्तृत मैदान हैं जिनमें गहरी, उपजाऊ मिट्टी है। अधिकांश मिट्टी नवीनतम हिमयुग के दौरान जमा की गई सामग्री से बनी है। यह हिमयुग लगभग 18,000 वर्ष पहले अपने चरम पर पहुंचा था। जैसे-जैसे ग्लेशियर पीछे हटते गए, पिघली हुई बर्फ की धाराओं ने भूमि पर तलछट गिराई, जिससे मैदानी क्षेत्र में उपजाऊ मिट्टी की परतें बन गईं।

बर्फीली आर्कटिक से लेकर मध्य अमेरिका के उष्णकटिबंधीय जंगलों तक, उत्तरी अमेरिका में किसी भी अन्य महाद्वीप की तुलना में अधिक जलवायु भिन्नता है। कैरेबियन में मूंगा चट्टानों से लेकर ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर से लेकर अमेरिका और कनाडा के महान मैदानों तक, महाद्वीप पर लगभग हर प्रकार के पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व कहीं न कहीं किया जाता है।

उत्तरी अमेरिका का अधिकांश भाग उत्तरी अमेरिकी प्लेट पर स्थित है। कैरेबियन प्लेट कैरेबियन सागर (क्यूबा द्वीप के दक्षिण) के अधिकांश छोटे द्वीपों के साथ-साथ मध्य अमेरिका को होंडुरास से पनामा तक ले जाती है। प्रशांत प्लेट पर प्रशांत महासागर के मध्य में हवाई द्वीप समूह को आमतौर पर उत्तरी अमेरिका का हिस्सा माना जाता है।

कनाडा के पूर्वी तट पर ग्रीनलैंड, दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। अपने नाम के बावजूद, ग्रीनलैंड अधिकतर बर्फ से ढका हुआ है। इसकी बर्फ विशाल बर्फ की चादरों का अवशेष है जो कभी उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप के अधिकांश हिस्से को ढकती थी। अंटार्कटिका के अलावा ग्रीनलैंड ही एकमात्र ऐसा स्थान है जहां अभी भी बर्फ की चादर है।

4. दक्षिण अमेरिका

दक्षिण अमेरिका पनामा की संकीर्ण स्थल संधि (इस्थमस) द्वारा उत्तरी अमेरिका से जुड़ा हुआ है। ये दोनों महाद्वीप हमेशा जुड़े नहीं थे; वे केवल तीन मिलियन वर्ष पहले एक साथ आए थे। दक्षिण अमेरिका चौथा सबसे बड़ा महाद्वीप है और यह कैरेबियन सागर के धूप वाले समुद्र तटों से लेकर अंटार्कटिक सर्कल के निकट ठंडे पानी तक फैला हुआ है।

दक्षिण अमेरिका के सबसे दक्षिणी द्वीप, जिन्हें टिएरा डेल फ़्यूगो कहा जाता है, अंटार्कटिका से 1,120 किलोमीटर से भी कम दूरी पर हैं। एंडीज़, पृथ्वी की सबसे लंबी स्थलीय पर्वत श्रृंखला, दक्षिण अमेरिका की पूरी लंबाई तक फैली हुई है। इस क्षेत्र में कई सक्रिय ज्वालामुखी स्थित हैं। ये ज्वालामुखीय क्षेत्र एक बड़ी समुद्री प्लेट के रूप में उत्पन्न गर्मी से जनित होते हैं, जिसे नाज़्का प्लेट कहा जाता है।

दक्षिण अमेरिका के मध्य-दक्षिणी क्षेत्र में पम्पास के मैदान हैं। ये समृद्ध क्षेत्र कृषि के लिए आदर्श हैं। उत्तरी दक्षिण अमेरिका में, अमेज़न नदी और उसकी सहायक नदियाँ दुनिया के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय वर्षावन से होकर बहती हैं। आयतन की दृष्टि से अमेज़न दुनिया की सबसे बड़ी नदी है। इसमें अगली छह सबसे बड़ी नदियों की तुलना में अधिक पानी बहता है। दक्षिण अमेरिकी वर्षावनों में पशु और पौधों का प्रचुर भंडार है।

बारह स्वतंत्र देश दक्षिण अमेरिका बनाते हैं: ब्राज़ील, कोलंबिया, अर्जेंटीना, पेरू, वेनेजुएला, चिली, इक्वाडोर, बोलीविया, पैराग्वे, उरुग्वे, गुयाना और सूरीनाम। फेंच गुयाना, फ्रांस का हिस्सा और फ़ॉकलैंड द्वीप समूह, यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा, के क्षेत्र भी दक्षिण अमेरिका का हिस्सा हैं।

5. अंटार्कटिका

अंटार्कटिका पृथ्वी पर सबसे तेज हवा, सबसे शुष्क और सबसे बर्फीला स्थान है। अंटार्कटिका यूरोप या ऑस्ट्रेलिया से बड़ा है, लेकिन उन महाद्वीपों के विपरीत, इसमें कोई स्थायी मानव आबादी नहीं है। वहां काम करने वाले लोग वैज्ञानिक शोधकर्ता और पायलट और रसोइये जैसे सहायक कर्मचारी हैं। अंटार्कटिका की जलवायु कृषि या स्थायी सभ्यता का समर्थन करना असंभव बना देती है।

अंटार्कटिका में तापमान, आर्कटिक तापमान से बहुत कम, -73 डिग्री सेल्सियस से भी कम हो जाता है। अंटार्कटिका लगभग पूरी तरह से बर्फ से ढका हुआ है, कभी-कभी 3.2 किलोमीटर तक मोटी। सर्दियों में, अंटार्कटिका का सतह क्षेत्र दोगुना हो सकता है क्योंकि महाद्वीप के चारों ओर समुद्र में पैक बर्फ का निर्माण होता है।

अन्य सभी महाद्वीपों की तरह, अंटार्कटिका में ज्वालामुखी गतिविधि होती है। सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माउंट एरेबस है, जो दक्षिणी ध्रुव से 1,392 किलोमीटर से भी कम दूरी पर है। इसके लगातार विस्फोटों का प्रमाण महाद्वीप की बर्फीली सतह के नीचे गर्म, पिघली हुई चट्टान से मिलता है।

अंटार्कटिका में कोई देश नहीं है। हालाँकि, विभिन्न देशों के वैज्ञानिक समूह अनुसंधान केंद्रों में रहते हैं। 1959 में हुई और 1991 में समीक्षा की गई एक बहुराष्ट्रीय संधि में कहा गया है कि अंटार्कटिका में अनुसंधान का उपयोग केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

6. यूरोप

यूरोप, छठा सबसे बड़ा महाद्वीप, में विश्व की केवल सात प्रतिशत भूमि शामिल है। कुल क्षेत्रफल में यूरोप महाद्वीप कनाडा देश से थोड़ा ही बड़ा है। हालाँकि, यूरोप की जनसंख्या दक्षिण अमेरिका की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है।

अधिकांश यूरोपीय देशों की समुद्र तक पहुंच है। इस महाद्वीप की सीमा उत्तर में आर्कटिक महासागर, पश्चिम में अटलांटिक महासागर, दक्षिण-पूर्व में कैस्पियन सागर और दक्षिण में भूमध्य सागर और काला सागर से लगती है। यूरोप के बाहर नौवहन एवं वैश्विक खोज, इस महाद्वीप की आर्थिक, सामाजिक, भाषाई और राजनीतिक विरासत के विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। यूरोपीय खोजकर्ता, अंटार्कटिका को छोड़कर हर महाद्वीप पर भूमि पर उपनिवेश बनाने के लिए जिम्मेदार थे।

पूर्व में यूराल पर्वत यूरोप को एशिया से अलग करता है। रूस और कजाकिस्तान के राष्ट्र दोनों महाद्वीपों में फैले हुए हैं। एक अन्य श्रेणी, जोलेन पर्वत, स्वीडन और नॉर्वे के बीच सीमा के उत्तरी भाग तक फैली हुई है। दक्षिण में, आल्प्स एक चाप बनाते हैं जो अल्बानिया से ऑस्ट्रिया तक, फिर स्विट्जरलैंड और उत्तरी इटली से होते हुए फ्रांस तक फैला हुआ है। यूरोप के सबसे युवा और सबसे ऊंचे पहाड़ों के रूप में, आल्प्स भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका के रॉकीज़ से मिलता जुलता है, जो एक और युवा पर्वत श्रृंखला है।

लगभग समतल मैदानों का एक बड़ा क्षेत्र उत्तरी फ्रांस से पूर्व की ओर यूराल तक फैला हुआ है। गर्म ग्रीष्मकाल, ठंडी सर्दियाँ और भरपूर बारिश की जलवायु इस यूरोपीय कृषि भूमि को बहुत अधिक उत्पादक बनाने में मदद करती है। पश्चिमी यूरोप की जलवायु, विशेषकर भूमध्य सागर के आसपास, इसे दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक बनाती है।

7. ऑस्ट्रेलिया

सबसे छोटा महाद्वीप होने के अलावा, ऑस्ट्रेलिया अंटार्कटिका के बाद सबसे समतल और दूसरा सबसे शुष्क महाद्वीप है। इस महाद्वीप को कभी-कभी 'ओशिनिया' भी कहा जाता है, जिसमें मध्य प्रशांत और दक्षिण प्रशांत के हजारों छोटे द्वीप शामिल हैं, विशेष रूप से 'मेलानेशिया', 'माइक्रोनेशिया' और 'पोलिनेशिया' (अमेरिकी राज्य हवाई सहित)। हालाँकि, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में केवल ऑस्ट्रेलिया राष्ट्र, न्यू गिनी द्वीप का पूर्वी भाग (पापुआ न्यू गिनी राष्ट्र) और द्वीप राष्ट्र न्यूजीलैंड शामिल हैं।

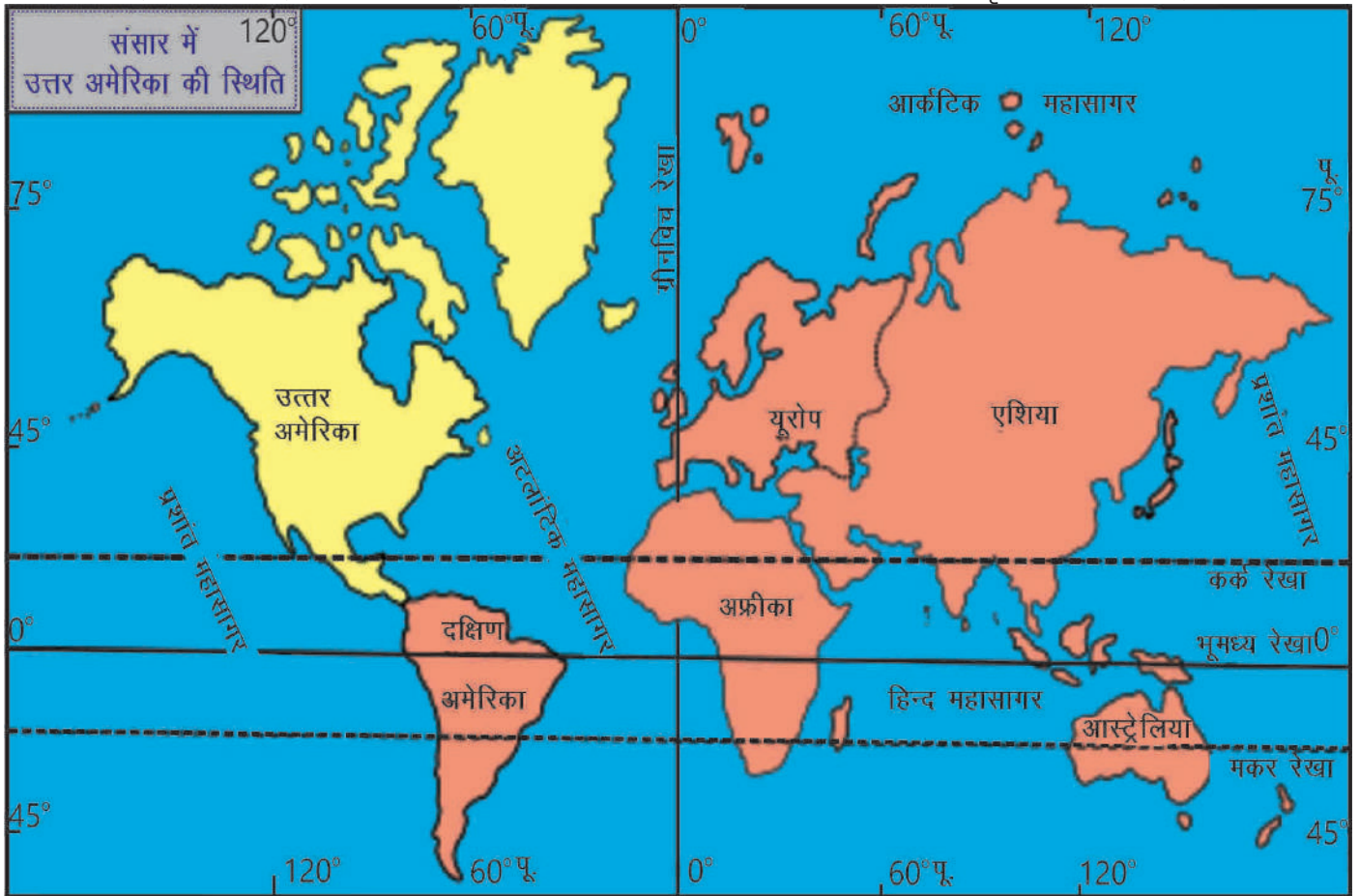
ऑस्ट्रेलिया का क्षेत्रफल 8.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर से कुछ ही कम है। ऑस्ट्रेलिया की मुख्य भूमि के मध्य में एक पठार महाद्वीप के कुल क्षेत्रफल का अधिकांश भाग बनाता है। पठार पर हल्की वर्षा होती है और बहुत से लोग वहां नहीं बसे हैं। ग्रेट डिवाइडिंग रेंज, एक लंबी पर्वत श्रृंखला, पूर्वी तट के पास से निकलती है और क्वींसलैंड क्षेत्र के उत्तरी भाग से न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के क्षेत्रों तक फैली हुई है। मुख्यभूमि ऑस्ट्रेलिया आउटबैक के लिए जाना जाता है, जो आंतरिक भाग में एक रेगिस्तानी क्षेत्र है। यह क्षेत्र इतना शुष्क, गर्म और बंजर है कि वहां बहुत कम लोग रहते हैं।

मुख्य भूमि ऑस्ट्रेलिया में गर्म पठारों और रेगिस्तानों के अलावा, ओशिनिया महाद्वीप में न्यू गिनी द्वीप पर हरे-भरे भूमध्यरेखीय वर्षावन, उष्णकटिबंधीय समुद्र तट और न्यूजीलैंड में ऊंची पर्वत चोटियाँ और ग्लेशियर भी हैं।

उत्तरी अमेरिका महाद्वीप की प्राकृतिक बनावट (Natural Landscape of North America)

स्थिति एवं विस्तार (Status and Extent)

क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर अमेरिका संसार का तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। विश्व का मानचित्र देखने से ज्ञात होता है कि यह पूरा महाद्वीप उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। इसका अक्षांशीय विस्तार 10° उत्तरी अक्षांश से 80° उत्तरी अक्षांश तक तथा देशान्तरीय विस्तार 20° पश्चिमी देशान्तर से 170° पश्चिमी देशान्तर तक है। इसकी उत्तर से दक्षिण तक लम्बाई लगभग 7200 किलोमीटर, महाद्वीप के उत्तर में आर्कटिक महासागर, पूर्व में अटलांटिक महासागर, पश्चिम में प्रशान्त महासागर और दक्षिण में दक्षिण अमेरिका महाद्वीप स्थित है। दक्षिण में यह महाद्वीप पनामा नहर द्वारा दक्षिण अमेरिका से पृथक किया गया है।



ऐंग्लो-अमेरिका का प्रादेशिक भूगोल (Regional Geography of Anglo-America)

ऐंग्लो-अमेरिका के अन्तर्गत विश्व के दो बड़े देश-कनाडा एवं अमेरिका आते हैं। इसके ऊपर ब्रिटिश प्रभाव के कारण इसे ऐंग्लो अमेरिका भी कहा जाता है। यह बहुभाषीय संस्कृति, बहु नृजातीय समुदायों का (Melting Pot) कहा जाता है।

भू-आकार : ऐंग्लो-अमेरिका को निम्नलिखित चार **भू-आकृतिक** प्रदेशों में बांटा गया है।

1. पश्चिमी पर्वत श्रृंखला
2. मध्यवर्ती मैदानी प्रदेश
3. अप्लेशियन पर्वत
4. समुद्र तटीय मैदान

1. **पश्चिमी पर्वत श्रृंखला :** इस पर्वत श्रृंखला का निर्माण हिमालय एवं आल्प्स युग में हुआ। ऐंग्लो-अमेरिका के पश्चिमी भाग में समानान्तर पर्वत श्रेणियाँ हैं जिनके मध्य बेसिन तथा पठार स्थित हैं। पश्चिमी पर्वत श्रृंखला में तटीय पर्वत, सियरानेवादा तथा रॉकी पर्वत सम्मिलित हैं।

कार्डिलेरा

ऐसी पर्वत श्रृंखला जिसमें अनेक पर्वत श्रेणियाँ एक दूसरे के समानान्तर दूर-दूर तक फैली हुई होती हैं। उत्तर अमेरिका में इनके सम्मिलित रूप को 'कार्डिलेरा' कहा जाता है।

- **पश्चिमी पर्वतीय प्रदेश या कार्डिलेरा :** पश्चिमी पर्वतीय प्रदेश को ही कार्डिलेरा कहा जाता है। कार्डिले का विस्तार महाद्वीप के पश्चिमी भाग में उत्तर में अलास्का से लेकर दक्षिण में मैक्सिको तक है।
 - **कास्केड श्रेणी :** प्रशांत महासागर के तट के साथ कास्केड श्रेणी (Benbankam Tandham) स्थित है। यह श्रेणी कैलिफोर्निया से लेकर अलास्का तक फैली हुई है। यह पर्वत श्रेणी युवा पर्वत हैं। इस क्षेत्र में ज्वालामुखी तथा भूकम्प सक्रिय हैं जिसका मुख्य कारण भू-गर्भीक हलचलें हैं। इस पर्वत की तीव्र तथा उच्च ढलाने हैं। इस क्षेत्र में कई उच्च शिखर हैं, जैसे - **माउंट रेनियर तथा माउंट शास्टा**।
 - **सियरानेवादा श्रेणी :** यह श्रेणी प्रशांत महासागर के समानान्तर है तथा पूर्वी कैलिफोर्निया तथा पश्चिमी नेवादा राज्यों में फैली हुई है। यह श्रेणी भू-पटल पर दरारों के साथ-साथ उत्थान की क्रिया से बनी है।
 - **रॉकी पर्वत :** यह पर्वत विषम पर्वत हैं। यह पश्चिमी तट तथा मध्यवर्ती मैदान के मध्य एक अवरोध हैं। यह पर्वत श्रृंखला तीन पर्वत श्रेणियों का संगम है। **जैसे - रॉकी पर्वत, मेकेन्ज़ी पर्वत तथा ब्रक्स पर्वत। इनमें से रॉकी पर्वत श्रेणी सबसे लम्बी है।**
 - **बेसिन तथा पर्वत क्षेत्र :** सियरानेवादा तथा रॉकी पर्वत के मध्य अन्तरपर्वतीय बेसिन मिलते हैं जिनमें कई ब्लॉक पर्वत तथा पठार हैं। संयुक्त राज्य में सबसे निचला प्रदेश मृत घाटी है। उत्तरी ऐरीज़ोना में कोलोराडो पठार पर स्थित ग्रान्ड कैनिनन विश्व प्रसिद्ध है।
 - **अन्तर-पर्वतीय पठार :** इस पठार पर युकोन नदी बहती है। इसके दक्षिण में ब्रिटिश कोलम्बिया पठार है जो कि 1500 मी. ऊंचा है। इसमें सकीना, पीस तथा फ्रेज़र नदियाँ बहती हैं तथा कई हिम झीलें पाई जाती हैं। ग्रेट सलेव झील तथा ग्रेट बीयर झील इस क्षेत्र की प्रमुख झीलें हैं। यह क्षेत्र लावा प्रदेश हैं।
2. **मध्यवर्ती मैदान :** ऐंग्लो-अमेरिका का मध्यवर्ती मैदान एक विशाल क्षेत्र में टेक्सास राज्य से लेकर उत्तरी कनाडा तक फैला हुआ है। यह रॉकी पर्वत से लेकर ओहायो, टैनेसी तथा मिसीसिपी राज्यों तक फैला हुआ है। 1000 देशांतर इसे दो भागों में बांटता है। ???
 3. **अपेलेशियन पर्वत :** एक ऐंग्लो-अमेरिका का तीसरा प्रमुख धरातलीय प्रदेश है। यह पर्वत बलाबामा राज्य से लेकर उत्तर में कनाडा के क्यूबेक राज्य तक फैला हुआ है। यह पर्वत आयु में पुराने हैं तथा अधिक अपरिचित हैं। माउंट मिचेल (2037 मीटर) सबसे ऊंचा शिखर है जो उत्तरी कैरोलीना राज्य में है। अलाबामा से लेकर न्यूजर्सी तक इस पर्वत के पूर्वी भाग को पीडमांट पठार कहते हैं। इस पठार से कई नदियाँ निकलती हैं जो झरने बनाती हैं जिनसे जल विद्युत् उत्पादन होता है। इसे प्रपात रेखा कहते हैं।
अपेलेशियन पर्वत विषम पर्वत हैं जिनमें कई पर्वत श्रेणियाँ पठार तथा नदी घाटियाँ फैली हुई हैं। अपेलेशियन पर्वत इतने ऊंचे नहीं हैं इसलिये कृषि, व्यापार तथा आर्थिक क्रियाओं में बाधक नहीं हैं।
 4. **समुद्र तटीय मैदान :** ये मैदान न्यूजर्सी से लेकर रियोग्राण्डे नदी तक अर्द्धवृत्ताकार हैं। इसमें मिसीसिपी की निचली घाटी के उपजाऊ क्षेत्र स्थित हैं। इसके पश्चिम में मध्यवर्ती मैदान तथा अपेलेशियन पर्वत, पूर्व में अंधमहासागर, दक्षिणी में खाड़ी मैक्सिको स्थित हैं।

ऐंग्लो-अमेरिका की भू-संरचना (Geostucture of Anglo-America)

1. **कैनेडियन शील्ड :** यह एक स्थिर भाग है जो चार बिलियन वर्ष पुराना है। यह किसी प्रमुख हलचल से मुक्त रहा है। यह वलित पर्वतों के अपरदन से बना पठार है। यह ग्रेट बियर झील, ग्रेट स्लेव झील, अथाबक्का झील तथा विनिपेग झील को मिलाने वाली रेखा के पूर्व में स्थित है। यह लगभग पैनीप्लेन है, जो **कार्टज़ शिस्ट, नीस तथा ग्रेनाईट** जैसे - **कठोर चट्टानों से बना है।**
2. **पश्चिमी क्षेत्र :** यह भाग किसी समय एक भूसन्नति था। इसमें तलछट में उत्थान क्रिया से सात करोड़ वर्ष पहले ऊंचे रॉकी पर्वत बने। कई भागों में दरारें हैं। ज्वालामुखी क्रिया तथा उत्थान अस्थिरता के प्रमाण हैं।

3. **पूर्वी भाग :** नदियों द्वारा तलछट के निक्षेप से पूर्वी तटीय मैदानों की रचना हुई है।
4. **महान् मैदान :** रॉकी तथा अपेलेशियन पर्वत के मध्य विशाल क्षेत्र में नदियों द्वारा तलछट के निक्षेप से यह मैदान बना है। यह प्रेयरी से लेकर मैक्सिको के तटीय मैदान तक फैला हुआ है। इस मैदान में मिसिसिपी तथा कई सहायक नदियां बहती हैं।

ऐंग्लो-अमेरिका 10 हजार वर्ष पूर्व हिम से ढका हुआ था। हिम चादर का विस्तार महान् झीलों से लेकर न्यूयार्क सेंट लूईस तथा सीटल तक था। अब इसका विस्तार उत्तरी भाग में ग्रीनलैंड में है।

कनाडा के पठार हिम अपर्दित पठार हैं। यहां बड़ी-बड़ी झीलों का निर्माण हुआ है। प्राचीन एगासीस झील कई छोटी झीलों में बंट गई है। रॉकी पर्वत पर हिम से बने कई भू-आकार मिलते हैं जैसे भू-आकार घाटियां, लटकती घाटियां ड्रमलिन, ऐरेट, हिमागार, हिमोढ़ तथा झीलें। मध्यवर्ती मैदान में हिमोढ़ों की रचना हुई है। कई राज्यों में रेत मिट्टी और बजरी से बने अंतिम हिमोढ़ मिलते हैं। नदी घाटियों में उपजाऊ लोएस निक्षेप मिलते हैं।

उत्तरी अमेरिका की नदियां एवं झीलें (Rivers and Lakes of North America)

प्रशांत महासागरीय जलप्रवाह : सब नदियों में से प्रशांत महासागर में गिरने वाली कोलोराडो तथा कोलम्बिया नदियां महत्वपूर्ण हैं। इन नदियों के लम्बे घुमावदारमार्ग हैं। कोलोराडो नदी कोलोराडो पठार को काटती हुई विश्व प्रसिद्ध गार्ज तथा ग्रांड केनियन की रचना करती है। अन्य नदियों में युकोन, स्कीना, फ्रेजर, स्नेक, हम्बोल्ट, सेक्रीमण्टो तथा सेन जैकुएन प्रसिद्ध हैं।

1. युकोन, नदी यूकन पठार से निकलकर सबसे उत्तर अलास्का में बहती हुई बेरिंग सागर में गिरती है। जाड़े में इसका मुहाना तीन-चार माह तक जमा रहता है अतः व्यापार की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण नहीं है।
2. **फ्रेजर नदी :** जो कोलम्बिया पठार से निकलकर वैंकोवर के निकट प्रशांत महासागर में गिरती है।
3. **कोलम्बिया नदी :** पोर्टलैंड नगर के निकट प्रशांत महासागर में गिरती है।
4. **सैक्रामेंटो और सन जोआक्विन नदियाँ :** जो रॉकी पर्वतमाला की पश्चिमी ढालों से निकलकर एक-दूसरे की विपरीत दिशा में बहने के बाद आपस में मिल जाती है। कैलिफोर्निया की प्रसिद्ध घाटी का निर्माण करने वाली ये दोनों नदियाँ पहले हिमनिर्मित घाटियों में बहती हैं जहाँ तीव्र ढाल के कारण इनकी धारा तेज पाई जाती है और फिर जलोढ़ मैदान बनाती हुई संयुक्त रूप में प्रशांत महासागर में प्रवेश करती है।
5. **कोलोरैडो नदी :** जो रॉकी पर्वतश्रेणी की पश्चिमी ढाल से निकलकर कोलोरैडो पठार को पार करती हुई कैलिफोर्निया की खाड़ी में गिरती है। यह प्रशांत नदी-प्रणाली की महत्वपूर्ण नदियों में से है जो कोलोरैडो पठार में अति गहरी और सँकरी घाटी का निर्माण कर आगे बढ़ती है।

इन नदियों में कोलम्बिया और कोलोरैडो के मार्ग बहुत घुमावदार हैं, अतः ये लम्बी हैं। कोलम्बिया पश्चिमी भाग की सबसे अधिक महत्वपूर्ण नदी मानी जाती है जिसमें कई बांध बनाए गए हैं और जल विद्युत उत्तपन की जाती है। कोलम्बिया के सर्वप्रसिद्ध बांध हैं 'ग्रेड कूली' और 'बॉन विले'। कोलोरैडो नदी पर भी कई बांध बनाए गए हैं। और पर्याप्त मात्रा में जल विद्युत-उत्पादन होता है। उत्तरी अमेरिका के प्रसिद्ध बाँध बोल्डर और हूवर इसी पर बने हैं।

आर्कटिक नदी-प्रणाली (Arctic River System)

आर्कटिक महासागर की ओर प्रवाहित होने वाली नदियों को दो भागों में बाँटा जा सकता है एक वे जो सीधे आर्कटिक महासागर में गिरती हैं, जैसे - **मेकेंजी** और दूसरे वे जो आर्कटिक महासागर के आगे हडसन की खाड़ी में गिरती हैं, जैसे - **नेलसन**।

कनेडियन शील्ड की सीमा पर अनेक झीलें हैं जो छोटी-छोटी नदियों द्वारा एक-दूसरी से जुड़ी हुई हैं। इन झीलों के माध्यम से इस क्षेत्र का जल आर्कटिक महासागर में पहुँचता रहता है।

मेकेंजी ही इस क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी है जिसकी लम्बाई 4317 किलोमीटर है। मेकेंजी तथा अन्य छोटी नदियाँ जाड़े में जम जाती हैं और गर्मी पड़ने पर (वसंत ऋतु में) जब पिघलती हैं तो आसपास की भूमि को दलदल बना देती हैं।

कनेडियन शील्ड की सीमा पर स्थित कुछ झीलों के माध्यम से इस क्षेत्र का जल हडसन की खाड़ी में भी पहुँचता रहता है। उदाहरणार्थ, रॉकी पर्वत से निकलने वाली उत्तरी सस्केचवान और दक्षिणी सस्केचवान से नदियों का जल विनिपेग झील में पहुँचता है।

अटलांटिक नदी-प्रणाली (Atlantic River System)

लैब्राडोर पठार से निकलकर सीधे अटलांटिक महासागर में प्रवाहित होने वाली नदियाँ, जैसे **हैमिल्टन**।

सेंट लारेंस को एक स्वतंत्र प्रवाह-प्रणाली माना गया है। ओंटेरियो झील से सेंट लारेंस खाड़ी तक के समस्त निचले प्रदेश में यह प्रति वर्ष नई मिट्टी बिछाती है जो कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। फिर इस नदी से होकर महादेश के भीतरी भाग तक जल-यातायात की सुविधाएँ हैं। सेंट लारेंस जलमार्ग अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सहायक सिद्ध हुआ।

अपलेशियन पर्वत की पूर्वी ढालों से अनेक छोटी नदियाँ निकलकर अटलांटिक महासागर में समा जाती हैं जिनमें कुछ प्रमुख के नाम हैं **हडसन, मोहावक, डिलावेयर जेम्स** (और पोटामैक इनमें मोहावक, हडसन की सहायक नदी है)।

अपलेशियन पर्वत के पश्चिमी भाग से तथा रॉकी पर्वतश्रेणी के पूर्वी भाग से अनेक छोटी-बड़ी नदियाँ निकलकर विशाल मध्यवर्ती मैदान होती हुई अपना जल मेक्सिको की खाड़ी में गिराती हैं जिनमें सर्वप्रसिद्ध है **मिसिसीपी, ओहायो, मिसौरी**, अरकानसस, और **रेड** (इसी की सहायक नदियाँ हैं)। मिसिसीपी उत्तरी अमेरिका की सबसे लम्बी नदी है और इसका मैदान संसार के सर्वाधिक उपजाऊ मैदानों में से एक है। यह नदी अपने मुहाने पर **चिड़िया के पंजे-जैसा डेल्टा** बनाती है। अपनी सहायक नदी मिसौरी (3704 किलोमीटर) से संयुक्त होकर यह संसार की सबसे लम्बी नदी बन जाती है। स्वतंत्र रूप से मेक्सिको की खाड़ी में गिरने वाली अन्य नदियाँ **अलबामा रियोग्राण्डे** आदि हैं।

आन्तरिक नदी-प्रणाली (Inland River System)

रॉकी पर्वतीय प्रदेश के बीच '**ग्रेट बेसिन**' ऐसा विशालतम पठार है, जिसमें बहने वाली नदियाँ समुद्र तक न जाकर स्थलीय भाग के बीच रह जाती हैं और अनेक झीलों को जन्म देती हैं। स्वभावतः वे **झीलें खारी**, बड़ी और छिछली होती हैं। ग्रेट बेसिन की कुछ झीलों के नाम ये हैं - **ग्रेट साल्ट, पिरामिड, फ्रैंकलिन, बीयर, उटा**।

जलवायु (Climate)

उत्तर अमेरिका की जलवायु को मुख्य रूप से चार कारक प्रभावित करते हैं :

1. महाद्वीप का अक्षांशीय विस्तार ।
2. महाद्वीप की धरातलीय विविधता ।
3. स्थाई हवाएँ तथा ।
4. जलधाराएँ।

महादेश का विस्तृत मध्यवर्ती भाग समुद्र से दूर पड़ जाने के कारण विषम या महाद्वीपीय जलवायु का अनुभव करता है और वहाँ

वार्षिक तापांतर बहुत अधिक बढ़ जाता है।

2. धरातलीय विविधता का प्रभाव : पश्चिम में कार्डिलेरा पछुआ पवनों को रोककर अधिक वर्षा करता है, जबकि पूर्वी ढाल पूर्णतः वृष्टि छाया में आने से बहुत कम वर्षा प्राप्त करता है। यही कारण है कि प्रेयरी के मैदान में न्यून वर्षा होती है, किंतु प्रेयरी के मैदान से जैसे हम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व की ओर के पठारों व पर्वतों की ओर बढ़ते हैं, वर्षा की मात्रा भी बढ़ती जाती है। महाद्वीप के उत्तरी भाग में वर्षा हिमपात के रूप में और कम मात्रा में होती है, क्योंकि यह क्षेत्र निचला मैदान है।

3. पर्वतों की उत्तर-दक्षिण स्थिति : इस महादेश में एशिया या यूरोप की तरह उच्च पर्वत श्रेणियों की दिशा पूर्व-पश्चिम न होकर उत्तर-दक्षिण है, जिसके फलस्वरूप आर्कटिक या ध्रुव की सर्द हवाएँ (spring awards) दक्षिण में काफी दूर तक पहुँच जाती हैं और जलवायु को सर्द एवं शुष्क बना डालती हैं। पर्वतों की इस स्थिति से मेक्सिको खाड़ी की ग्रीष्मकालीन वाष्पभरी हवाएँ उत्तर की ओर काफी दूर तक पहुँच कर वर्षा करती हैं।

पश्चिम में रॉकी पर्वतश्रेणी काफी ऊँचाई के कारण पश्चिमी आर्द्र पवनों को आगे बढ़ने से रोकती हैं, अतः उसकी इस स्थिति से प्रशांत महासागरीय तट ही अधिक वृष्टि पाते हैं और पर्वतश्रेणी के पूर्व का विस्तृत भाग वृष्टि छाया में पड़ जाता है।

पूर्व में अपलेशियन पर्वत अपेक्षाकृत कम ऊँचा है और कम विस्तृत है, अतः जलवायु को विशेष प्रभावित नहीं करता, फिर भी पूर्वी भाग में समुद्र से आनेवाली हवाएँ अधिक वर्षा किया करती है, इसके कारण वृष्टि छाया नहीं होती।

4. स्थाई पवनों का प्रभाव : पश्चिम में कार्डिलेरा और पूर्व में उच्च भूमि, दोनों उत्तर से दक्षिण तक फैली हैं, इन दोनों के बीच विशाल मैदान हैं। शीतकाल में उत्तर से आने वाली ठंडी ध्रुवीय पवनें तथा ग्रीष्म में दक्षिण से चलने वाली गर्म पवनें सम्पूर्ण मैदानी भाग को प्रभावित करती हैं। इसलिए यह शीतकाल में ठंडा व ग्रीष्म में गर्म रहता है।

उत्तरी-पश्चिमी तट सुदूर पछुआ हवाओं के प्रभाव में वर्ष भर रहता है, इसलिए यहाँ वर्ष भर वर्षा होती है। वायुदाब की पेटियाँ दक्षिण की ओर खिसकने से शीतकाल में पश्चिम केलिफोर्निया का क्षेत्र पछुआ पवनों के क्षेत्र में आ जाता है, जिससे यहाँ शीत ऋतु में वर्षा होती है।

मैक्सिको प्रदेश को मानसूनी पवनें प्रभावित करती हैं जिससे ग्रीष्मकाल में वर्षा होती है, जबकि मैक्सिको की खाड़ी और दक्षिण-पूर्वी तट व्यापारिक हवाओं के प्रभाव में रहने से वर्ष भर वर्षा प्राप्त करते हैं।

प्रचलित पवन और वायुराशियाँ (Prevailing Winds and Air Masses)

पश्चिमी द्वीप समूह और महादेश के दक्षिणी संकरे भाग में (10° से 20° अक्षांशों के बीच) प्रचलित पवन उत्तर-पूर्वी वाणिज्य पवन हैं। इनमें पश्चिमी द्वीप समूह और निकटवर्ती भागों में वर्ष भर वर्षा होती है। गर्मी के दिनों में जब महादेश के भीतरी भाग गर्म होने लगते हैं तो ये पवन मेक्सिको की खाड़ी से दक्षिणी पवन के रूप में भीतर प्रवेश करते हैं और वर्षा करते हैं।

इस महादेश पर चार वायुराशियां प्रवाहित होती रहती हैं :

1. कनाडा-स्थिति ध्रुवीय महाद्वीपीय
2. कनाडा के दोनों ओर समुद्रों में स्थित ध्रुवीय सामुद्रिक
3. मेक्सिको-स्थित उष्ण महाद्वीपीय
4. मैक्सिको के दोनों ओर समुद्रों में स्थित उष्ण सामुद्रिक वायुराशियाँ।

इनमें ध्रुवीय महाद्वीपीय वायुराशि सर्द और शुष्क है, जिससे जाड़े में उत्तरी भाग का तापमान अत्यधिक गिर जाता है। गर्मी में इसकी अस्थिरता देखी जाती है। ध्रुवीय सामुद्रिक वायुधाराएं अपेक्षाकृत गर्म होती हैं। परन्तु उत्तर प्रशांत वाली वायुराशि रॉकी पर पहुँचते ही ठंडी हो जाती है और उसमें स्थिरता आ जाती है। उत्तर अटलांटिक वाली वायुराशि से तटीय भाग में कुहासा छा जाता है और ध्रुवीय महाद्वीपीय से मिलकर यह मौसम में परिवर्तन लाती है।

दक्षिण-स्थित उष्ण महाद्वीपीय वायुराशि अत्यन्त गर्म और शुष्क होती है किन्तु जब यह उत्तर की ओर बढ़कर ठंडी वायुराशि से मिलती है तो वर्षा करने में समर्थ हो जाती है। जाड़े में इसका प्रभाव-क्षेत्र संकुचित रहता है और इससे वर्षा नहीं होती। सबसे अधिक प्रभावशाली प्रशांत और अटलांटिक की उष्ण सामुद्रिक वायुराशियाँ हुआ करती हैं जो पर्याप्त उष्ण और आर्द्र होती हैं ये तटवर्ती भागों में वर्षा प्रदान करने में सहायक होती हैं। इनकी अस्थिरता ग्रीष्मकाल में देखी जाती है। दक्षिण-पूर्वी तट पर इससे चक्रवात उत्पन्न होते हैं जो हरीकेन कहलाते हैं।

स्थानीय पवन (Local Wind)

जाड़े में जब सर्द ध्रुवीय पवन उत्तरी मैदान में प्रवेश करते हैं तो वहाँ का तापमान गिर जाता है। इन्हीं दिनों प्रशांत महासागर से चलने वाले स्थानीय पवन रॉकी को पार कर जब पूर्व में उतरते हैं तो दबाव के कारण गर्म हो जाते हैं। उनसे मैदानी भाग में तापमान बढ़ जाता है और घंटे-भर के अंदर 25 से 30° बर्फ गल जाती है। अलबर्टा में उतरनेवाला यह स्थानीय पवन चिनूक के नाम से प्रसिद्ध है जो शुष्क हुआ करता है।

जलधाराओं का प्रभाव : गर्म तथा ठंडी जलधाराएँ जिन तटों के समीप बहती हैं, वे वहाँ की जलवायु को अधिक प्रभावित करती हैं। महाद्वीप के दक्षिणी-पूर्वी तट पर गल्फस्ट्रीम और उत्तरी-पश्चिमी तट पर अलास्का की गर्म धाराएँ बहती हैं। इनके प्रभाव से तटीय भागों का तापमान सदैव ऊँचा रहता है। हवाएँ इनसे गर्म होकर नमी ग्रहण कर वर्षा करती हैं।

लेब्रेडोर की ठंडी धारा उत्तर पूर्वी भाग तथा कैलिफोर्निया की ठंडी धारा दक्षिणी-पश्चिमी भाग के निकट बहती हैं। इससे तटीय क्षेत्रों की जलवायु अधिक ठंडी हो जाती है।

लैब्राडोर और कैलिफोर्निया की धाराएँ सामान्य रूप से तापमान गिरा देती हैं जबकि उत्तरी प्रशांत और गल्फस्ट्रीम के प्रभाव से तापमान बढ़ जाता है। गर्म और ठंडी जल-धाराएँ जब आपस में मिलती हैं तो वहाँ घना कुहासा छा जाता है जैसे, न्यूफाउंडलैंड के निकट (उत्तर-पूर्वी भाग में)।

उत्तरी अमेरिका के जलवायु प्रदेश (Climate Regions of North America)

1. आर्कटिक या टुंड्रा प्रदेश : यह प्रदेश उत्तरी भाग में 600 से 800 उत्तरी अक्षांशों के बीच (पश्चिम में अलास्का से पूरब में लैब्राडोर और ग्रीनलैंड तक) एक पट्टी के रूप में विस्तृत है जहाँ दीर्घकालीन शीतऋतु मिलती है। ध्रुव के निकट स्थित होने के कारण यहां नौ महीनों तक तापमान 0° से भी कम रहा करता है अतः तुषारपात (snow fall) होता रहता है और भूमि हिमाच्छादित हो जाती है। शीतऋतु में यहाँ तेज बर्फ़ीली आँधी चला करती है जिसे ब्लिज़ार्ड (blizzard) कहते हैं। यहाँ की ग्रीष्मऋतु छोटी (3 महीने की) होती है, जिसमें तापमान 100° से अधिक नहीं जाता। उस समय धरती पर पड़ा हिम पिघलने लगता है और मिट्टी गीली तथा दलदल-सी हो जाती है। इस मिट्टी में ही शैवाल उगती है जो रेनडियर का प्रमुख भोजन है।

2. उपध्रुवीय या शीतोष्ण प्रदेश (टैगा प्रदेश) : यह प्रदेश आर्कटिक प्रदेश के ठीक दक्षिण में स्थित है और पश्चिम से पूरब तक एक पट्टी में विस्तृत है। यहाँ भी शीतऋतु लम्बी मिलती है और उस ऋतु में समस्त प्रदेश हिमाच्छादित रहता है। 6 से 8 महीने तक तापमान 0° से कम रहा करता है।

वर्षा ध्रुवीय सीमांत चक्रवातों (Polar Front depressions) से हुआ करती है। शीतलकाल में यहाँ भी बर्फ़ीली आँधी चलती है।

3. समशीतोष्ण समुद्री जलवायु प्रदेश (पश्चिम यूरोप-तुल्य जलवायु प्रदेश) : इसका विस्तार 400 से 600 उत्तर अक्षांशों के बीच पश्चिमी तट पर है जहाँ समुद्र का गहरा प्रभाव पड़ता है। इसके किनारे से गुजरनेवाली गर्म जलधारा इस प्रदेश की जलवायु को प्रभावित करती है जिसके कारण शीतकाल में भी यहाँ बर्फ नहीं जम पाती।

यह प्रदेश पश्चिमी पवन की पेट्टी में पड़ने के कारण वर्ष भर वर्षा पाता है। अधिक वर्षा के कारण यहाँ के पर्वतीय भाग में सघन वृक्ष मिलते हैं और लकड़ी काटने का उद्यम प्रचलित है।

4. भूमध्यसागरीय जलवायु प्रदेश : यह प्रदेश पश्चिमी तट पर 300 से 400 उत्तरी अक्षांशों के बीच स्थित है (मुख्यतः U.S.A. के कैलिफोर्निया राज्य में विस्तृत), जहाँ जाड़े में 10-12° तापमान मिलता है और गर्मी में 20-25° तक। समस्त वर्षा जाड़े में होती है (आर्द्र पश्चिमी पवन से) किन्तु गर्मी में यह प्रदेश स्थल की ओर से चलने वाले शुष्क वाणिज्य पवन की पेट्टी में आ जाने के कारण वर्षा नहीं पाता। ग्रीष्म ऋतु में स्वच्छ आकाश और साधारण गर्मी तथा जाड़े में हल्की ठंडक और वर्षा इस प्रदेश की प्रमुख विशेषता है।

5. प्रेयरी या मध्य महाद्वीपीय प्रदेश : इसकी स्थिति महादेश के भीतरी भाग में (रॉकी पर्वतमाला से सटे पूरब) है जो समुद्री प्रभाव से दूर है, अतः यहाँ वर्षा का अभाव है।

6. लारेंसीय जलवायु प्रदेश : इसकी स्थिति वृहत् झीलों के आसपास (पूर्वी भाग में) है जहाँ शीतोष्ण चक्रवातों से सालोभर वर्षा होती है। वर्षा पूरब से पश्चिम की ओर घटती जाती है। इसकी मात्रा 50 से 100 सेमी. रहती है। यहाँ लैब्राडोर की ठंडी जलधारा ठंडक बढ़ाती है।

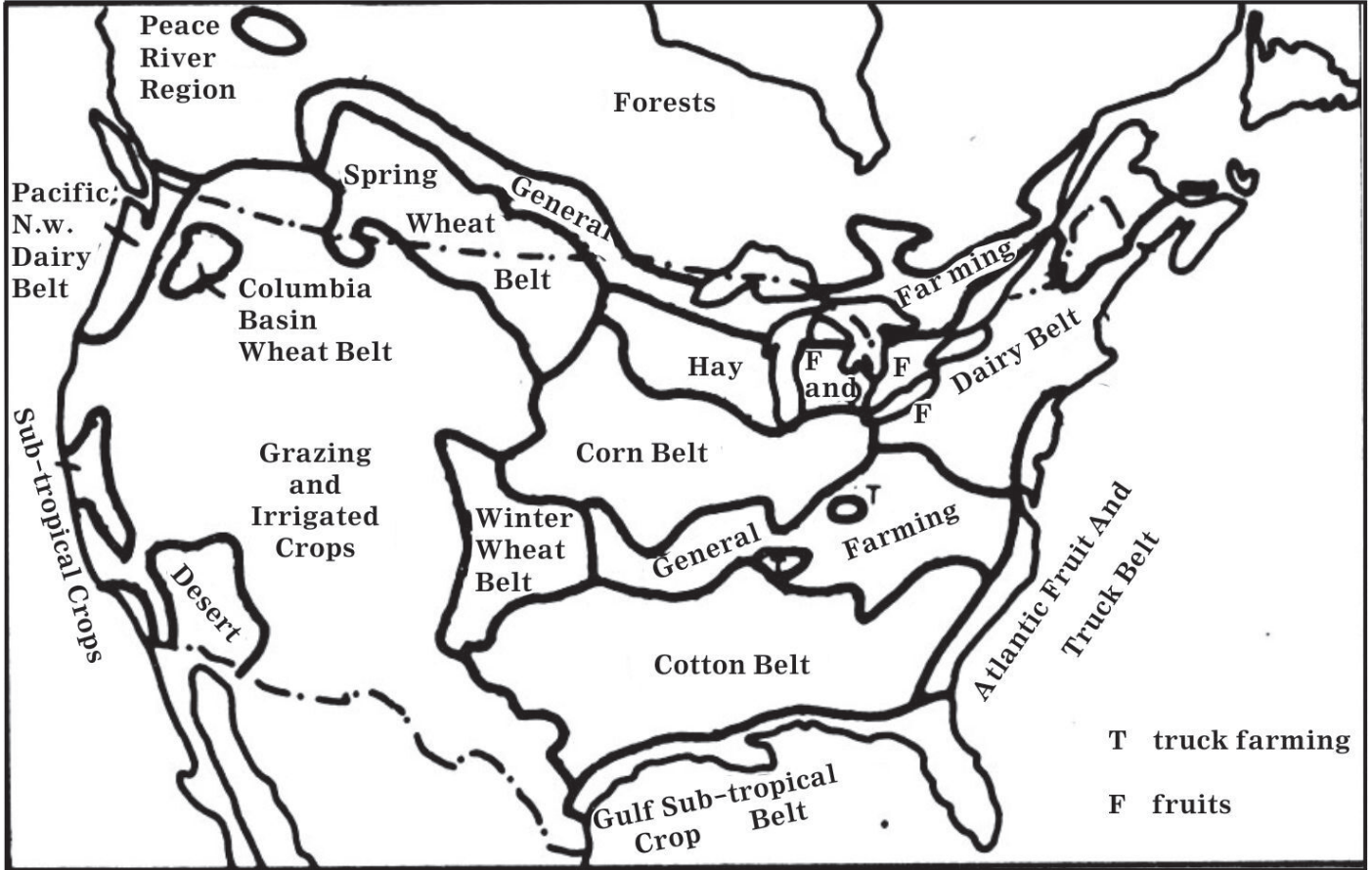
तटवर्ती क्षेत्रों में लैब्राडोर की ठंडी जलधारा और दक्षिण की गल्फ स्ट्रीम के मिलन के कारण कुहासा छा जाता है।

- 7. आर्द्र महाद्वीपीय जलवायु प्रदेश :** यह प्रदेश 300 से 450 उत्तरी अक्षांशों के बीच पूर्वी भाग में स्थित है। **संयुक्त राज्य (U.S.A.)** का दक्षिण पूर्वी भाग इसी जलवायु प्रदेश के अंतर्गत आता है जिसकी जलवायु शीतोष्ण मानसून (चीन-तुल्य जलवायु) से बहुत मिलती-जुलती है।
- वर्षा मुख्यतः गर्मी में और उत्तर-पूर्वी वाणिज्य पवन (S.E. Trade Winds) से होती है जो पश्चिम की ओर कम होती जाती है। गर्मी में यहां दक्षिण से आते हुए उष्ण चक्रवात पहुँच जाते हैं जो 'टैरनेडो' कहलाते हैं। गल्फ की आरे से भी ग्रीष्मऋतु में आर्द्र हवाएँ यहाँ पहुँचकर वर्षा करती हैं। इस प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 100 सेमी है, अतः कृषि के लिए यह प्रदेश बड़ा उपयुक्त है।
- 8. उष्ण मरुस्थलीय प्रदेश :** यह प्रदेश महादेश के पश्चिमी भाग में 200 से 300 उत्तरी अक्षांशों के बीच मिलता है जिसमें संयुक्त राज्य का दक्षिण-पश्चिमी भाग और मेक्सिको का उत्तर-पश्चिमी भाग सम्मिलित है।
- रॉकी पर्वतश्रेणी की पश्चिम क्षेत्र में स्थित इस प्रदेश में कोलोरैडो और एरीजोना के मरुस्थलीय भाग मुख्य रूप से आते हैं जहाँ शुष्क वाणिज्य पवन पहुँचा करते हैं और भीषण गर्मी पड़ा करती है।
- 9. उष्ण और आर्द्र जलवायु प्रदेश :** उत्तरी अमेरिका का सबसे दक्षिणी भाग जो मध्य मेक्सिको से पनामा तक विस्तृत है, पर्वतीय है, अतः उष्ण क्षेत्र में स्थित होते हुए भी ऊँचाई के कारण अत्यधिक गर्म नहीं हो पाता। वाणिज्य पवन की पेटी में स्थित होने के कारण वर्षभर पूर्वी समुद्र से आर्द्रता लेकर पवन चला करते हैं और वर्षा करते हैं। यहाँ मानसूनी, वनस्पति भी पायी जाती है (जैसे शीशम, सागवान, सखुआ, बांस इत्यादि के वन)।
- 10. उच्च पर्वतीय जलवायु प्रदेश :** यह रॉकी का उच्चपर्वतीय भाग है जहाँ अधिक ऊँचाई के कारण तापमान सदा कम रहता है। बढ़ते अक्षांश के अनुसार भी तापमान कम होता जाता है। वर्षा की मात्रा भी कहीं एक-सी नहीं मिलती। उच्च अक्षांशों में पश्चिमी ढाल पर और निम्न अक्षांशों में पूर्वी ढाल पर वर्षा अधिक होती है।

ऐंग्लो-अमरीका के कृषि प्रदेश

- 1. मिश्रित कृषि प्रदेश (Mixed Farming Regions):** मिश्रित कृषि वह कृषि प्रणाली है जिस में फसलों की कृषि के साथ-साथ कई सहायक व्यवसाय भी अपनाये जाते हैं : जैसे- पशु-पालन, पालन, डेयरी फार्मिंग, फल उत्पादन, पोल्ट्री तथा रेशम के कीड़े पालना। इससे किसानों की आय में वृद्धि होती है। इस गहन कृषि के कारण किसान आर्थिक रूप से समृद्ध हैं। इस कृषि के दो उपक्षेत्र हैं: (i) ब्रिटिश कोलम्बिया, (ii) महान झीलों तथा उत्तरी अमरीका का दक्षिणी भाग। इन क्षेत्रों में गेहूं तथा मक्का की फसलें पशुपालन के लिये प्रयोग की जाती हैं। डेयरी फार्मिंग, ट्रक फार्मिंग, पोल्ट्री आदि ओन्टेरियो तथा विस्कॉन्सिन राज्यों में उन्नत है। महान झीलों के निकट ओन्टेरियो, क्यूबेक तथा न्यू इंग्लैंड राज्य कई प्रकार के फलों के उत्पादक हैं। यहाँ शीत काल की नर्म गेहूं की कृषि बड़े आकार के खेतों में होती है। यहाँ यंत्रों का प्रयोग अधिक है। झील क्षेत्र के औद्योगिक नगरों में डेयरी फार्मिंग तथा मांस उत्पादों की मांग अधिक है क्योंकि लोगों की क्रय शक्ति तथा जीवन स्तर उंचा है।
- 2. बसंतकालीन गेहूं क्षेत्र (Spring Wheat Region):** यह प्रदेश 49° अक्षांश रेखा के उत्तर-दक्षिण में प्रेयरी मैदान में स्थित है। कनाडा में अल्बर्टा, सस्केचवान तथा मैनीटोबा राज्य तथा संयुक्त राज्य में उत्तरी डकोटा, दक्षिणी डकोटा, मिनेसोटा तथा मोनटाना राज्य महत्वपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में वाशिंगटन तथा ओरेगान राज्य भी शामिल हैं। उत्तर में पीस नदी तथा दक्षिण में नेब्रास्का राज्य इसकी सीमाएं हैं। जहाँ उपज काल 110 दिन से अधिक है।
- 3. शीतलकालीन कठोर गेहूं का कृषि प्रदेश (Winter Hard Wheat Region):** इस प्रदेश का विस्तार नेब्रास्का राज्य से टेक्सास तथा ओक्लाहोमा राज्यों तक है। इसमें कांसास तथा ऐरीज़ोना राज्य भी शामिल हैं। यहां प्लेट तथा अरकांसास नदियों बहती हैं।
- 4. मक्का पेटी (Maize Belt):** यह पेटी पूर्व में इलिनोयस तथा पश्चिम में आयोवा राज्यों के मध्य से स्थित है। निकटवर्ती राज्यों में भी मक्का की कृषि होती है। मक्का पेटी में प्रमुख राज्य आयोवा, इलिनोयस, इण्डियाना, मिनेसोटा, पेनसेल्वेनिया तथा नेब्रास्का हैं। इस प्रदेश की सीमाओं पर जलवायु तथा वर्षा का प्रभाव है।
- 5. मक्का, गेहूं तथा तम्बाकू क्षेत्र (Maize Wheat and Tobacco Region):** यह तंग पेटी, उत्तर में मक्का पेटी तथा दक्षिण में कपास पेटी के मध्य स्थित है। उत्तर-पूर्व में यह प्रदेश फ्रिलंट पहाड़ियों की ओर मुड़ जाते हैं जहां यह प्रदेश मिश्रित कृषि और कपास पेटी के मध्य स्थित है। वर्जीनिया उत्तरी कैरीलीना तथा कैन्टकी प्रदेश में तम्बाकू का उत्पादन होता है।
- 6. कपास पेटी (Cotton Belt):** कपास की कृषि संयुक्त राज्य के दक्षिण राज्यों में अटलान्टिक महासागर के तट से प्रशांत महासागर के तट तक की जाती है। संयुक्त राज्य के विशिष्ट प्रदेश में कपास प्रमुख फसल है। इसे कपास पेटी (Cotton Belt) कहते हैं। इसमें अटलान्टिक महासागरीय तट, पिडमाऊंट पठार, टैनेसी घाटी, मिसीसिपी नदी का मैदान, प्रेयरी क्षेत्र, टेक्सास तथा ओक्लाहोमा राज्य सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त कैलिफोर्निया राज्य में कपास की कृषि होती है। कपास पेटी में कई भौगोलिक सुविधाओं के कारण कपास की कृषि अधिक है।
 - (1). उत्तरी सीमा पर 210 दिन पाला रहित उपज काल है।
 - (2). पिडमाऊंट तथा तटीय मैदान पर जल-प्रवाह की सुविधाएं हैं।
 - (3). टैनेसी, मिसीसिपी, अरकांसास तथा रैड नदी की जलोढ़ मिट्टी बहुत उपजाऊ है।
 - (4). दक्षिणी राज्यों में तथा अपेलेशियन क्षेत्रों में सूती वस्त्र उद्योग के कारण कपास की मांग अधिक है।
 - (5). आधुनिक तकनीक के प्रयोग से उपज अधिक है।
 - (6). कैरोलीना, जॉर्जिया तथा अलबामा राज्य में लम्बे रेशे वाली अमरीकी कपास की कृषि होती है।
- 7. उष्ण कटिबंधीय आर्द्र कृषि प्रदेश (Tropical and Humid Agricultural Region) :** यह क्षेत्र फ्लोरिडा, प्रायद्वीप तथा खाड़ी मैक्सिको के निकटवर्ती क्षेत्र में फैला हुआ है। चावच इस प्रदेश की मुख्य फसल है। चावल की कृषि तटीय क्षेत्र तथा मिसीसिपी डेल्टा में होती है।

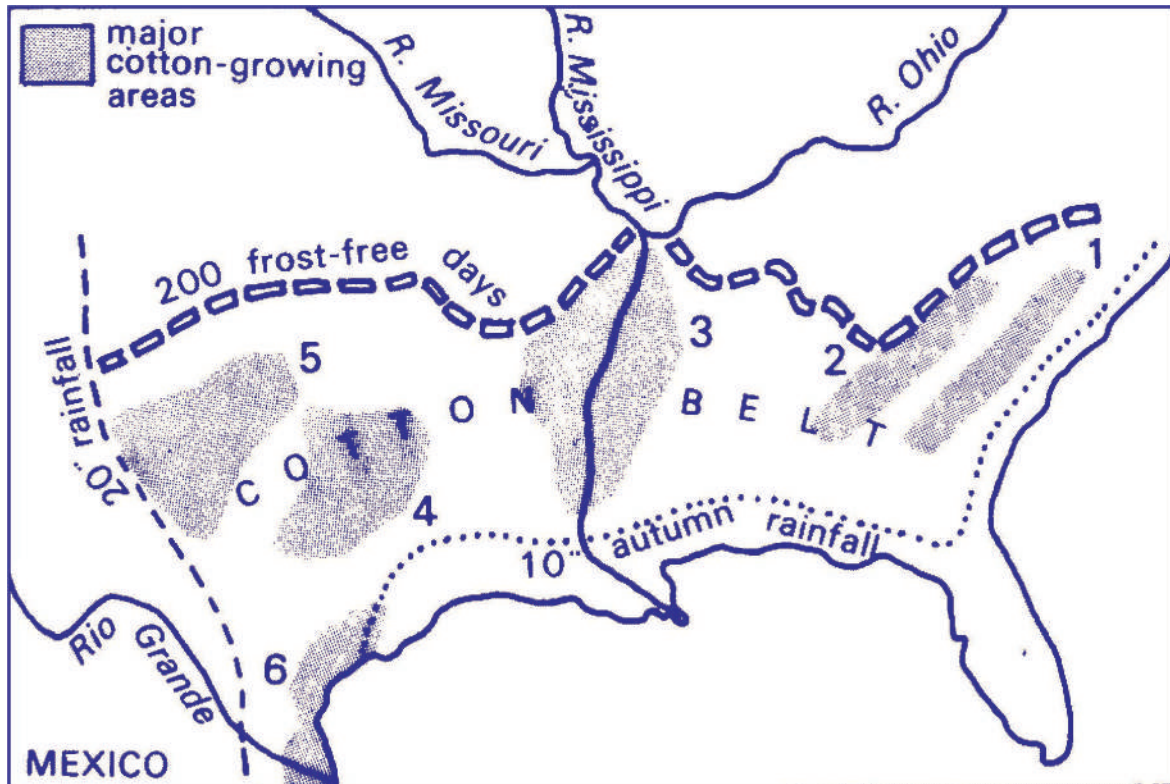
8. **शुष्क कृषि तथा पशु पालन प्रदेश (Dry Farming and Animal Husbandry Region):** इस क्षेत्र में कैलिफोर्निया नेवाडा, यूटा तथा ऐरीज़ोना राज्य शामिल हैं जहां उच्च तापमान है तथा कम वर्षा है। वनस्पति मुख्य रूप से घास झाड़ियां तथा छोटे-छोटे वृक्ष हैं। कोलोराडो, सैक्रेमंटो तथा सान-जैकविन नदियों से जल प्राप्ति के कारण इस प्रदेश में कृषि में बहुत परिवर्तन हुआ है। मध्यवर्ती घाटी, इम्पीरियल घाटी तथा सान जैकविन घाटी में गहन कृषि होती है। उत्पादन अधिक है, क्योंकि जल सिंचाई एवं मशीनों का प्रयोग किया जाता है जलवायु अनुकूल है। घास तथा चारे की फसलों के कारण पशु-पालन अधिक है।



प्राकृतिक वनस्पतिक प्रदेश

उत्तरी अमेरिका की जलवायु के आधार पर निम्नलिखित प्राकृतिक वनस्पति-प्रदेशों में विभक्त किया जा सकता है-

1. **टुण्ड्रा (Tundra):** यह वनस्पति-प्रदेश अलास्का से कनाडा तक आर्कटिक जलवायु वाली पट्टी में विस्तृत है वर्ष के अधिकतर दिनों तक हिमाच्छादित रहने के कारण के कारण वनस्पति का अभाव-सा पाया जाता है।
2. **कोणधारी वन (Coniferious Forests):** यह वनस्पति टुण्ड्रा प्रदेश के दक्षिण में पाई जाती हैं इसका विस्तार महान झीलों तथा सेंट लारेंस तक है तथा पश्चिम में रॉकी पर्वत तक है। इस प्रदेश में मंद तापमान अधिक वर्षा तथा लम्बी ग्रीष्म ऋतु होती है। यहां की मिट्टियों में हमस की मात्र अधिक होती है तथा यह काले रंग की होती है। कैल्शियम, पोटेशियम तथा फास्फोरस की कमी के कारण यहां केवल कोणधारी वन पाये जाते हैं। यह वन जलवायु के अनुसार पनपते हैं। सूई के आकार के पत्ते शीत की कठोरता को सहन करते हैं। इन वृक्षों के पत्ते नहीं झड़ते तथा सदाबहार वन पाए जाते हैं। यहाँ नर्म लकड़ी के उपयोगी वृक्ष चीड़, सिडार, एस्पन, फल तथा स्प्रूस पाये जाते हैं। यह लकड़ी रेयन, अखबारी कागज़ लुग्दी, प्लाइवुड कागज़ तथा फर्नीचर के लिये उपयोगी है।



3. **शीतोष्ण मिश्रित वन (Temperate Mixed Forests):** वृहत झीलों के पास कोणधारी वन उगते हैं, साथ ही कुछ चौड़ी पत्तियों वाले ओक (oak), मैपल (maple), बर्च (beach), बीच (beach) इत्यादि पेड़ भी उग आते हैं, अतः इन्हें 'मिश्रित वन' कहा जाता है। वास्तव में यह भाग उत्तर की मुलायम और दक्षिण की कड़ी लकड़ी वाले वनों की संधि- वनस्थली है। इस वनप्रदेश से कनाडा को पर्याप्त मुलायम लकड़ी उपलब्ध होती है जो लुगदी और कागज बनाने के काम आती है।
4. **शीतोष्ण घास के मैदान (Temperate Grasslands):** इन्हें प्रेयरी के घास के मैदान भी कहा जाता है। इनका विस्तार रॉकी पर्वत के पूर्वी क्षेत्र में है। यहां वर्षा की मात्रा 50 सेंटीमीटर है जो वृक्षों के लिये पर्याप्त है। ग्रीष्म काल तथा बसंत ऋतु की वर्षा के कारण घास पनपती है। उत्तर-पूर्वी भाग में कोणधारी तथा मिश्रित वन पाये जाते हैं। उपजाऊ मिट्टी के कारण गेहूं की कृषि होती है।
5. **भूमध्यसागरीय वनस्पति (Mediterranean Vegetation):** उत्तर अमेरिका के पश्चिमी तट पर 35° से 45° उत्तरी अक्षांशों के बीच (मध्य कैलिफोर्निया) का प्रदेश एक विशेष प्रकार की वनस्पति के लिए उल्लेखनीय है। यहाँ की जलवायु भूमध्यसागरीय है और इसमें उगने वाले छोटे पेड़ों तथा गुल्म-लताओं को भूमध्यसागरीय वनस्पति या चैपरेल (Chaprral) नाम दिया जाता है। ग्रीष्मकालीन शुष्कता के कारण वृक्षों की वृद्धि रुक जाती है। यहाँ कार्क, ओक, जैतून, नीबू, नारंगी इत्यादि कुछ विशिष्ट वृक्ष होते हैं। अल्पवृष्टि के क्षेत्रों में उगने वाली घासों पर भेड़ पाले जा सकते हैं। मध्य कैलिफोर्निया में ऐसी घास बहुतायत से उगती है।
6. **कड़ी लकड़ी के द. पू. वन (Hardwood Forests of the South-East) :** संयुक्त राज्य के द.पू. भाग में, जहाँ मुख्यतः ग्रीष्मकाल में सबसे अधिक वर्षा होती है, पतझड़ वन (Deciduous forests) मिलते हैं। पेड़ों की पत्तियाँ अधिक चौड़ी होती हैं और लकड़ियाँ कड़ी। सबसे उत्तरी भाग में और ऊँचाई पर कोणधारी वनों के पेड़ उग आते हैं अन्यथा इस भाग में ओक (oak), मैगनोलिया (magnolia), हिकॉरी (hickory), पाइन (pine), मैपल (maple), वालनट (walnut) इत्यादि पेड़ मिलते हैं।
7. **उष्ण मरुस्थलीय वनस्पति (Vegetation of Tropical Desert and Semi-desert):** कर्क रेखा के समीपवर्ती रॉकी-पर्वतीय क्षेत्र में (20° से 30° अक्षांशों के बीच, उ.प. मेक्सिको एवं द.प. संयुक्त राज्य के शुष्क भाग में) कंटली झाड़ियाँ उगा करती हैं।
8. **उष्णार्द्र वन (Tropical Forests):** पश्चिमी द्वीपसमूह और मध्य अमेरिका में उष्णार्द्र वन मिलते हैं जहाँ अधिक गर्मी के साथ ही वर्षा की अधिकता पाई जाती है। जहाँ वर्षा की कमी है वहाँ शुष्क मानसूनी प्रकार के वन उगते हैं और जहाँ वर्षा की अधिकता है वहाँ विषुवतीय प्रकार के चिरहरित वन मिलते हैं।
इस वन की लकड़ी कड़ी होती है। यहाँ मिलनेवाले महोगनी (mahogany), पाम (palm), लॉगवुड (logwood), साल (sal) इत्यादि के वृक्ष विशेष महत्त्व के हैं।

उत्तरी अमेरिका : संसाधन

भूगर्भिक कारक

अति प्राचीनकाल में (आर्कियन युग में) समस्त पृथ्वी वर्तमान महाद्वीपों की जगह बिखरे हुए छोटे-बड़े भूखण्ड थे। इन भूखण्डों में क्रमिक विकास होने के कारण वर्तमान महाद्वीपों का आविर्भाव हुआ है।

पचासों करोड़ वर्ष पूर्व उत्तरी अमेरिका के उत्तरी भाग में जो भूखण्ड था उसे 'कनेडियन शील्ड' (Canadian Shield) नाम देते हैं। आर्कियन युग की प्राचीनतम और रूपांतरिकत चट्टानों से निर्मित इस शील्ड का विस्तार हडसन की खाड़ी के चारों ओर था। इसके पूर्व-दक्षिण में 'कैलिडोनियन पर्वतश्रेणी' का निर्माण हुआ। टैकोनिक और ग्रीन पहाड़ी आज इसी पर्वतश्रेणी के अवशेष हैं। कैलिडोनियन भूसंचलन आज से 35-40 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ।

कनेडियन शील्ड और कैलिडोनियन पर्वत कालांतर में अपरदित हो गये। इनके तलछट निकटवर्ती-समुद्र में जमा होते गए। कालक्रम में यह समुद्र बालू मिट्टी और चूना-पत्थरों से भर गया और वहाँ 'अपलेशिया' स्थलखण्ड निर्मित हुआ। इस नए स्थल के दलदल भागों में घने वन उग आए जो दबकर कोयला-क्षेत्रों में बदल गए। कुछ करोड़ वर्षों के बाद परमिनी कल्प (Permian Period) में यहाँ 'अपलेशियन पर्वत' का निर्माण हुआ। यह भूसंचलन 22 से 25 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ और हरसीनियन भूसंचलन के नाम से जाना जाता है। जुरैसिक कल्प (Permian Period) में यह पर्वत घर्षित होकर समतलप्राय हो चला। बाद के कल्पों में यह कई बार उठा और फिर अपरदित हुआ। नदियों के प्रवाहित होने की गति मंद पड़ने के कारण डेल्टा-निर्माण सक्रिय हो चला। खड़िया मिट्टी (Chalk) का जमाव सुदूर तक हुआ, जैसे- उ.प. कनाडा और अलास्का तक। क्रिटेशस कल्प (Cretaceous Period) आते-आते पर्वत-निर्माण-क्रिया सक्रिय हो उठी और पश्चिमी भाग में बड़े स्तर पर पर्वत श्रेणियों का निर्माण हुआ। ये उत्तरी अमेरिका की नवीन पर्वत-श्रेणियाँ हैं जो 'रॉकी पर्वतमाला' के नाम से प्रसिद्ध हैं। रॉकी का निर्माणकाल 7 से 13 करोड़ वर्ष पूर्व है।

1. कनेडियन शील्ड

यह उत्तरी अमेरिका का **सबसे प्राचीन और दृढ़ भूखण्ड** है जिसने सपाट पठार का रूप ले लिया है। यह मुख्य रूप से कैम्ब्रियन-पूर्व (Pre-Cambrian) चट्टानों द्वारा निर्मित है जो रूपांतरित होने के कारण **लोहा, ताँबा, चाँदी, सोना, निकेल, जस्ता, सीसा, प्लैटिनम, टाइटेनियम, यूरेनियम, आस्बेस्टस इत्यादि खनिजों में धनी** है। इसका विस्तार हडसन की खाड़ी (Hudson Bay) के चारों ओर है, उत्तर में आर्कटिक द्वीपों (ध्रुवीय द्वीपसमूह) से लेकर दक्षिण में वृहत् झीलों (Great Lakes) तक, और पश्चिम में मैकेन्जी निम्न-भूमि (labrador Plateau) से लेकर पूर्व में लैब्राडोर पठार (संज्ञकत चट्टान) तक। इस शील्ड का क्षेत्रफल 25 लाख वर्ग किलोमीटर है। कनेडियन शील्ड को **लॉरेंशियन शील्ड** (Labrador Plateau) भी कहा जाता है।

2. अपलेशियन पर्वत/उच्च भूमि

कनेडियन शील्ड के बाद उत्तर अमेरिका का सबसे प्राचीन भू-भाग अपलेशियन ही है। यह परमिनी कल्प (Permian Period) का बना **अत्यन्त प्राचीन मोड़दार पर्वत** है जो आज घिसकर बहुत कम ऊँचा रह गया है। औसत ऊँचाई 500 से 1300 मीटर है। इसका विस्तार महादेश के पूर्वी भाग में न्यूफाउण्डलैंड (Newfoundland) से लेकर अलाबामा राज्य (Alabama State) तक है।

(a) उत्तरी अपलेशियन (North Appalachian): यहाँ मुख्यतः पठारी भाग है जहाँ की समतलप्राय भूमि विभिन्न ऊँचाइयों में मिलती है। सर्वाधिक ऊँचाई 1600 मीटर है। यहाँ हिमानीकरण के प्रभाव से उच्चभागों में मिट्टी का अभाव पाया जाता है और निम्न भागों में झीलें पाई जाती हैं। संरचना की दृष्टि से इस भाग में विविधताएँ देखी जाती हैं। अनेक स्थानों पर चट्टानों की परतों में मोड़, भ्रंशन और विदरण मिलते हैं। कई स्थानों में ज्वालामुखी-क्रिया के कारण आग्नेय और रूपांतरित चट्टानें मिलती हैं। रूपांतरण के फलस्वरूप नीस, शिस्ट, स्लेट, क्वार्ट्जाइट और संगमरमर की रचना हुई है।

(b) दक्षिणी अपलेशियन (South Appalachian): यह मुख्यतः पहाड़ी भाग है और अपलेशियन का सबसे ऊँचा भाग है। यह उत्तरी अपलेशियन की अपेक्षा अधिक विस्तृत भी है। अपलेशियन पर्वत के उच्चतम शिखर इसी भाग में हैं। इसका विस्तार उत्तर में

हडसन-घाटी से लेकर दक्षिण में ओहायो, पेंसिलवानिया, वर्जीनिया, टेनेसी, उत्तरी कैरोलिना, जॉर्जिया और अलाबामा राज्यों तक है। सर्वोच्च शिखर, गहरे जलमार्ग (deep water gap), संकीर्ण गहरी घाटियाँ (gorges), प्रपात (falls) और पर्वतश्रेणियों के बीच विस्तृत निम्न मैदान-जैसी विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियाँ इस भाग में देखने को मिलती हैं। पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ने पर पहले पठार मिलता है (अलगेनी और कम्बरलैंड) जिसे अपलेशियन पठार कहते हैं। इसके बाद नवीन अपलेशियन क्षेत्र मिलता है। इससे सटे पूर्व में प्राचीन अपलेशियन क्षेत्र है।

- (i) **अपलेशियन पठार:** इसकी ऊँचाई 700 से 1300 मीटर है। यह ऊँचाई पश्चिम में तथा उत्तर-पूर्व में कम होती गई है। पश्चिम में यह पठार धीरे-धीरे मिसिसिपी के मैदान में मिल जाता है। इस पठार में पुराजीव महाकल्प (Palaeozoic Era) की चट्टानें क्षैतिज रूप में मिलती हैं। वलित होने से ये सर्वथा बच गई हैं। अलगेनी पठार (Allegheny Plateau) और कम्बरलैंड पठार (Cumberland Plateau), जो क्रमशः उत्तर और दक्षिण स्थित हैं, इसके अलग-अलग नाम हैं। बहुत अधिक अपरदित होने के कारण इस **पठार में स्थित कोयला, लोहा, ताँबा आदि की खानें ऊपर (सतह पर) आ गई हैं।**
- (ii) **प्राचीन अपलेशियन क्षेत्र:** यह वृहत अपलेशियन घाटी से सटे पूर्व में विस्तृत है जिसकी संरचना में कैम्ब्रियन-पूर्व चट्टानों की प्रधानता है। पर्वत-निर्माणकारी भू-संचलन द्वारा यहाँ की चट्टानें अत्यधिक रूपांतरित हैं। इसकी पश्चिमी सीमा पर 'ब्लू रिज' (Blue Ridge) श्रेणी है जिसमें 'ग्रेट स्मोकी पर्वत' (Great Smoky Mountains) है। अपलेशियन का सर्वोच्च शिखर 'मिटचेल' (Mt. Mitchell 2047 मीटर) इसी में है। यह पर्वत गुम्बदाकार (dome-shaped) है।
- (iii) **प्रपात रेखा:** प्राचीन अपलेशियन (या इसका पूर्वी भाग 'पीडमोंट') जहाँ पूर्वतटीय मैदान से मिलता है, ढाल में अचानक परिवर्तन आ जाता है और नदियाँ वहाँ प्रपात (falls) बनाती हैं। उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम तक प्रपात बनाने वाले ऐसे स्थान एक सीध में आते हैं और यह 'प्रपात-रेखा' (Fall Line) के नाम से जाना जाता है। जो जलविद्युत का प्रमुख स्रोत हैं।

3. पश्चिमी कार्डिलेरा

- (i) **रॉकी पर्वतश्रेणी (The Rocky Mountain System):** यह पश्चिमी कार्डिलेरा की सबसे पूर्वी पर्वतश्रेणी है जो आल्प्स तथा हिमालय के समकालीन है। आल्प्स और हिमालय का फैलाव पूर्व-पश्चिम है तो इसका (रॉकी का) उत्तर-दक्षिण। कई नदी-घाटियों द्वारा कटकर भी यह अविच्छिन्न पर्वतशृंखला (continuous mountain chain) के रूप में मिलती है। इसका निर्माण 7 से 13 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ और यह इस महादेश की सबसे नई पर्वतश्रेणी है जो वलित या मोड़दार है (the youngest folded mountain system)। इसकी स्थिति प्रशांत तट से सैकड़ों किलोमीटर हटकर है। मध्यवर्ती भाग में समुद्र तट से इसकी दूरी 1600 किलोमीटर तक है (ग्रेट बेसिन और ओर कोलोरैडो पठार के निकट)। उत्तर में इसे Brooks Range या Endicott Range, Mackenzie Mountains तथा दक्षिण (मेक्सिको) में Eastern Sierra Madre के नाम से भी पुकारते हैं। सियरा मादरे ममें ज्वालामुखी-क्रियाओं के प्रमाण मिलते हैं और इसके फलस्वरूप **इस भाग में सोना, चाँदी, जस्ता, सीसा, गंधक इत्यादि खनिज उपलब्ध हैं।**
- (ii) **प्रशांत तट की पर्वतश्रेणियाँ (The Pacific Mountain System):** ये पश्चिमी कार्डिलेरा की सबसे पश्चिमी पर्वतश्रेणियाँ हैं जिनका निर्माण रॉकी पर्वतश्रेणी के पहले हुआ है, ये पर्वत दो समानान्तर श्रेणियों में मिलते हैं और उन श्रेणियों के बीच निम्न भूमि पाई जाती है। सबसे पश्चिमी पर्वत को तटीय पर्वतश्रेणियाँ (Coast Ranges) नाम दिया गया है। इनका आरंभ अलास्का और ब्रिटिश कोलम्बिया के पश्चिम स्थित द्वीपों से होता है और दक्षिण में ये कैलिफोर्निया प्रायद्वीप होते हुए मेक्सिको की ओर मुड़ जाती हैं। इनसे कहीं अधिक लम्बी और स्पष्ट प्रशांत तट की पूर्वी पर्वतश्रेणियाँ हैं जो विभिन्न भागों में विभिन्न नामों से पुकारी जाती हैं: जैसे - (उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ते हुए)- **अलास्का श्रेणी (Salkirk Range), सेल्कक श्रेणी (Cascade Range), कास्केड श्रेणी (Cascade Range), सियरा नेवाडा (Sierra Nevada) और पश्चिमी सियरा मादरे (Western Sierra madre)। ज्वालामुखी-क्रियाओं के कारण ही इस पर्वतीय भाग में सोना, चाँदी और ताँबा जैसे बहुमूल्य खनिज पदार्थ मिलते हैं।**
- (iii) **अंतःपर्वतीय पठार (Intermontaine Plateaus):** पश्चिमी कार्डिलेरा में रॉकी पर्वतश्रेणी और प्रशांत तट की पर्वतश्रेणियों के बीच विस्तृत पठारी भाग मिलता है जिसकी ऊँचाई 300 मीटर तक है। पर्वतश्रेणियों से घिरे इस पठार को पाँच भागों में बाँटा जा सकता है। उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ने पर पाँच पठार मिलते हैं जो विभिन्न प्रकार से बने हैं।

1. अलास्का पठार (Alaskan Plateau)
2. कोलम्बिया पठार (Columbia Plateau)

3. ग्रेट बेसिन पठार (Greate Basin Plateau)
4. कोलोरैडो पठार (Colorado Plateau), और
5. मेक्सिको पठार (Mexican Plateau)।

अलास्का पठार अलास्का राज्य का उत्तरी भाग है।

कोलम्बिया पठार अलास्का के दक्षिण है। कनाडा में इसे 'ब्रिटिश कोलम्बिया का पठार' और संयुक्त राज्य से कोलम्बिया-स्नेक पठार' कहते हैं। इस पठार पर लगभग 700 मीटर मोटा लावा निक्षेप (lava deposit) मिलता है। यहाँ लावा में घाटियों का निर्माण हुआ है। स्नेक और कोलम्बिया (R. Snake and R. Columbia) इस पठार की प्रसिद्ध नदियाँ हैं। पूर्वी भाग में यहाँ का प्रसिद्ध Yellow Stone Park मिलता है जहाँ गर्म पानी के झरने और गेसर (हमलेमत) पाये जाते हैं। विश्वप्रसिद्ध 'Old Faithful' नामक गेसर इसी पार्क में है।

ग्रेट बेसिन एक **आन्तरिक प्रवाह-क्षेत्र** (area of inland drainage) है। इसमें कई झीलें मिलती हैं जिनमें सबसे बड़ी Great Salt Lake है (5000 वर्ग किलोमीटर)। अन्य उल्लेखनीय झीलों के नाम हैं। इन झीलों में बहुत अधिक वाष्पीभवन होता है, अतः इनका जल खरा (नमकीन) है।

कोलोरैडो पठार ग्रेट बेसिन के दक्षिण में है जिसकी ऊँचाई 1800 मीटर है। वासाच पहाड़ इन दोनों को अलग करता है। इस पठार का धरातल बालूपत्थर (sandstone) और चूनापत्थर (limestone) से निर्मित है।

मेक्सिको पठार दक्षिण में पूर्वी सियरा मादरे और पश्चिमी सियरा मादरे पर्वतश्रेणियों के बीच में स्थित है। यहाँ ज्वालामुखी-प्रवाह की कड़ी चट्टानें मिलती हैं अतः इसे **ज्वालामुखी पठार** भी कहते हैं। पुराने ज्वालामुखों (craters) में जल भर जाने से जगह-जगह झीलें पायी जाती हैं। नदियों ने यहाँ गहरी घाटियों का निर्माण किया है। **इस पठार में सोना, चाँदी, ताँबा, गंधक इत्यादि खनिज पदार्थ उपलब्ध हैं।**

4. मध्यवर्ती तथा तटीय मैदान

अपलेशियन और रॉकी पर्वतों के बीच तथा कनेडियन शील्ड के दक्षिण उत्तरी अमेरिका का विस्तृत मैदानी भाग मिलता है जिसे **मध्यवर्ती मैदान** (Central or Greate Central Plains) कहते हैं। ये पुरानी चट्टानों की पहाड़ियाँ हैं (ऊँचाई 900 मीटर तक)। इस मैदान की परतदार चट्टानों में कई स्थानों पर कोयले और खनिज तेल के भंडार हैं।

लोहा संसाधन

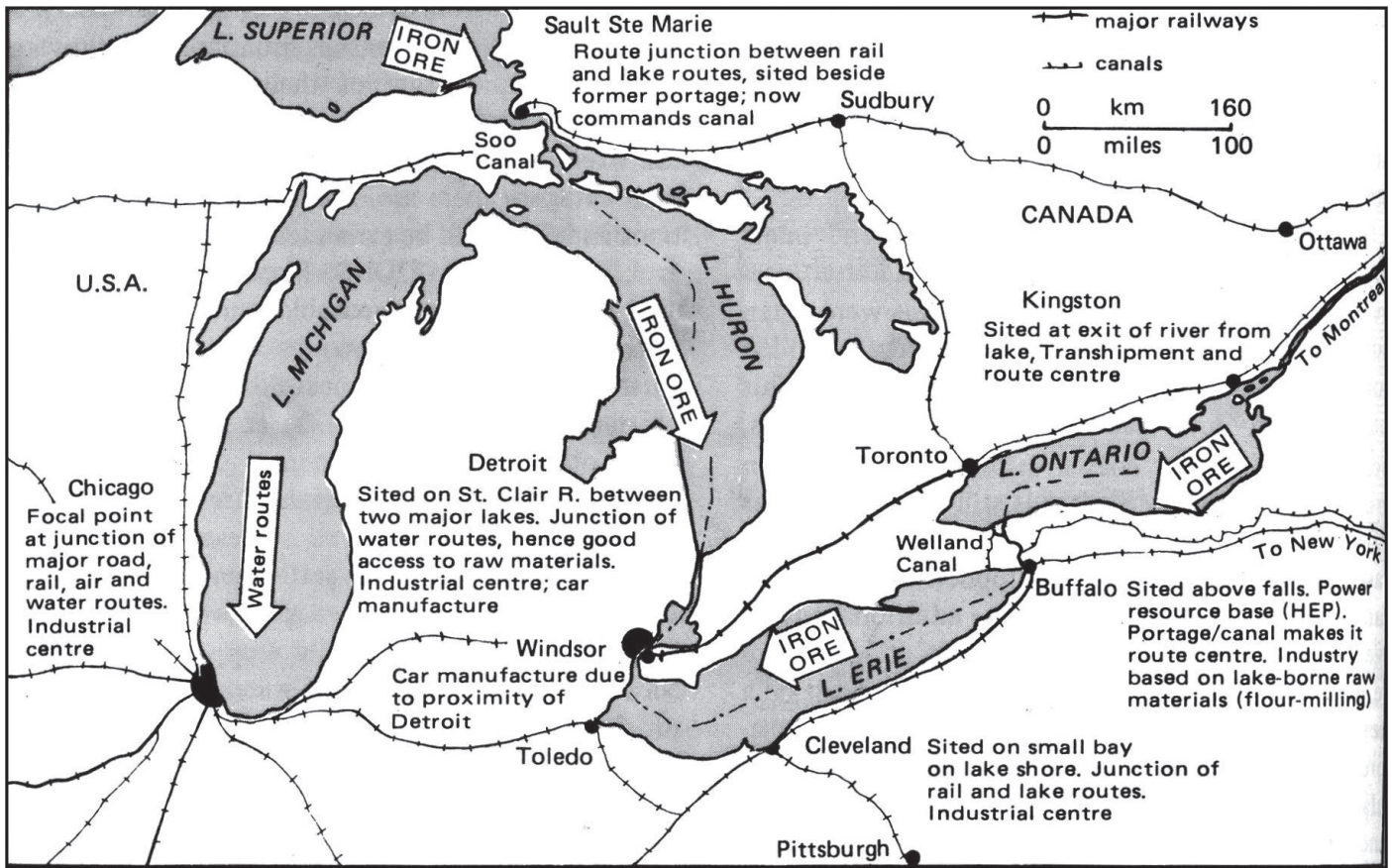
- (i) **सुपीरियर झील क्षेत्र:** यह संयुक्त राज्य का सबसे महत्वपूर्ण लोहा क्षेत्र है। यहां लोहे की छः श्रेणियां हैं- (क) मैसाबी (ख) मिनोमिनी (ग) मार्कवेट (घ) गुयाना (च) वर्मिलियन (च) मोजविक। मैसाबी श्रेणी प्रमुख उत्पादक है जोकि एंग्लो-अमरीका का 50 प्रतिशत लोहा उत्पन्न करता है। यह लोहा हैमेटाइट लोहा है। खुली खदानों के कारण इसकी खुदाई सस्ती है।
- (ii) **अलाबामा क्षेत्र:** यह संयुक्त राज्य का दूसरा बड़ा लोहा उत्पादक क्षेत्र है जोकि लगभग 10 प्रतिशत लोहा उत्पन्न करता है। लोहे का प्रमुख क्षेत्र बर्मिंघम तथा चटानूगा हैं। रैड पर्वत पर हैमेटाइट लोहा निकाला जाता है। उत्तर-पूर्वी राज्यों में एड्रिन डॉक, न्यू जर्सी तथा कार्नवाल प्रमुख उत्पादक क्षेत्र हैं। पश्चिमी संयुक्त राज्य में यूटा, मोंटाना, वायोमिंग, नेवेदा, कोलोराडो तथा कैलीफोर्निया भी लोहा उत्पन्न करते हैं।

कनाडा में लोहा क्षेत्र: कनाडा में क्यूबेक-लैब्राडोर प्रदेश प्रमुख लोहा उत्पादक क्षेत्र है। यहां कई झीलों के निकट लोहा निकाला जाता है। वबाना तथा न्यूफाउंडलैंड हैमेटाइट लोहा उत्पन्न करते हैं। ओंटोरियो राज्य में मिशीपी कौटन तथा स्टीप रॉक भी लोहा उत्पन्न करते हैं।

2. ताँबा (Copper): यहां मिनोसोटा, मिशिगन, टैनेसी, यूटा, मोंटाना, ऐरीज़ोना तथा नेवादा राज्यों में ताँबा उत्पन्न किया जाता है। 90 प्रतिशत ताँबा पश्चिमी भाग से प्राप्त होता है। ताँबे के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

- (i) ऐरीज़ोना राज्य-मियामी, ग्लोब, बिज़बी, जेरोम, अजो तथा मोरैसी।
- (ii) मोंटाना राज्य-बुटे पहाड़िया।
- (iii) नेवादा राज्य-झलीय।
- (iv) न्यूमैक्सिको राज्य-मांटारिता।
- (v) सुपीरियर झील के निकट मिशीगन राज्य।
- (vi) यूटा राज्य-बिंघम।

कनाडा में तांबा : कनाडा में ओंटोरिया तथा क्यूबेक राज्य कुल का 85 प्रतिशत तांबा उत्पन्न करते हैं। ओंटोरिया राज्य में सडबरी क्षेत्र प्रमुख है। क्यूबेक राज्य में नोरंडा क्षेत्र तथा गास्पे क्षेत्र प्रमुख हैं। फ्रिलनफ्रलान (Manitoba), सस्केचवान तथा ब्रिटिश कोलम्बिया तांबे के उत्पादक हैं। दक्षिणी भागों में जल विदुत् उत्पादन ने इस उद्योग के विकास में बहुत सहयोग दिया है। जापान तथा यूरोप को तांबा निर्यात किया जाता है।



3. **सोना (Gold):** संयुक्त राज्य में कैलीफोर्निया, मोंटाना, कोलोराडो, ऐरीज़ोना, अलास्का इडाहाहो राज्य प्रमुख उत्पादक हैं।
4. **चांदी (Silver):** संयुक्त राज्य में इडाहाडो, मोंटाना, टैक्सास, कोलोराडो तथा ऐरीज़ोना राज्य में चांदी उत्पन्न की जाती है। कनाडा में ओंटोरियो तथा ब्रिटिश कोलम्बिया राज्य चांदी उत्पन्न करते हैं।
5. **मैगनीज़ (Manganese):** यह एक महत्वपूर्ण धातु है जिसे लोहे के साथ मिलाया जाता है तथा इस्पात को सुदृढ़ बनाया जाता है। संयुक्त राज्य में दक्षिणी डकोटा, अरकांसास तथा जॉर्जिया राज्य में कुछ मात्रा में भण्डार मिलते हैं।
6. **बाक्साइट (Bauxite):** संयुक्त राज्य में अरकासांस, अलाबामा तथा जार्जिया राज्यों में कुछ मात्रा में बाक्साइट निकाला जाता है।
7. **जस्ता (Zinc) :** मिसूरी, ओक्लाहोमा तथा कांसास राज्य में तथा ब्रिटिश कोलम्बिया एवं मैनीटोवा (कनाडा) में जस्ता निकाला जाता है।
8. **सीसा (Lead) :** रॉकी पर्वत, ओज़ार्क, मिसूरी के पठार, इडाहो, ऐरीज़ोना, कोलोराडो, ब्रिटिश कोलम्बिया में सीसा मिलता है।
9. **मॉलिब्डेनम (Molybdenum):** संयुक्त राज्य विश्व का लगभग 50 प्रतिशत उत्पादन करके पहले स्थान पर है।
10. **निकिल (Nickel) :** कनाडा विश्व में 20 प्रतिशत उत्पादन के साथ पहले स्थान पर है। ओंटोरिया राज्य में सडबरी क्षेत्र सबसे बड़ा क्षेत्र है।
11. **सल्फर (Sulphur) :** संयुक्त राज्य संसार का सल्फर का सबसे बड़ा उत्पादक है। टैक्सास तथा लुज़ियाना और कनाडा प्रमुख उत्पादक क्षेत्र हैं।

1. ऊर्जा संसाधन

ऐंग्लो-अमरीका में कोयला

संयुक्त राज्य विश्व में कोयले का 16-5 प्रतिशत उत्पादन करता है। प्रत्येक राज्य में कोयले के भण्डार हैं। प्रमुख कोयला क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

- (i) **उत्तरी अप्लेशियन कोयला क्षेत्र:** ऐंग्लो-अमरीका में यह सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र है। पैसिलवेनिया, ओहियो, वर्जीनिया तथा कैन्टकी राज्यों में कोयला मिलता है। यहां बिटुमिनस तथा एंथ्रासाइट उत्तम कोटि का कोयला है।
- (ii) **दक्षिणी अप्लेशियन कोयला क्षेत्र:** इस क्षेत्र में अलबामा तथा टैनेसी राज्य में कोयला मिलता है।
- (iii) **पूर्वी आन्तरिक कोयला क्षेत्र:** इलिनायस, इण्डियाना तथा कैन्टकी राज्यों में नदी-घाटियों के समतल क्षेत्रों में कोयला मिला है।
- (iv) **पश्चिमी आन्तरिक कोयला क्षेत्र:** आरकांसास, ओक्लाहोमा तथा मिसूरी राज्यों में उत्तम कोटि का एंथ्रासाइट बिटुमिनस कोयला मिलता है जो ताप विद्युत् उत्पन्न करने के काम आता है।
- (v) **रॉकी पर्वतीय कोयला क्षेत्र:** कोलोराडो, न्यू मैक्सिको, वायोमिंग मोन्टाना, उत्तरी डकोटा तथा यूटा राज्यों में छोटे-छोटे बिखरे हुए कोयला क्षेत्र मिलते हैं।
- (vi) **प्रशांत महासागरीय तटीय कोयला क्षेत्र:** वाशिंगटन, ओरेगान, अलास्का तथा कैलीफोर्निया राज्यों में कोयला मिलता है।
- (vii) **कनाडा के कोयला क्षेत्र:** प्रेयरी राज्यों में अल्बर्टा में कोयले का अधिक उत्पादन होता है। ब्रिटिश कोलम्बिया, वैनकुवर द्वीप पर कई कोयला क्षेत्र हैं। पूर्वी कनाडा में नोवास्कोशिया ब्रिटेन प्रायद्वीप तथा न्यू फाउंडलैंड में कोयला मिलता है।

2. पेट्रोलियम

ऐंग्लो-अमरीका संसार का 18 प्रतिशत खनिज तेल उत्पन्न करता है तथा पूर्व सोवियत रूस तथा पश्चिमी एशिया के पश्चात इसका तीसरा स्थान है।

- (i) **अप्लेशियन तेल क्षेत्र:** इस प्रदेश में पैसिलवेनिया, न्यूयार्क, ओहियो, वर्जीनिया, कैन्टकी राज्यों में तेल मिलता है। तेल उत्तम कोटि का है। न्यूयार्क तथा फिलाडेल्फिया में तेल शोधक कारखाने हैं।
- (ii) **महाद्वीपीय तेल क्षेत्र:** यह तेल का प्रमुख उत्पादक देश है जिसमें कांसास टैक्सास राज्य प्रमुख है।
- (iii) **खाड़ी तटीय तेल क्षेत्र:** इस राज्य में 1900 ई. से तेल की खुदाई हो रही है। खाड़ी मैक्सिको क्षेत्र टैक्सास तथा लुज़ियाना राज्य में तेल मिलता है।
- (iv) **कैलीफोर्निया तेल क्षेत्र:** इस प्रदेश में सेन जैक़िन घाटी, लास एंजल्स बेसिन तथा तटीय क्षेत्र में तेल के कुएं पाये जाते हैं।
- (v) **रॉकी पर्वतीय तेल क्षेत्र:** उत्तर में मोन्टाना राज्य से लेकर दक्षिण में न्यू मैक्सिको राज्य के प्रति क्षेत्र में कई तेल क्षेत्र हैं।
- (vi) **कनाडा तेल क्षेत्र:** कनाडा में अल्बर्टा तथा सस्केचवान में निम्नलिखित तेल क्षेत्र मिलते हैं। (क) एथाबास्का सैंड क्षेत्र (ख) दक्षिणी सस्केचवान (ग) एडमण्टन कालगरी। सबसे पहला तेल कुआं अल्बर्टा राज्य में टर्नर घाटी में कालगरी नामक स्थान पर खोला गया।

3. जल विद्युत शक्ति

ऐंग्लो-अमरीका विश्व का 6-6 प्रतिशत जल विद्युत उत्पादन करता है। जिसका आर्थिक विकास पर विशेष प्रभाव पड़ता है। संयुक्त राज्य में संभावित क्षेत्र का 75 प्रतिशत तथा कनाडा में 62 जल विद्युत उत्पादन है।

संयुक्त राज्य में न्यू इंग्लैंड प्रदेश में सबसे पहले जल विद्युत उत्पादन आरम्भ किया गया जिसमें संयुक्त राज्य में औद्योगिक क्रान्ति की नींव रखी।

- नियोग्रा झरना:** इन झरनों द्वारा संयुक्त राज्य तथा कनाडा दोनों देशों में संयुक्त रूप से जल-विद्युत उत्पादन होता है। निकटवर्ती क्षेत्र में इसके कई उपयोग हैं।
- न्यू इंग्लैंड राज्य:** यहां अधिक संख्या में छोटे आकार के विद्युत केन्द्र हैं जो स्थानीय उद्योगों के लिये जल-विद्युत प्रदान करते हैं।
- सेंट एन्थनी झरना:** यह झरना मिनासोटा राज्य में है तथा इस प्रदेश के आर्थिक विकास के लिये उपयोगी है।
- अप्लेशियन प्रदेश:** पैसिलवेनिया से दक्षिण की ओर अलबामा तक इस प्रदेश में संभावित शक्ति क्षमता अधिक है। टैनेसी नदी TVA प्रोजेक्ट महत्त्वपूर्ण है।
- उत्तर-पश्चिमी राज्य:** इन राज्यों में कोलम्बिया, कोलोराडो, सेंक्रीमेन्टो नदियों पर कई बांध बनाये गये हैं: जैसे ग्राण्ड कुली बांध, बोनेविले बांध तथा हुवर बांध। कोलोराडो नदी पर हुवर बांध महत्त्वपूर्ण है।

कनाडा में जल विद्युत उत्पादन बहुत अधिक है। पूर्व में सेंट लॉरेंस घाटी तथा ओन्टेरियो राज्य में तथा पश्चिमी तट पर ब्रिटिश कोलम्बिया में कई विद्युत उत्पादन क्षेत्र हैं। नियोग्रा झरना वन आधारित उद्योगों, खनिज उद्योग, अखबारी कागज़ आदि उद्योगों को सस्ती बिजली प्रदान करते हैं। सेंट लॉरेंस नदी पर कई विद्युत केन्द्र हैं- जैसे-ओटावा, सेंट मारिस, ट्रेंट तथा मैनीकोगन। टोरेन्टो, मोन्ट्रिपाल, हैमिलटन, किंगस्टन तथा विंडसर औद्योगिक केन्द्र हैं।

4. अणुशक्ति

विश्व में 200 अणु शक्ति केन्द्रों में से 82 प्रतिशत ऐंग्लो-अमरीका में स्थित हैं। संयुक्त राज्य में 112 परमाणु रियेक्टर हैं। संयुक्त राज्य में न्यू मैक्सिको तथा लक्की पर्वत पर यूरेनियम के भण्डार हैं। कनाडा में उत्तर-पश्चिमी राज्य तथा ग्रेट बीयर झील पोर्ट रेडियम में यूरेनियम के भण्डार हैं।

5. प्राकृतिक गैस

ऐंग्लो-अमरीका में संयुक्त राज्य में कई प्रदेशों में प्राकृतिक गैस उपलब्ध है- जैसे टेक्सास तथा खाड़ी तटीय राज्यों में ओक्लाहोमा तथा कांसास राज्यों में, कैलीफोर्निया, ओहियो व इण्डियाना राज्यों में, अप्लेशियन पर्वत तथा रॉकी पर्वत में। कनाडा विश्व में प्राकृतिक गैस का तीसरा बड़ा उत्पादक देश है। प्रमुख केन्द्र कालगनी, एडमण्टन तथा सस्केचवान राज्य हैं।

2. सूती वस्त्र उद्योग

ऐंग्लो-अमरीका में सूती वस्त्र उद्योग एक प्रमुख उद्योग है। संयुक्त राज्य अपनी खपत तथा निर्यात के लिये सूती कपड़ा तैयार करता है। संयुक्त राज्य में सूती वस्त्र उद्योग तीन प्रदेशों में केन्द्रित है : (i) न्यू इंग्लैंड राज्य, (ii) दक्षिणी राज्य, (iii) अंधमहासागरीय तटीय प्रदेश। निम्न भौगोलिक तथा आर्थिक सुविधाओं के कारण यह उद्योग उक्त अवस्था में है।

- कैलीफोर्निया तथा दक्षिणी राज्यों में लम्बे रेशे वाली कपास का उत्पादन होता है।
- न्यू इंग्लैंड राज्य में यह घरेलू उद्योग के रूप में विकसित था।
- कृषि के लिये जलवायु तथा मिट्टी अनुकूल नहीं होने के कारण अधिकतर किसान कपड़ा मिलों में काम करने लगे।
- अप्लेशियन क्षेत्र से कोयला तथा जल-विद्युत प्राप्त हो जाता है।
- रेल तथा सड़क मार्ग विकसित हैं।
- कपड़ा मिलों की मशीनों के निर्माण की सुविधा है।
- रासायनिक उद्योग विकसित हैं।
- प्रति व्यक्ति आय अधिक होने के कारण मांग अधिक है।
- विदेशों में सूती कपड़ा की मांग अधिक है।
- पूंजी तथा प्रबंधकीय कुशलता उपलब्ध है।

(xi) न्यूयार्क तथा बोस्टन जैसी उत्तम बंदरगाहें हैं।

(xii) न्यूयार्क वृद्धि के कारण विश्व में सूती वस्त्रों की मांग अधिक हो गई।

प्रमुख औद्योगिक प्रदेश

न्यू इंग्लैंड प्रदेश

स्थिति : न्यू इंग्लैंड राज्यों में औद्योगिक विकास अधिक हुआ है। कनैक्टिकट, रोडद्वीप, मैसाचुसेट, वर्माऊंट, न्यू हैम्पशायर तथा बोस्टन में औद्योगिक विकास हुआ है।

प्रमुख उद्योग तथा केन्द्र

- | | | |
|---------------------|---|--|
| (1) सूती वस्त्र | - | न्यू बैडफोर्ड, फाल रिवर लारेंस, लॉवेल। |
| (2) ऊनी वस्त्र | - | वूस्टर, रोडद्वीप। |
| (3) कागज़ उद्योग | - | हौलियोक (मैसाचुसेट)। |
| (4) कृत्रिम रेशम | - | ट्रॉय (न्यू हैम्पशायर)। |
| (5) विद्युत् मशीनें | - | ब्रिजपोर्ट। |
| (6) कृत्रिम रबड़ | - | वाटसबर्ग। |

मध्य अटलांटिक तटीय औद्योगिक प्रदेश

प्रमुख उद्योग तथा केन्द्र : न्यूयार्क प्रमुख औद्योगिक केन्द्र है जहां रसायन, सूती वस्त्र, रेशमी वस्त्र, कपड़े, तेल शोधक कारखाने, छपाई, उर्वरक, चीनी, दवाइयां तथा जलयान उद्योग स्थापित हैं।

- | | | |
|---------------|---|--|
| 1. रसायन | - | विलमिंग्टन, कैमडन, फिलाडेल्फिया। |
| 2. लौह-उद्योग | - | बाल्टीमोर, स्टील्टन, एलनटाऊन, बैथलेहम। |
| 3. मशीनें | - | लैंकेस्टर, फिलाडेल्फिया, बाल्टीमोर। |
| 4. तेल शोधक | - | विलमिंग्टन, बाल्टीमोर। कारखाने |
| 5. जलयान | - | फिलाडेल्फिया |

हड्सन मोहाक घाटी औद्योगिक प्रदेश

स्थिति : यह क्षेत्र हड्सन तथा मोहाक नदी घटियों में अलबनी से रोचैस्टर तक फैला हुआ है।

प्रमुख उद्योग तथा केन्द्र

- | | | |
|-------------------------|---|--|
| (i) कागज़ उद्योग | - | अलबनी। |
| (ii) विद्युत् उपकरण | - | सिराकस, शेनकटाडी, रोचैस्टर। |
| (iii) फोटोग्राफी उद्योग | - | बिंघटन, रोचैस्टर। |
| (vi) वायुयान उद्योग | - | बिंघटन, यूटिका-रोम। |
| (v) रसायन | - | सिराकस, अलबनी तथा शेनकटाडी। |
| (vi) मशीनें | - | यूटिकारोम, सिराकस, ट्रॉप तथा रोचैस्टर। |

महान झीलों का औद्योगिक प्रदेश

स्थिति : यह प्रदेश महान् झीलों, सुपीरियर, मिशीगन, इरी, ओंटोरियो तथा ह्रान और कनाडा के झील प्रायद्वीप क्षेत्र में फैला हुआ है।

- | | | |
|---------------------|---|---|
| (i) मशीनें | - | शिकागो, इरी, गैरी। |
| (ii) रसायन | - | शिकागो, गैरी, बुफेलो तथा सर्निया (कनाडा)। |
| (iii) मोटर वाहन | - | डेट्रायट, विंडसर तथा टोलैडो। |
| (iv) लौह-इस्पात | - | शिकागो, गैरी, बुफेलो, टोरांटो। |
| (v) तेल शोधन | - | गैरी, सर्निया (कनाडा)। |
| (vi) कृषि यंत्र | - | शिकागो, साऊथ बैंड। |
| (vii) विद्युत उपकरण | - | टोलेडो, क्लीवलैंड, शिकागो। |
| (viii) खाद्य पदार्थ | - | शिकागो, टोरांटो। |

ओहियो नदी-घाटी औद्योगिक प्रदेश

स्थिति : यह क्षेत्र पेंसिलवेनिया, इण्डियाना तथा ओहियो राज्यों में फैला हुआ है।

प्रमुख उद्योग तथा केन्द्र : इस प्रदेश का प्रमुख केन्द्र पिट्सबर्ग है। अन्य केन्द्र एशलैण्ड, आयरन टाऊन, सिनसनाटी, जोहनज़ टाऊन, व्हीलिंग तथा लुईस विले हैं।

- | | | |
|--------------------------|---|---|
| (i) लौह-इस्पात | - | पिट्सबर्ग, एशलैण्ड, व्हीलिंग, पंगस्टाऊन, वैरन, शारोन तथा क्लीवलैंड। |
| (ii) मशीनें | - | पिट्सबर्ग, सिनसनाटी, स्प्रिंग फील्ड। |
| (iii) कृषि आधारित उद्योग | - | सिनसनाटी व कोलम्बस। |
| (iv) विद्युत उपकरण | - | पिट्सबर्ग, लुईस विले। |
| (v) धातु उद्योग | - | पिट्सबर्ग, सिनसनाटी। |
| (vi) कृत्रिम रबड़ | - | ऐक्रान। |
| (vii) सूती वस्त्र | - | क्लीवलैंड। |
| (viii) बर्तन उद्योग | - | पूर्वी लीवरपूल। |

कैलीफोर्निया औद्योगिक प्रदेश

स्थिति : यह प्रदेश कैलीफोर्निया राज्य में स्थित है।

प्रमुख उद्योग तथा केन्द्र

- | | | |
|---------------------|---|--|
| (i) वायुयान | - | लॉस एंजलस, सेनडिड्वागो। |
| (ii) फिल्म उद्योग | - | हॉलीवुड। |
| (iii) विद्युत उपकरण | - | लॉस एंजल्स, सेन जोज़। |
| (iv) खाद्य पदार्थ | - | फल, कहवा, चीनी तथा मत्स्य उद्योग के कई केन्द्र हैं। सेन जोज़, फैस्रो, सेन डियागो, लॉस एंजल्स, सान-फ्रांसिस्को। |
| (v) तेल शोधन | - | सान-फ्रांसिस्को, लॉस एंजल्स। |

- (vi) कम्प्यूटर - सिलीकॉन घाटी
(viii) जलयान - लॉस एंजल्स।

सेंट लारेंस औद्योगिक प्रदेश

स्थिति : यह प्रदेश लारेंस नदी के निकटवर्ती क्षेत्र में स्थित है। यह कनाडा का प्रमुख औद्योगिक प्रदेश है।

प्रमुख उद्योग तथा केन्द्र

- (i) कागज़ तथा लुग्दी - मॉन्ट्रियल, क्यूबेक, ओटावा
(ii) तेल शोधन - अर्विदा, शोपिंगन, झरने, मॉन्ट्रियल।
(iii) विदुत् उपकरण - गुल्फ, हैमिल्टन, विंडसर।
(iv) रेलवे इंजन - किंगस्टन।
(v) वस्त्र उद्योग - शैर्ब्रुक, ग्रानबी, ड्रमविले, टोरांटो।
(vi) कृषि आधारित उद्योग - मॉन्ट्रियल, क्यूबेक।
(vii) सामेंट तथा रसायन - मॉन्ट्रियल तथा क्यूबेक।
(viii) वायुयान - मॉन्ट्रियल।
(ix) मोटर वाहन - टोरांटो, हैमिल्टन, विंडसर।

जनसंख्या: नगरीकरण और सांस्कृतिक प्रतिरूप

कनाडा में कम जनसंख्या घनत्व : कम जनसंख्या घनत्व का मुख्य कारण उत्तरी भाग में विरल संख्या है। कनाडा में अधिकतर जनसंख्या सेंट लारेंस घाटी, महान् झील क्षेत्र तथा नोवासकोशिया राज्यों में है। यहां अधिक विकसित उद्योग, उन्नत यातायात, नगरीकरण, खनिज संसाधन तथा संयुक्त राज्य से निकटता के कारण जनसंख्या अधिक है। कनाडा में जनसंख्या वितरण जलवायु द्वारा प्रभावित है जो कि 60° उत्तर अक्षांश से उत्तर के प्रदेश प्रतिकूल जलवायु के कारण जनसंख्या विहीन हैं। कनाडा में अधिकतर जनसंख्या संयुक्त राज्य की सीमा के साथ 300 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र में पाई जाती है जहां कनाडा के प्रमुख नगर टोरांटो, मॉन्ट्रियल तथा वैनकुवर स्थित हैं।

नगरीकरण (Urbanisation) : यहां 98 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय है। दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले 35 नगर हैं। कनाडा में टोरांटो, मॉन्ट्रियल, हैलीफैक्स, क्यूबेक, हैमिल्टन, वैनकुवर, विनिपेग प्रमुख आधुनिक नगर हैं। उदाहरणतः बोस्टन से वाशिंगटन तक 600 किलोमीटर लम्बा क्षेत्र एक महानगर है जिसमें न्यूयार्क, फिलाडेल्फिया तथा बालटीमोर प्रमुख नगर हैं। महान झील क्षेत्र महानगर का विस्तार बुफैलो से शिकागो तक है। कैलीफोर्निया के महानगर क्षेत्र में सान-फ्रांसिस्को, लास एंजल्स तथा सेंट डियागो प्रमुख नगर हैं।

अमेरिका के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के अर्न्तत न्यूइंग्लैण्ड में 6 राज्य: मेन (Maine), न्यूहैम्पशायर, वारमोण्ट, मैच्युट्स कनेक्टीकट तथा रोड आइलैण्ड है। तथा 5 मध्य अटलान्टिक राज्य, न्यूयार्क-न्यूजीर्सी, पेंसिलवानिया, डेलवारा, मैरीलैण्ड तथा ड्रिसट्रिक्ट आफ कोलम्बिया है। जनसंख्या का 25 प्रतिशत उत्तर पूर्वी राज्यों में निवास करता है जो अमेरिका के क्षेत्रफल का 5 प्रतिशत भाग है। उपरोक्त क्षेत्रों में सर्वप्रथम लोग अधिवासित हुए इसीलिए यह क्षेत्र सघन जनसंख्या का क्षेत्र बना। इसी क्षेत्र में बोस्टन, वाशिंगटन के मेगालोपोलिस धुरी क्षेत्र अवस्थित है।

दक्षिण अमेरिका के अन्तर्गत 14 राज्य जिसमें 5 अटलान्टिक से लगे हुए वर्जीनिया से फ़्लोरिडा तथा 4 मैक्सिको की खाड़ी से अलबामा से टेक्सास तक विस्तृत है तथा 5 आन्तरिक राज्य जिसमें पश्चिमी वर्जीनिया, केन्टुकी, अरकांसस, ओक्लोहामा तथा टेनेसी है। जो कुल क्षेत्रफल का 25 प्रतिशत तथा कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत से थोड़ा अधिक भाग रखता है।

दक्षिण अमेरिका

दक्षिण अमेरिका का अस्तित्व कोलंबस द्वारा इसकी आकस्मिक खोज के बाद सामने आया। इस चौथे सबसे बड़े महाद्वीप के भीतर, भौतिक भू-आकृतियों, वनस्पतियों और जीवों, लोगों के साथ-साथ उनकी संस्कृतियों की विविधता छिपी हुई है। उस समय दक्षिण अमेरिका को 'नई दुनिया' के एक हिस्से के रूप में वर्णित किया गया था। लेकिन आज यह कोई पृथक भाग नहीं रह गया है। औपनिवेशिक शासन से शुरू होकर आज की बाजार संचालित अर्थव्यवस्था तक, हर अन्य महाद्वीपों की तरह इसने भी परिवर्तनकारी शक्तियों का दंश झेला है।



प्राकृतिक परिदृश्य

महाद्वीप का पश्चिमी किनारा दुनिया की सबसे लंबी और ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक, एंडीज से घिरा हुआ है। एंडीज युवा वलित पर्वत हैं, जो हमारे हिमालय के समान हैं और पूरे पश्चिमी तट पर 7,000 किमी से अधिक तक फैले हुए हैं। इस तरह की समानांतर श्रेणियों को कॉर्डिलेरा भी कहा जाता है, यह एक स्पेनिश शब्द जिसका अर्थ रस्सी या श्रृंखला है। माउंट एकाकागुआ सबसे ऊँची चोटी है। एंडीज में माउंट ओजस डेल सालाडो दुनिया का सबसे ऊँचा सक्रिय ज्वालामुखी हैइन समानांतर श्रेणियों के बीच कुछ उच्च अंतरपर्वतीय पठार हैं, जिन्हें आल्टीप्लानो (altiplano) कहा जाता है। बोलीवियाई आल्टीप्लानो ऐसा ही एक पठार है।

एंडीज के बाहर उच्चभूमि के दो खंड, यानी उत्तर में गुयाना मैसिफ और दक्षिणपूर्व ब्राजील में ब्राजीलियाई उच्चभूमि हैं। दूसरा कॉफी के पौधों के लिए प्रसिद्ध है।

दक्षिण अमेरिका का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में सबसे बड़ी अमेज़न नदी और उसके वर्षावनों का विचार मन में आता है। अमेज़न नदी घाटी ब्राजीलियाई और गुयानिया मासिफ (गुयाना शील्ड) के बीच स्थित है। ओरिनिको, पराना और पैराग्वे अन्य महत्वपूर्ण नदियाँ हैं जो महाद्वीप में प्रवाहित होती हैं। यह महत्वपूर्ण जलप्रपात का निर्माण करता है और उनका उपयोग जलविद्युत ऊर्जा के लिए किया जाता है। पराना एक दक्षिण की ओर बहने वाली नदी है जो **रियो-डी ला प्लाटा** में गिरती है। यह पराग्वे और ब्राजील के बीच सीमा का निर्माण करती है। दक्षिण अमेरिका का सबसे बड़ा बांध **इटेपु** इसी नदी पर स्थित है और ब्राजील की 40% बिजली पैदा करता है। दुनिया का सबसे बड़ा गुआरा झरना भी पराना पर ही है।

जलवायु एवं वनस्पति

चूँकि दक्षिण अमेरिका का अधिकांश भाग उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है, इसकी जलवायु आम तौर पर गर्म है। अमेज़न घाटी में **भूमध्यरेखीय** जैसी जलवायु पाई जाती है। यह पूरे वर्ष भर गर्म और आर्द्र रहता है। यह क्षेत्र उष्णकटिबंधीय वर्षावनों से ढका हुआ है, जिन्हें स्थानीय रूप से सेल्वास के नाम से जाना जाता है। वे महोगनी जैसी मजबूत लकड़ी का स्रोत हैं। हालाँकि दुनिया की सबसे हल्की लकड़ी बलसा भी उन्हीं जंगलों में पाई जाती है।

सेल्वास के दोनों ओर उष्णकटिबंधीय घास के मैदान हैं, जिन्हें उत्तर में **लानोज (लानोस)** और दक्षिण में **कैम्पोस** कहा जाता है। यहाँ **उष्णकटिबंधीय सवाना जलवायु** पाई जाती है, जिसमें गर्मियों में बारिश होती है और सर्दियों के दौरान मौसम थोड़ी शुष्क होती है। वैकल्पिक आर्द्र और शुष्क जलवायु के कारण मिट्टी के पोषक तत्वों का निक्षालन होता है, जिससे उर्वरक शक्ति का नुकसान होता है।

कैम्पोस के दक्षिण में **गर्म समशीतोष्ण पूर्वी मार्जिन प्रकार की जलवायु (चीन जैसी)** के एक प्रकार द्वारा चिह्नित क्षेत्र में स्थित है। हालाँकि, सामग्री की संकीर्णता और समुद्री प्रभाव मानसूनी तत्वों को समाप्त कर देते हैं, जो कई प्रकार से उत्तरी गोलार्ध में चीन जैसी जलवायु का निर्माण करता है। दक्षिण अमेरिका के इस क्षेत्र में तापमान की एक लघु वार्षिक सीमा पाई जाती है तथा दक्षिण अमेरिका में लंबे समय तक वर्षा होती है। इस क्षेत्र में हिंसक स्थानीय तूफान भी आते हैं। पैम्पेरो, अर्जेंटीना और उरुग्वे में चलने वाली ठंडी हवा गरज और बिजली के साथ चलती है।

उत्तरी अर्जेंटीना, दक्षिणी बोलीविया और पराग्वे झाड़ीदार जंगलों और दलदली घास के मैदानों के क्षेत्र में फैले होते हैं। इस क्षेत्र को **ग्रैन (ग्रान) चाको** कहा जाता है तथा साल भर होने वाली बारिश के कारण यह हर समय हरा-भरा दिखता है। यहाँ पाई जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों में **क्यूब्राचो (क्वेब्राचो)** और **येर्बा मेट** शामिल हैं।

दक्षिणी पेरू और उत्तरी चिली के कुछ हिस्सों में एक विशिष्ट **गर्म मरुस्थल जैसी जलवायु** पाई जाती है। अटाकामा मरुस्थल, दुनिया का सबसे शुष्क, एक व्यापारिक पवन मरुस्थल है। अटाकामा में शुष्क स्थितियाँ पेरू की ठंडी जलधारा के सूखने के प्रभाव के कारण भी बढ़ी हैं। दक्षिण अमेरिका में एक और मरुस्थल पेटागोनिया है, जो एक मध्य अक्षांश पर स्थित मरुस्थल है। उत्तरी गोलार्ध के मध्य अक्षांश के मरुस्थलों के विपरीत, ये महाद्वीपीयता विशेषता वाले होते हैं, पैटागोनियन रेगिस्तान एंडीज के

वर्षा-छाया प्रभाव के कारण एक मरुस्थल है। मरुस्थलों में प्राकृतिक वनस्पति में झाड़ियाँ, कांटेदार नाशपाती और कैक्टस जैसे अन्य जेरोफी पौधे शामिल होते हैं, जो शुष्क जलवायु परिस्थितियों के लिए अनुकूलित होते हैं।

मध्य चिली में **भूमध्यसागरीय प्रकार** की जलवायु का अनुभव होता है, जिसकी विशेषता गर्म शुष्क ग्रीष्मकाल और ठंडी नम सर्दियाँ हैं। वास्तव में, इस प्रकार की जलवायु यहाँ सबसे अच्छी तरह से विकसित होती है, क्योंकि पवन पेटियों (belts) में बदलाव के कारण गर्मियों के दौरान व्यापारिक हवाएँ तट से दूर बहती हैं और पश्चिमी हवाएँ सर्दियों के दौरान तट पर चलती हैं। यहाँ की प्राकृतिक वनस्पति में मोटी चमकदार पत्तियों वाले सदाबहार पेड़ शामिल हैं, जो शुष्क जैसी परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम हैं। ओक, अखरोट, शाहबलूत और अंजीर यहाँ पाए जाने वाले कुछ आम पेड़ हैं।

दक्षिणी चिली में **ठंडी शीतोष्ण पश्चिमी सीमांत प्रकार (ब्रिटिश प्रकार)** की जलवायु पाई जाती है। समुद्री प्रभाव यहाँ की समतामूलक जलवायु का वर्णन करता है। यहाँ की प्राकृतिक वनस्पति में समशीतोष्ण मिश्रित पर्णपाती वन शामिल हैं। यहाँ पाए जाने वाले पेड़ सीधे खड़े होते हैं तथा उनमें विरल झाड़ियाँ पाई जाती हैं। यहाँ पाई जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण प्रजातियाँ एल्म, ऐश, बर्च, बीच और चिनार हैं।

ग्रैन (ग्रान) चाको और ब्राजील की उच्चभूमि के दक्षिण में **समशीतोष्ण घास** के मैदान हैं, जिन्हें अर्जेंटीना में पम्पास कहा जाता है। हालाँकि ऐसे क्षेत्र आमतौर पर उत्तरी गोलार्ध में अत्यधिक महाद्वीपीय स्थिति का अनुभव प्रदान करता है, यहाँ के समशीतोष्ण घास के मैदानों में समुद्री प्रभाव के कारण कम तापमान चरम सीमा होती है। ये घास के मैदान व्यावहारिक रूप से वृक्षविहीन हैं। पम्पास में, प्राकृतिक घास का स्थान अल्फाल्फा नामक अधिक पौष्टिक फलीदार किस्म ने ले लिया है। ये समशीतोष्ण घास के मैदान दक्षिण अमेरिका के प्रमुख मवेशी और भेड़ पालन क्षेत्र के रूप में उभरे हैं।

मानवीय पहलू

एंडीज़, अमेजन नदी और भूमध्यरेखीय वर्षावन निश्चित रूप से भौतिक विशेषताओं में सबसे प्रभावशाली हैं, लेकिन इसका बड़ा परिणाम उपनिवेशवादियों का प्रभाव रहा है। औपनिवेशिक शासन के आर्थिक परिणामों के बावजूद, यहाँ राष्ट्र-राज्यों और बहु-सांस्कृतिक समाज का उदय हुआ है।

दक्षिण अमेरिका के लोग तीन मुख्य नस्लीय समूहों यानी अमेरिंडियन, ब्लैक और यूरोपीय से संबंधित हैं। इनके अलावा, बड़ी संख्या में मिश्रित मूल के लोग भी हैं, जैसे मेस्टिज़ोस, मुलट्रोस और ज़म्बोस। इनमें से मेस्टिज़ोस सबसे बड़ा समूह है। गिरमिटिया मजदूर के रूप में आए भारतीय मूल के व्यक्ति बड़ी संख्या में सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो में बस गए हैं। हालाँकि बेहतर ढंग से फैले, नस्लीय समूह क्षेत्रीय एकाग्रता दिखाते हैं।

दक्षिण अमेरिकी देश जनसांख्यिकीय विशेषताओं को परदर्शित करते हैं, जो विकासशील देशों की विशिष्ट हैं।

दक्षिण अमेरिकी जनसांख्यिकी का सबसे दिलचस्प पहलू प्रौद्योगिकी और विकास के निम्न स्तर के बावजूद उच्च स्तर के शहरीकरण का प्रचलन है। दबाव (push) और खिंचाव (pull) दोनों कारकों के कारण ग्रामीण से शहरी प्रवासन अधिक है।

दक्षिण अमेरिका का जनसंख्या विस्तार परिधीय संकेंद्रण को दर्शाता है, अर्थात् अधिकांश जनसंख्या तटीय क्षेत्रों में रहती है।

महाद्वीप का आर्थिक संरचना कृषि और प्राथमिक उत्पादों के व्यापार पर केंद्रित है। पूर्वोत्तर ब्राजील में वृक्षारोपण कृषि की जाती है। यह क्षेत्र वास्तव में उपनिवेशवादियों का पहला स्रोत क्षेत्र था। अफ्रीकी दास श्रम और उसके बाद गिरमिटिया श्रम का उनका उपयोग ब्राजील के पूर्वोत्तर में अश्वेतों और गुयाना में एशियाई भारतीयों के प्रभुत्व में परिलक्षित होता है। कॉफी ब्राजील की दक्षिणपूर्वी पहाड़ी इलाकों में उगाई जाने वाली प्रमुख फसल है। इसे एंडियन टेम्पलाडा में भी उगाया जाता है। दक्षिण-पूर्व में समशीतोष्ण घास के मैदानों में वाणिज्यिक कृषि तथा भेड़ और मवेशी पालन किया जाता है। यहाँ वे यूरोपीय लोगों अत्यधिक संख्या में पाए जाते हैं जिन्हें यह क्षेत्र अधिक रहने योग्य लगा। चिली में भूमध्यसागरीय क्षेत्र खट्टे फलों को उगाने के लिए उपयुक्त है और इसमें कई बेल के बगीचे यानी अंगूर का खेत हैं। मेस्टिज़ो बहुल घाटी क्षेत्र में निर्वाह खेती का सबसे आम तरीका है। सेल्वा में स्थानांतरित कृषि अभी भी प्रचलित है।

इंका साम्राज्य के पतन के बाद, 15वीं शताब्दी के दौरान दक्षिण अमेरिका पुर्तगालियों और स्पेनियों के बीच संघर्ष का केंद्र बन गया। उन्होंने जो वायसराय शासन स्थापित किया, वह केवल इन क्षेत्रों से धन का शोषण करने के लिए अस्तित्व में था। स्वतंत्रता के लिए संयुक्त संघर्ष के दौरान, क्षेत्रों के बीच अलगाव बढ़ गया था। ये क्षेत्र बाद में नौ देशों के रूप में गठित हुए। एंडीज़ और अटाकामा जैसी प्राकृतिक सीमाओं ने अक्सर संपर्क को प्रतिबंधित करके अलगाव और विशिष्टता की भावना में योगदान दिया है। आजादी के बाद भी, ब्राजील, पहले के पुर्तगाली उपनिवेश और स्पेनिश विरासत वाले उसके पड़ोसियों के बीच संबंध मुख्य रूप से भौतिक अवरोधों और सांस्कृतिक विरोधाभासों के कारण संयमित रहे हैं।

आज, दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप विरोधाभासों में से एक है। औपनिवेशिक अनुभव ने प्रकृति के प्रति लोगों के रवैये में सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व से लेकर अत्यधिक शोषण तक बदलाव लाया है। आधुनिक दक्षिण अमेरिकी देश भी वैश्वीकरण के परिणामों का सामना कर रहे हैं और आज उनकी विशेषता सामाजिक-आर्थिक असमानता है, जो उच्च अपराध दर, नशीली दवाओं की तस्करी और अलगाववादी आंदोलनों में प्रकट होती है। उपनिवेशवादियों द्वारा फैलाई गई सामाजिक-आर्थिक असमानता और क्षेत्रीय असमानताएँ अब वैश्वीकरण के कारण और बढ़ गई हैं। इस स्थानिक और सामाजिक-आर्थिक असंतुलन ने मानव विकास और पारिस्थितिक संतुलन दोनों पर अपना प्रभाव डाला है। गरीबी और पर्यावरण निम्नीकरण बड़े पैमाने पर है। 'दुनिया के फेफड़े' अमेज़ोनियन वर्षावन को अपूरणीय क्षति हो रही है। यहाँ अतिक्रमण के कारण बड़े पैमाने पर वनों की कटाई हुई है, जो वैश्विक वनों की कटाई का लगभग आधा हिस्सा है।

हालाँकि, दक्षिण अमेरिकी देशों में जनसंख्या संसाधन संतुलन के अनुकूल है, लेकिन निम्न स्तर की प्रौद्योगिकी ने इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय समुदाय में सबसे आगे आने के रास्ते को अवरुद्ध कर दिया है। विदेशी कर्ज, विद्रोह, अलगाववादी आंदोलनों और अपराध ने इन देशों को तीसरी दुनिया के दर्जे तक सीमित कर दिया है।

विदेशियों द्वारा शोषित और उपनिवेशित, संसाधन संपन्न, तकनीकी रूप से कमजोर क्षेत्र की वास्तविक छवि को चित्रित करता है। यह महाद्वीप ब्राजील और अर्जेंटीना के साथ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में उभरने के साथ वापसी की राह पर है। विशेष रूप से ब्राजील अपने बढ़ते औद्योगिक क्षेत्र से महत्वपूर्ण रहा है। इसे अक्सर 'साउथ अमेरिकन जाइंट' के रूप में

जाना जाता है। सेरताओ (Sertao) के घास के मैदान दुनिया की खाद्य समस्या के कई समाधानों में से एक हैं। यह दावा किया गया है कि दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में महाद्वीप-स्तरीय हरित क्रांति पृथ्वी से भूख मिटा सकती है।

- **लैटिन** प्राचीन रोमनों की भाषा थी, जिससे इटालियन, फ्रेंच, स्पेनिश और पुर्तगाली शब्दों का उद्भव हुआ है। हालाँकि यह भाषा अब आमतौर पर बोली नहीं जाती है। चूँकि मध्य और दक्षिण अमेरिका के देश पहले स्पेनिश और पुर्तगाली शासन के अधीन थे, इसलिए इस महाद्वीप को 'लैटिन अमेरिका' कहा जाता है।
- **सांबा ब्राजील** का एक नृत्य है। ऐसा माना जाता है कि यह अफ्रीकी नृत्यों से प्रभावित था। इसमें नर्तक अपनी शारीरिक गतिविधि, विशेषकर निचले धड़ के लिए जाने जाते हैं। लम्बाडा ब्राजील का एक अन्य नृत्य है। लम्बाडा में नर्तक जोड़ियों में, अपने पैरों, कूल्हों और धड़ की गतिविधियों को सिंक्रनाइज करते हुए नृत्य करते हैं।
- **दक्षिण अमेरिका की अमेज़न नदी** दुनिया की सबसे बड़ी और दूसरी सबसे लंबी नदी मानी जाती है। यह नदी लगभग 70 लाख वर्ग किमी के बेसिन से होकर बहाती है, इसकी 1100 से अधिक सहायक नदियाँ हैं और यह दुनिया के बहते पानी का 1/5 भाग का प्रतिनिधित्व करती है। तेजी से वनों की कटाई के कारण अमेज़न वर्षावन आज पर्यावरणविदों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। यह अनुमान लगाया गया है कि इस वन में हमारे पूरी पृथ्वी के लगभग एक-तिहाई पेड़ हैं तथा ये पृथ्वी के कुल ऑक्सीजन के लगभग आधे हिस्से को उपलब्ध करती हैं।
- **ब्राजील** जनसंख्या के साथ-साथ क्षेत्रफल की दृष्टि से भी दुनिया का 5वां सबसे बड़ा देश है। यह भारत से लगभग 2.5 गुना बड़ा है। इसकी जनसंख्या अन्य सभी दक्षिण अमेरिकी देशों की कुल जनसंख्या से अधिक होने के साथ-साथ यह दक्षिण अमेरिका के आधे से थोड़ा कम क्षेत्रफल में फैला है। ब्राजील में सेरा डॉस कारजास पहाड़ियों में लौह अयस्क का दुनिया का सबसे बड़ा भंडार भी है। अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण ब्राजील को अक्सर 'साउथ अमेरिकन जाइंट' कहा जाता है। ब्राजील दुनिया में कॉफी, केले और मैनिओक (मैनियोक) के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।
- **ब्राजील** का नाम ब्राजील के रेडवुड पेड़ से लिया गया है।
- ब्राजीलियाई लोगों ने **गैसोहोल** नामक गैसोलीन के स्थान पर गन्ने पर आधारित अल्कोहल का सफलतापूर्वक प्रयोग किया है। ब्राजील में लगभग 40 प्रतिशत कारें गैसोहोल पर चलती हैं।
- ब्राजील दुनिया में **क्वार्ट्ज क्रिस्टल** का एकमात्र व्यावसायिक उत्पादक है।
- **पिरान्हा** कई प्रकार की मछलियाँ हैं, जो मध्य और दक्षिण अमेरिका में मीठे पानी की धाराओं में निवास करती हैं। वे कुशल शिकारी होते हैं और अधिकतर अन्य मछलियों को खाते हैं, लेकिन ए पानी में गिरने वाली किसी भी चीज़ पर हमला कर सकती हैं। पिरान्हा की 30 ज्ञात प्रजातियों में से, लाल पिरान्हा, सेरासाल्मस नैटेरेरी को पशुधन और मनुष्यों के लिए सबसे खतरनाक माना जाता है।

- **रबर के पेड़** अमेज़न वर्षावनो के मूल पेड़ है। इसका वैज्ञानिक नाम, हेविया ब्रासीलीसेज़ की है। दक्षिण-पूर्व एशिया में रबर बागानों की स्थापना के साथ, अमेज़न क्षेत्र ने अपनी प्रमुख स्थिति खो दी।
- **अटाकामा** उत्तरी चिली में एक शुष्क मरुस्थल है और पेरू सीमा से 960 किमी दक्षिण में फैला हुआ है। इस मरुस्थल में लगभग कोई वनस्पति नहीं है और इसे दुनिया का सबसे शुष्क मरुस्थल माना जाता है। कैलामा शहर में वर्ष 1971 में 400 वर्षों का सबसे सूखा दर्ज किया गया। केवल एक धारा, रियो लोआ, प्रशांत महासागर तक पहुँचती है। शहरों और नाइट्रेट क्षेत्र तक पानी को पम्प किया जाता है। 1983-84 में अटाकामा मरुस्थल पेरू और बोलीविया द्वारा चिली को के हिस्से में दे दिया गया था। अटाकामा नाइट्रेट (कैलीची), आयोडीन और बोरेक्स से भरपूर है।
- **कोको (Cocoa)**, जिससे पेय और चॉकलेट दोनों बनाए जाते हैं, एक उष्णकटिबंधीय पेड़ की फलों या बीजों से पाया जाता है। हालाँकि आज अफ्रीका दुनिया में कोको के उत्पादन में अग्रणी है, यह पेड़ उष्णकटिबंधीय अमेरिका का मूल पेड़ है तथा सबसे पहले इसे मध्य अमेरिका के निचले इलाकों में पनामा से लेकर युकाटन प्रायद्वीप के अलावा अमेज़न और ओरिनिको के नदी घाटियों में जंगली रूप से उगते हुए पाया गया था।
- दक्षिण अमेरिका **कोकीन** का सबसे बड़ा उत्पादक है। यह एक ऐसा मादक पदार्थ है जिसने युवा पीढ़ी को तबाह कर रखा है। आज दुनिया की 75% कोकीन बोलीविया, पेरू और कोलंबिया में उगाई जाती है।
- **अल्फा-अल्फा** एक फलीदार पौधा है, जो अत्यधिक पौष्टिक होने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में मदद करता है। इसका उपयोग पशुओं के चारे के रूप में भी किया जाता है।
- **साओ पाउलो (Sao Paulo)** टोक्यो और मेक्सिको शहर के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा शहरी समूह है। यह दक्षिणी गोलार्ध में सबसे बड़ा शहरी समूह है। साओ पाउलो प्रांत में ब्राजील की आबादी का 22% और देश की जीडीपी का 40% का योगदान देता है। यह दक्षिणी अमेरिका का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र भी है।
- **पेरू और चिली** के तटों पर हम्बोल्ट धारा का उत्प्रवाह होते हुए ठंडा पानी प्लवक के विकास के लिए अच्छी परिस्थितियाँ बनाता है। इससे एंकोवीज़, एक प्रकार की मछली, के विकास में मदद मिलती है। गुआनो पक्षी इन एंकोवीज़ को खाते हैं और उनके मल (गोबर) पेरू और चिली के अपतटीय द्वीपों पर बड़े फॉस्फेट भंडार के रूप में जमा हो जाती हैं। पेरू, आज, फॉस्फेट का सबसे बड़ा उत्पादक है।
- **'पॉलीजन ऑफ़ ड्राउट'** ब्राजील के पूर्वोत्तर क्षेत्रों का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है।
- **पैराग्वे** दुनिया का पूर्णतः द्विभाषी देश है, जिसकी आधिकारिक भाषा स्पेनिश है और आमतौर पर यहाँ अमेरिंडियन गुआरानी बोली जाती है।
- हालाँकि अधिकांश देशों की **आधिकारिक भाषा** स्पेनिश है, लेकिन ब्राजील की आधिकारिक भाषा पुर्तगाली है। इसके अलावा, लोगों के द्वारा स्थानीय अमेरिंडियन भाषाएँ भी बोली जाती हैं।

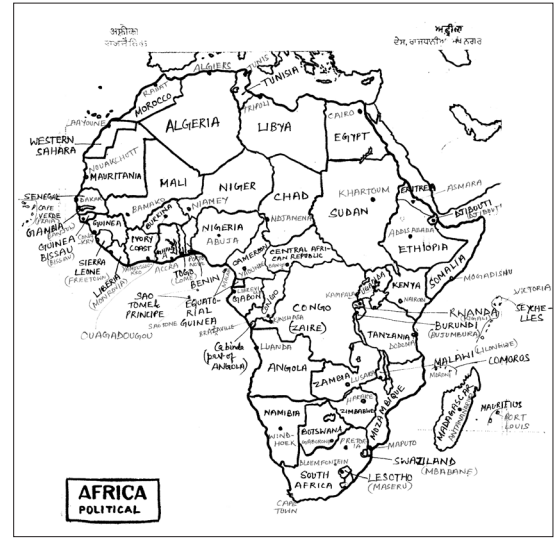
अफ्रीका

स्थिति एवं विस्तार

अफ्रीका क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का दूसरा बड़ा महाद्वीप है। इसका क्षेत्रफल 3,02,43,910 वर्ग किमी है। यह पृथ्वी के कुल स्थलीय क्षेत्र के 22 प्रतिशत भाग पर फैला हुआ है।

अफ्रीका में देश

- अफ्रीका, दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप, दुनिया के कुल सतह क्षेत्र का 6% है।
- 54 देश अफ्रीकी समूह के हैं और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं। (54 संप्रभु अफ्रीकी देश और दो विवादित क्षेत्र हैं), अर्थात् सोमालीलैंड (सोमालिया का स्वायत्त क्षेत्र) और पश्चिमी सहारा (मोरक्को द्वारा कब्जा कर लिया गया)।
- मुख्यभूमि अफ्रीका पर 48 देश।
- 6 द्वीपीय देश भी अफ्रीका के भाग हैं।
- आकार में अफ्रीका के शीर्ष 3 सबसे बड़े देश: अल्जीरिया > कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य > सूडान।
- अफ्रीका में लगभग 1.37 अरब लोग रहते हैं, जो दुनिया की लगभग 14% आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं (2021 में) अफ्रीका में सबसे अधिक आबादी वाला देश नाइजीरिया है (स्रोत: संयुक्त राष्ट्र विश्व जनसंख्या संभावनाएँ)



अफ्रीका के क्षेत्र

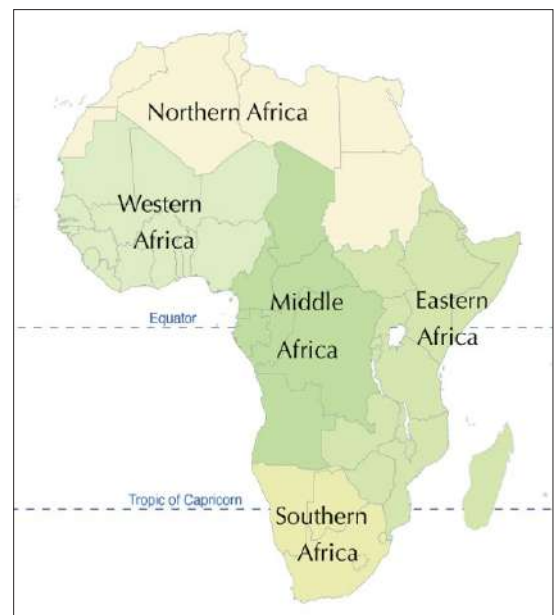
संयुक्त राष्ट्र भू-योजना संयुक्त राष्ट्र भू-योजना महाद्वीप को पाँच मुख्य क्षेत्रों में विभाजित करती है:

- उत्तरी अफ्रीका (अल्जीरिया, मिस्र, लीबिया, मोरक्को, सूडान, ट्यूनीशिया और पश्चिमी सहारा)

पर्वी अफ्रीका
मध्य अफ्रीका
दक्षिणी अफ्रीका
पश्चिमी अफ्रीका



उप सहारा अफ्रीका
(SUB SAHARAN AFRICA)



अफ्रीका की सबसे बड़ी 5 झीलें (क्षेत्रफलानुसार)

क्रमांक	स्थान, नाम और अवस्थिति	क्षेत्रफल (वर्ग किमी. में)
1.	विक्टोरिया झील, युगांडा-कीनिया-तंजानिया	69,490
2.	टांगानीका झील, कांगो प्रजातान्त्रिक गणतन्त्र-तंजानिया	32,900
3.	न्यासा झील, मलावी-मोजाम्बिक-तंजानिया	22,490
4.	चाड झील, चाड	17,800
5.	नासिर झील, मिश्र	12,900

अफ्रीका की सबसे ऊंचे 5 पर्वत शिखर

क्रमांक	स्थान, नाम और अवस्थिति	ऊंचाई (मीटर में)
1.	किलिमंजारो, तंजानिया	5,895
2.	माउण्ट केन्या, कीनिया	5,199
3.	मारघेरिट्टा, युगांडा-तंजानिया	5,109
4.	रास दाशेन, इथियोपिया	4,620
5.	माउण्ट मेरु, तंजानिया	4,565

अफ्रीका की सबसे बड़े 5 द्वीप (क्षेत्रफलानुसार)

क्रमांक	स्थान, नाम और अवस्थिति	ऊंचाई (मीटर में)
1.	मेडागास्कर, हिन्द महासागर	587,041
2.	करग्यूलिन द्वीप, फ्रेंच दक्षिणी और अण्टार्कटिक भूमि	6,000
3.	सोकोतरा, हिन्द महासागर	3,110
4.	रियूनियन, हिन्द महासागर	2,507
5.	बिओको, भूमध्यरेखीय गिनी	2,020

अफ्रीका के पठार

1.	अगहर पठार	अल्जीरिया
2.	तिबेस्ती पठार	चाड
3.	अडमावा पठार	कैमरून
4.	इथियोपिया पठार	इथियोपिया

स्मरणीय तथ्य

- सभी महाद्वीपों में उष्ण कटिबंधीय परिस्थितियों का सबसे ज्यादा विस्तार अफ्रीका महाद्वीप में है।
- संसार में सबसे ऊंचा तापमान 580 सेण्टीग्रेड लीबिया के अल-अजीजिया नामक स्थान पर दर्ज किया गया है।
- अफ्रीका में उष्ण कटिबंधीय लंबी और मोटी घास के क्षेत्र को सवाना कहते हैं।
- अफ्रीका के उत्तरी भाग (ट्यूनीशिया, अल्जीरिया और मोरक्को) तथा दक्षिणी भाग (दक्षिणी अफ्रीका) में भूमध्य

सागरीय जलवायु पाई जाती है।

- जेम्बेजी नदी पर निर्मित **करीबा बांध** से अफ्रीका में सबसे अधिक जलविद्युत पैदा की जाती है। मिडू देश में नील नदी पर निर्मित **अस्वान बांध** अफ्रीका का एक अन्य बड़ा बांध है। **कैजी बांध** नाइजर नदी पर स्थित है।
- विश्व में सबसे अधिक क्रोमियम दक्षिणी अफ्रीका में निकाला जाता है।
- अफ्रीका में **जंजीबार** और **पेंबा** द्वीप संसार में सबसे अधिक लौंग का उत्पादन करते हैं। यहां से इसका निर्यात भी सबसे अधिक होता है।
- कांगो प्रजातान्त्रिक गणतन्त्र को वनों का देश कहा जाता है।
- अफ्रीका ही एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जिसमें से **कर्क व मकर** रेखाएं गुजरती हैं।
- स्वेज नहर का निर्माण 1869 में पूर्ण हुआ। इसकी लम्बाई 162 किमी- है। यह भूमध्यसागर को लाल सागर से मिलाती है। उसके वास्तुकार का नाम फर्डिनेण्ड डी लेसेप है।
- दक्षिणी अफ्रीका में शीतोष्ण कटिबंधीय घासों से ढंके भागों को '**वेल्ड**' कहते हैं। यह डच भाषा का शब्द है जिसका अर्थ घास का मैदान होता है।
- विश्व का सबसे विशाल हीरा **प्रीमीयर खान** (दक्षिण अफ्रीका) से 1905 को प्राप्त हुआ। जिसका नाम **कुलीनान** हीरा है।
- विश्व की हीरे की सबसे बड़ी खान **किम्बरले** (दक्षिण अफ्रीका) में है।
- अफ्रीका महाद्वीप का **ट्रान्सवाल क्षेत्र** विश्व के प्रमुख **सोना** उत्पादक क्षेत्रों में सबसे बड़ा है।
- अफ्रीका का सबसे लम्बा रेल मार्ग **केप-कहिरा रेलमार्ग** है जो दक्षिणी अफ्रीका गणराज्य के केपटाउन नगर से मिडू के काहिरा नगर तक पहुंचता है।
- इस महाद्वीप के **स्थल रूद्ध** (Land Lock) देशों में माली, नाइजर, चाड, अपर वोल्टा, युगाण्डा, जाम्बिया, जिम्बाब्वे, मलावी, बोत्सवाना, आदि मुख्य हैं।
- अलगेजीरा (El Gezira) रेगिस्तान सूडान में स्थित है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से अफ्रीका महाद्वीप में सूडान सबसे बड़ा व मेओटो सबसे छोटा देश है।
- जिबूती (Djibouti) में '**असल**' नामक स्थान औसत समुद्र तल से 153 मीटर नीचा है।
- विश्व में कुल संभाव्य जल विद्युत शक्ति की 40 संभाव्य क्षमता अफ्रीका महाद्वीप में विद्यमान है।
- विश्व में अफ्रीका सबसे अधिक जनसंख्या-वृद्धि वाला महाद्वीप है।
- नाइजीरिया के आंतरिक भाग में ग्रीष्म ढ़तु शुष्क रहती है। इस ढ़तु में प्रायः गरम और धूल भरी हवाएं उत्तर-पूर्व की ओर चला करती हैं। इन हवाओं को **हरमटन** कहते हैं।
- मिश्र में ग्रीष्म ऋतु में दक्षिण की ओर से गरम, शुष्क और धूल भरी हवाएं चलती हैं। इन हवाओं को **खमसिन** कहते हैं।
- अफ्रीका-हार्न (Horn) में सम्मिलित देश क्रमशः इथियोपिया, जिबूती और सोमालिया हैं।
- अफ्रीका में सर्वाधिक वार्षिक-वृद्धि वाला देश लाइबेरिया है।
- अफ्रीका में 1 प्रतिशत से भी कम वार्षिक वृद्धि वाला एकमात्र देश गिनी है।
- अफ्रीका का सर्वाधिक नगरीकृत देश लीबिया है।
- अफ्रीका में जिम्बाब्वे में साक्षरता का प्रतिशत सर्वाधिक है।
- अफ्रीका में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश नाइजीरिया है।
- मिश्र में कृषि सिंचाई पर सर्वाधिक निर्भर है।
- इस महाद्वीप के सबसे लम्बे रेलमार्ग दक्षिणी अफ्रीका संघ में पाये जाते हैं।
- अफ्रीका का सबसे ऊंचा बांध अस्वान नील नदी पर बना हुआ है।

- इस महाद्वीप में नाइजर नदी को 'पॉम तेल की नदी' कहा जाता है।
- अफ्रीका का सबसे विकसित एवं सम्पन्न देश दक्षिणी अफ्रीका संघ है।
- एटलस अफ्रीका महाद्वीप की एकमात्र अल्पाइन पर्वत श्रेणी का नाम है।
- इस महाद्वीप का अधिकांश धरातल ऊंचा नीचा एवं प्राचीन पठारी खण्ड वाला है।
- एटलस पर्वत के सर्वोच्च शिखर का नाम टाबकल है।
- सफेद नील एवं नीली नील नदियां **खारतूम** (सूडान) के समीप आपस में मिलती हैं।
- **फूटा जालोन सवाना क्षेत्र** गिनी देश में विस्तृत है। यह क्षेत्र **फुलानी** लोगों द्वारा आवासित है। फुलानी लोगों का मुख्य व्यवसाय पशुपालन है।
- **रॉस दाशेन** इथियोपिया के पठार का सर्वोच्च ऊंचाई (4,620 मीटर) वाला स्थान है।
- अफ्रीका के **भूमध्यरेखीय झील तंत्र** में सम्मिलित झीलें टुर्काना, एल्बर्ट, टांगानीका और न्यासा है।
- घाना में वोल्टा नदी पर निर्मित अकोसोम्बो बांध से बनी **वोल्टा झील** अफ्रीका की सबसे बड़ी कृत्रिम झील है।
- पूर्वी अफ्रीका में विस्तृत **सेरेंगंटी** मैदान एक प्रमुख घास-स्थल है।
- तुर्काना झील के तटवर्ती क्षेत्रों में होमिनिड जीवाश्म मिले हैं।
- कनारी और बेंग्वेला की ठण्डी समुद्री धाराएं अफ्रीका के पश्चिमी तट (अटलांटिक महासागर तट) के समीप प्रवाहित होती हैं जबकि मोजाम्बिक की गर्म जल धारा दक्षिणी पूर्वी तट (हिन्दमहासागर) के समीप प्रवाहित होती है।
- दक्षिणी अफ्रीका के तट पर प्रवाहित होने वाली गर्म एवं शुष्क पवन को **बर्ग** कहते हैं।
- **अरब, बर्बर, तुआरेग** लोग उत्तरी अफ्रीका में, **पिग्मी** कांगो बेसिन में **बुशमैन** कालाहारी मरुस्थल में; **होटेनटाट्स, ओवाम्बो** तथा **हेरेरो** लोग दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका में रहते हैं।
- **बन्दू** जो कि अफ्रीका के मूल निवासी हैं कि अधिकांश जनसंख्या भूमध्य रेखा के दक्षिण में निवास करती है।
- **कीनिया** बृहत् सफारी केन्द्र के रूप में जाना जाता है।
- **कटंगा** कांगो देश का खनिज बहुल क्षेत्र है।
- **विटवाटसरैण्ड** (ट्रान्सवाल क्षेत्र) अफ्रीका का सर्वाधिक सोना उत्पन्न करता है।
- **चाड झील** सहारा रेगिस्तान में स्थित प्रमुख झील है।
- **जोहन्सबर्ग** भूमध्यरेखा के दक्षिण में स्थित अफ्रीका का सबसे बड़ा शहर है।
- पशुपालन में संलग्न खानाबदोश जीवन-यापन करने वाली जनजातियों की सर्वाधिक संख्या **सोमालिया** में है।
- विश्व में जल विद्युत शक्ति की सम्भावित क्षमता सबसे अधिक कांगो देश में है।
- मेडागास्कर के मूल निवासी **मालागासी** कहलाते हैं। ये मलय और पालीनेशियाई लोगों से संबंधित हैं।
- कागज बनाने में प्रयुक्त **एस्पारटो घास** उत्तरी अफ्रीका में बहुतायत से उगती है।
- **मिश्र** को एशिया और यूरोप महाद्वीप का जंक्शन कहा जाता है।
- **सिसल हेम्प** के लिए विश्व में तंजानिया देश प्रसिद्ध है।
- युगांडा के पश्चिम में फैली **रूवेनजोरी** पर्वतमाला को **चांद के पर्वत** के नाम से जाना जाता है।
- अफ्रीका में समुद्रतटीय मैदान का सर्वाधिक विस्तार मोजाम्बिक देश में है।
- **किलिमंजारो** के पूर्वी ढलानों पर कहवा की कृषि छग्गा जनजाति द्वारा की जाती है।

यूरोप का प्रादेशिक भूगोल

यूरोप महाद्वीप सम्पूर्ण विश्व के 6 प्रतिशत भाग पर फैला हुआ है। यहाँ पर विश्व की 9 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। भौगोलिक दृष्टिकोण से इन्हें निम्न वर्गों में रखा जाता है।

1. **स्केण्डिनेवियाई देश-** आइसलैण्ड, नार्वे, स्वीडन तथा डेनमार्क।
2. **बाल्टिक देश-** एस्टोनिया, लिथुआनिया, एवं लाटविया (पूर्व सोवियत संघ के घटक गणतंत्र, जो अब स्वतंत्र देश हैं)।
3. **निचले देश-** एस्टोनिया, नीदरलैण्ड्स तथा लक्जमबर्ग (Bene-Lux)।
4. **बाल्कन देश-** युगोस्लाविया, स्लैवेनिया, बेस्निया- हर्जगोविना, क्रोशिया, मेसेडोनिया, अल्बनिया, ग्रीस (यूनान), बुल्गारिया तथा रोमानिया।
5. **स्वतंत्र देशों का राष्ट्रकुल-** पूर्व सोवियत संघ के बाहर गणतंत्र (अब स्वतंत्र देशों) का समूह-जिसमें रूस, यूक्रेन, बेलारूस, मोल्दोवा, जार्जिया, अजरबैजान, आर्मीनिया, कजाकस्तान, किर्गिजस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान एवं उजबेकिस्तान सम्मिलित हैं। मध्य एशियाई गणतंत्रों को छोड़कर अन्य सभी देश यूरोप में आते हैं।
6. **आइबेरियन प्रायद्वीप-** इसमें पुर्तगाल, स्पेन, फ्रांस, तथा भूमध्यसागर तटवर्ती देश सम्मिलित हैं।
7. **स्थल आबद्ध देश-** हंगरी, चेक गणतंत्र, स्लोवाकिया, आस्ट्रिया, स्विटजरलैण्ड तथा वेटिकन सिटी सम्मिलित हैं।

धरातल- भौतिक रचना की दृष्टि से यूरोप के चार विभाग किये जा सकते हैं (i) उत्तरी पश्चिमी उच्च भूमि, (ii) उत्तरी यूरोपीय मैदान, (iii) मध्यवर्ती उच्च भूमि, एवं (iv) अल्पाइन श्रेणियाँ।

यूरोप को यूरेशिया महाद्वीप का **प्रायद्वीप** (A Peninsula of Eurasia) कहा गया है जिसके उत्तर में उत्तर महासागर (Arctic Ocean), दक्षिण में भूमध्यसागर (Mediterranean Sea) और पश्चिम में अटलांटिक महासागर (जसंदजपब वबमंद) है। पूरब में यह एशिया से मिला हुआ है। यूराल पर्वत, यूराल नदी और कैस्पियन सागर इसकी पूर्वी सीमा बनाते हैं। 40°N अक्षांश रेखा इस महादेश के स्पेन-पुर्तगाल से (बीचो-बीच) गुजरती हुई इटली के दक्षिणी छोर और ग्रीस को पारकर कालासागर के दक्षिण से होकर कैस्पियन-सागर को काटती हुई जाती है। 0° देशांतर रेखा आइसलैंड से होकर, 20°N देशांतर रेखा नार्वे, स्वीडन, पोलैंड, चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, युगोस्लाविया और अल्बानिया से होकर, तथा 40°E देशांतर रेखा सोवियत संघ (रूस) के मध्य से होकर गुजरती है। सम्पूर्ण महादेश उत्तरी गोलार्द्ध में (35°N से 70°N और 25°W से 60°E के बीच) स्थित है और अपनी महत्वपूर्ण स्थिति के कारण यह विश्व के सभी उन्नत भू-भागों से सम्बंध स्थापित कर सका है।

यूरोप: भूगर्भिक संरचना

लगभग 50 करोड़ वर्ष पूर्व यूरोप उत्तरी-पश्चिमी भूभाग बाल्टिक शील्ड के रूप में विद्यमान था। आर्कियन युग की प्राचीनतम और रूपांतरित चट्टानों से निर्मित इस शील्ड का विस्तार बाल्टिक सागर के चारों ओर होने के कारण ही इसे बाल्टिक शील्ड नाम दिया गया, जिसकी पूर्वी सीमा व्याइट सी (White Sea) से लेकर ओनेगा और लैडोगा झील होती हुई फिनलैंड की खाड़ी (Gulf of Finland) तक मानी जाती है। पूर्व में अदृश्य शील्ड के रूप में इसका विस्तार यूराल पहाड़ (Ural Mountains) तक और दक्षिण में कैस्पियन सागर तथा आल्प्स की श्रेणियों तक है जहाँ इसके ऊपर नवीनतम चट्टानों का निक्षेप है।



Europe-Physical features

इस शील्ड के पश्चिमी छोर पर विशाल कैलिडोनियन पर्वतश्रेणी (Caledonian Range of Mountains) का निर्माण हुआ जिसके अवशेष के रूप में स्काटलैंड की पहाड़ियाँ और स्कैंडिनेविया की उच्च भूमि आज भी देखी जा सकती है। कैलिडोनियन भूसंचलन 32 से 40 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ था।

बाल्टिक शील्ड तथा कैलिडोनियन पर्वत कालान्तर में घिस चले। इनके अवसाद (तलछट) नदियों द्वारा निकटवर्ती समुद्र में (जहाँ आज मध्यवर्ती यूरोप है) परतों में जमा होते गए। कालक्रम में यह समुद्र बालू, मिट्टी और चूना से भर चला और इसके दलदल भाग में घने वन उग आए जो दब कर कोयला बन गये।

कुछ करोड़ वर्षों के बाद भूसंचलन से भूपटल की चट्टानों में जबरदस्त मोड़ और मोड़दार पर्वतों की जो श्रेणी बनी उसे हरसीनियन पर्वत श्रेणी (Hercynian Range of Mountains) नाम दिया गया। यह पर्वतश्रेणी आज मौजूद नहीं है किन्तु इसका विस्तार मध्यवर्ती यूरोप में (दक्षिणी ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और जर्मनी के पार तक) था। हरसीनियन भूसंचलन 22 से 25 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ था। पूरब में यूराल पर्वत का निर्माण इसी भूसंचलन से हुआ। पश्चिम में द. प. आयरलैंड, वेल्स और कॉर्नवाल-डेवन की उच्चभूमि हरसीनियन पर्वतश्रेणी के ही अवशेष हैं।

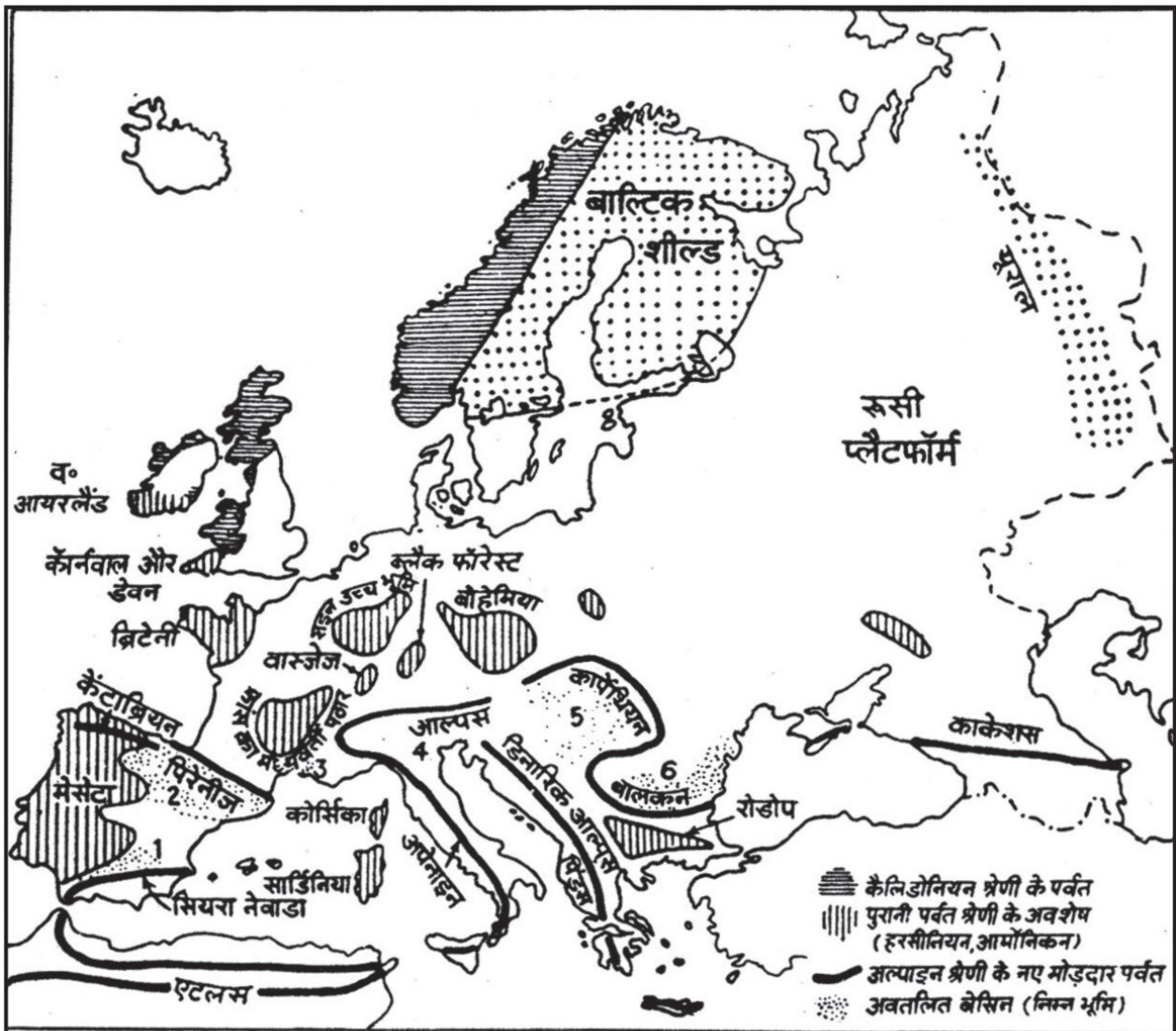
कालान्तर में यूरोप का एक बड़ा भाग सागर में निमग्न हो गया जिससे वहाँ नदियों द्वारा लाई मिट्टी आदि की परतें बिछ गईं। यूरोप की निम्नभूमि इन्हीं परतदार चट्टानों से ढकी है।

अंतिम भूसंचलन 3 से 7 करोड़ वर्ष हुआ जिसके फलस्वरूप बड़े स्तर पर पर्वतश्रेणियों का निर्माण हुआ और ये यूरोप की नवीन पर्वत श्रृंखलाएँ (New Mountain Chains of Europe) या अल्पाइन पर्वत श्रेणी (Alpine Range of Mountains) कहलाती हैं। ये पर्वत श्रेणियाँ अभी घिस नहीं पाई हैं। आज यूरोप के सर्वोच्च शिखर इन्हीं में मिलते हैं।

कोई 5 लाख वर्ष पूर्व यूरोप में हिमयुग आया अर्थात् ठंडक बढ़ने लगी और हिमपात होने लगा। यह हिमपात इतना अधिक हुआ कि ग्रीष्मकाल में भी हिमावरण न हट पाया। यूरोप की समस्त उच्चभूमि, विशेषतया स्कैंडिनेविया, सैकड़ों मीटर मोटे हिमपट से आच्छादित रही। वहाँ से मैदान भाग में ओर हिमनद प्रवाहित होते रहे। हिमनदों और हिमनिःसृत जल-धाराओं से हिमजलोढ़ मैदानों (Outwash Plains) का निर्माण हुआ जिस पर कहीं-कहीं हिमोढ़ के टीले बन गए। उत्तरी यूरोप की अधिकतर झीलें हिमनदों के अपरदन या निक्षेपण से बनीं।

संरचना और प्राकृतिक स्वरूप की दृष्टि से यूरोप के तीन स्पष्ट विभाग हैं

1. उत्तर पश्चिम की अति प्राचीन उच्चभूमि।
2. मध्य का विशाल-मैदान।
3. दक्षिण के पर्वतीय भाग (नये और पुराने पर्वत और इन पर्वतों से घिरी नदी-घाटियाँ)।



यूरोप की संरचना और प्राकृतिक स्वरूप। संकेत : 1. अलुसिया, 2. आरागोन, 3. रोन की निम्न घाटी, 4. पो- घाटी, 5. हंगरी का मैदान, 6. रूमानिया का मैदान।

यूरोप की जलवायु

- बहुत थोड़े-से उत्तरी भाग को छोड़कर यह शीतोष्ण- कटिबंध में स्थित है।
- इस महादेश का विस्तार पूर्व-पश्चिम में अधिक है। पूर्व में यह एशियाई भूखण्ड से मिला हुआ है और पश्चिम में अटलांटिक महासागर तक चला गया है। इस कारण मध्य और पूर्वी भाग की जलवायु विषम या महाद्वीपीय है और वहाँ तापांतर अधिक मिलता है। समुद्र से दूर स्थित होने के कारण।
- यह सालोभर पश्चिमी पवन/पछुआ हवाओं के प्रभाव में रहता है, केवल दक्षिणी भाग (भूमध्यसागर के आसपास के क्षेत्र) वायु-दाब की पट्टियों के खिसक जाने के कारण गर्मी में उ.-पूर्वी पवन के प्रभाव में आ जाता है। पश्चिमी पवन से वर्ष भर वृष्टि होती है। दक्षिणी भाग केवल जाड़े में पश्चिमी पवन के प्रभाव में रहता है।
- यूरोप में उच्च पर्वतीय भाग और विशाल मैदानी भाग का विस्तार पश्चिम से पूर्व की ओर है, फलस्वरूप यहाँ अटलांटिक महासागर से आने वाले पश्चिमी पवन (Westerlies) सीधे प्रवेश कर जाते हैं। उत्तर की ओर भी किसी-प्राकृतिक अवरोध के अभाव में आर्कटिक महासागर की सर्द हवाएँ बेरोक-टोक मध्य-पूर्व तक चली आती हैं।
- दक्षिणी पर्वतश्रेणियाँ की दिशा जल-वायु विभाजक का काम करती है। उत्तर-पश्चिमी उच्चभूमि कम ऊँची होने पर भी समुद्र की ओर से आने वाली हवाओं से अधिक वर्षा कराती है।
- यूरोप के भीतरी तक समुद्र और खाड़ियों का प्रवेश हुआ है, जैसे- उत्तर सागर, बाल्टिक सागर, फिनलैंड की खाड़ी बोथनिया की खाड़ी, एड्रियाटिक सागर, एजीयन सागर, काला सागर इत्यादि।

समुद्र की भुजाओं का दूर तक प्रवेश यूरोप की जलवायु पर समकारी प्रभाव डालता है। समुद्र के दूर तक घुसे होने के कारण आंतरिक भाग की दूरी समुद्रतट से 300 किमी. तक ही रहती है और पूर्वी भाग को छोड़कर कहीं विषम जलवायु नहीं हो पाती। पश्चिम में अटलांटिक महासागर की स्थित होने के कारण वहाँ से चलने वाली पछुआ हवाएँ सालोभर वर्षा कर पाती है।

वर्षा का वितरण

- यूरोप में वर्षा का प्रादेशिक वितरण असमान है। यहाँ अधिक वर्षा के दो प्रदेश मिलते हैं (i) पश्चिमी प्रदेश, जो प्रचलित पश्चिमी पवनों (Westerly Winds) के सम्मुख पड़ता है। पूर्व की ओर बढ़ने पर वर्षा की मात्रा क्रमशः घटती जाती है। पूर्वी प्रदेश प्रायः वृष्टिछाया प्रदेश बन जाते हैं, अतः वहाँ अपेक्षाकृत कम वर्षा होती है। (2) पर्वतीय प्रदेश, जो वाष्पयुक्त पवनों को रोककर वर्षा कराने में सहायक होता है। जैसे- ब्रिटेन के पेनाइन क्षेत्र, नार्वे के पश्चिमी भाग और कैंटाब्रियन, पिरिनीज, आल्प्स, डिनारिक तथा काकेशस क्षेत्र।
- **सबसे कम वर्षा के प्रदेश** भी दो हैं - (1) उत्तर-पूर्वी यूरोप और (2) दक्षिण-पूर्वी यूरोप। उत्तर-पूर्वी यूरोप टुंड्राप्रदेश है जहाँ तापमान सबसे कम रहा करता है और जाड़े में हिमपात होता है तथा गर्मी में 25 सेमी. से कम वर्षा होती है। दक्षिण-पूर्वी यूरोप पश्चिमी पवनों (Westerly Winds) तथा उनका जलवाष्प समाप्त हो जाता है, अतः वह शुष्क प्रदेश बन जाता है। पश्चिमी यूरोप में जहाँ 200 सेमी. से अधिक वर्षा होती है। द. पूर्वी यूरोप को 50 सेमी. से भी कम वर्षा है, फलतः वहाँ अर्द्धमरुस्थलीय जलवायु मिलती है (कैस्पियन सागर के आसपास)।
- यूरोप में सर्वत्र एक ही ढ़टु में वर्षा नहीं होती। कहीं तो यह सालोभर होती है तो कहीं गर्मी में और कहीं जाड़े में। उदाहरणार्थ, पश्चिमी यूरोप में वर्षा की कोई विशेष ढ़टु नहीं होती। समुद्र की ओर से आने के कारण ये वाष्पयुक्त ढ़टु होती हैं और इनसे सालोभर हल्की वर्षा (Light Rain Throughout The Year) होती है, किन्तु पूर्वी यूरोप में मुख्यतः गर्मी में (ग्रीष्मकालीन) वर्षा हुआ करती है और जाड़े की ऋतु शुष्क होती है।
- जाड़े के दिनों में सारा यूरोप पश्चिमी पवन तथा उनसे मिले चक्रवातों (Cyclones or Depressions) के प्रभाव में रहता है। चक्रवातों के उत्पन्न होने का कारण ध्रुवीय प्रदेश में वायुराशि के एकत्र हो जाने के फलस्वरूप दक्षिण की

ओर बढ़ने का प्रयास करती है। इस समय सारे यूरोप में वर्षा होती है। (Rainfall और Snowfall के रूप में)। जो भाग पश्चिम और दक्षिण में हैं, वहाँ अपेक्षाकृत अधिक वर्षा होती है।

- आर्कटिक जलवायु-प्रदेश-उत्तरी भाग में आइसलैंड, उत्तरी फिनलैंड तथा उत्तरी रूस इस जलवायु-प्रदेश के अंतर्गत आते हैं।
- अधो-आर्कटिक जलवायु-प्रदेश-आर्कटिक जलवायु प्रदेश के ठीक दक्षिण अधो-आर्कटिक प्रदेश है। यहाँ भी सालोभर ठंडक पड़ती है और दीर्घकाल तक भूमि हिमाच्छादित रहती है किन्तु ग्रीष्मकाल अपेक्षाकृत बड़ा होता है।

भूमध्यसागरीय प्रदेश (Mediterranean Region)– दक्षिणी यूरोप में समुद्र के किनारे के भू-भाग भूमध्यसागरीय जलवायु के अंतर्गत आते हैं।

- जाड़े में पश्चिमी पवनों की पट्टी दक्षिण की ओर खिसकने के कारण यहाँ अच्छी वृष्टि होती है किन्तु गर्मी के दिन शुष्क रहते हैं। उन दिनों आकाश साफ रहता है, अतः सूर्य की किरणें तीखी पड़ती हैं। ग्रीष्मकाल में यहाँ तापमान 20° से 27°C रहता है और शीतकाल में 4° से 10°C तक। इस प्रकार, वार्षिक तापांतर कम ही रहता है। शीतकालीन वर्षा रसदार फलों की खेती के लिए उपयुक्त है और ग्रीष्मकाल की धूप फलों के उत्पादन में लाभप्रद सिद्ध होती है।
- भूमध्यसागरीय प्रदेश में कई स्थानीय हवाएँ भी चला करती हैं; जैसे- मिस्ट्रल (Mistral) फोन (Fohn), बोरा (Bora), सिरक्को (Sirocco) और लेवाशे (Leveche)।

जल प्रवाह प्रणाली

यूरोपीय नदियाँ ढाल का अनुसरण करते हुए बहती हैं।

डैन्यूब नदी (R. Danube) इसका उदाहरण है जो आल्प्स और कार्पेथियन के बीच ढाल के अनुरूप बहती हुई समुद्र में गिरती है।

यूरोप की केवल एल्ब नदी (R. Elbe) ही ऐसी है जो पहाड़ (Erzga-Birge mountain) को काटकर अपना मार्ग बनाती है। यह पूर्वगामी नदी (Antecedent River) का उदाहरण प्रस्तुत करती है और सभी नदियाँ अनुवर्ती हैं।

यूरोप में दक्षिणी पर्वतश्रेणियाँ प्रमुख जलविभाजक का काम करती हैं। इनके दोनों ओर नदियाँ निकलती हैं। दक्षिणी में नदियाँ भूमध्यसागर में गिरती हैं और उत्तर में अटलांटिक महासागर के अंग बिस्के की खाड़ी, इंगलिश चैनल, उत्तर सागर और बाल्टिक सागर में।

पूर्व में रूसी प्लैटफॉर्म जलविभाजक का काम करता है। वोल्गा, यूराल, दोन इत्यादि नदियाँ इस प्लैटफॉर्म की ढालों से प्रवाहित होकर दक्षिण की ओर काला सागर और कैस्पियन सागर में गिरती हैं या उत्तर की ओर आर्कटिक महासागर में।

1. अटलांटिक नदी-प्रणाली (Atlantic Drainage System)
2. भूमध्यसागरीय नदी-प्रणाली (Mediterranean Drainage System)
3. सोवियत रूस की नदी-प्रणाली (Drainage of Soviet Russia)



यूरोप की प्राकृतिक वनस्पतियां

1. टुण्ड्रा वनस्पति प्रदेश

- यह नार्वे, स्वीडन, फिनलैंड, रूस के उत्तरी तथा पश्चिमी भाग में फैला हुआ है। इस भाग में आइसलैंड भी शामिल है।
- इस आर्कटिक प्रदेश में मुख्य रूप से लिचन तथा मॉस नामक वनस्पति मिलती है। कम ठण्डे प्रदेशों में छोटे-छोटे विलो तथा बर्च के वृक्ष उगते हैं।
- दलदली भूमि तथा ठण्डी जलवायु के कारण मुद्गा का विकास कम है।

2. टैगा कोणधारी वन प्रदेश

- टुण्ड्रा प्रदेश के दक्षिण में 62°N अक्षांश तक यह वन प्रदेश एक पट्टी के रूप में है। इसमें उत्तरी रूस, फिनलैंड, स्वीडन तथा नार्वे शामिल हैं।
- पूर्वी भाग में कोणधारी वन प्राकृतिक रूप में उगते हैं। एक विशाल क्षेत्र में बहुत कम जातियों के वृक्ष पाये जाते हैं, जैसे पाइन, स्प्रूस, लार्च, सिल्वर, फर, बर्च इत्यादि।
- यह नर्म लकड़ी का वन कागज, फर्नीचर, लुग्दी, माचिस डिब्बिया तथा पैकिंग पदार्थ बनाने के काम आती है।
- भूरे गहरे रंग की मृदा अम्लीय है जिसमें ह्यूमस की कमी होती है।

3. मिश्रित वन प्रदेश

- 60°N अक्षांश रेखा के दक्षिण में कोणधारी तथा चौड़ी पत्ती वाले मिश्रित वन मिलते हैं। यूराल पर्वत से लेकर स्पेन तक यह एक त्रिकोण प्रदेश है। यहां चक्रवात चलते हैं। शीत तथा शुष्क ऋतु का अभाव है।
- पश्चिमी भाग में चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष मिलते हैं जिनमें बीच प्रमुख है। उत्तरी भाग में कोणधारी वन तथा दक्षिणी भाग में कोणधारी घास मिलती है।
- कोणधारी वनों के क्षेत्र में अम्लीय पॉडजोल मिट्टी मिलती है। चौड़ी पत्ती के वन क्षेत्रों में भूरे रंग की मिट्टी मिलती है जोकि अधिक उपजाऊ है। गहरे रंग की मिट्टी को शरनोजम मिट्टी कहते हैं।

4. पतझड़ी वन प्रदेश

- यह वन मध्य तथा पश्चिमी यूरोप में पाये जाते हैं। इसमें इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस, बैल्जियम, हालैंड, डेनमार्क, आस्ट्रिया, हंगरी, रोमानिया तथा बल्गेरिया शामिल हैं।
- यहां के वृक्ष ग्रीष्म ऋतु में कम नमी के कारण अपने पत्ते गिरा देते हैं। इन वनों के मुख्य वृक्ष ऐश, एल्म, ओक, पोपलर, एल्डर तथा बीच हैं। यहां अधिकतर वन कृषि और निवास स्थानों के लिये साफ कर दिये गए हैं।

5. शीतोष्ण घास के मैदान

- चौड़ी पत्ती वाले पतझड़ वनों के दक्षिण बुल्गेरिया, हंगरी, रोमानिया तथा रूस में शीतोष्ण घास के मैदान मिलते हैं।
- यह क्षेत्र पूर्ण रूप से घास के मैदान हैं। यहां तीन प्रकार की घास होती है: (1) वन प्रदेश स्टेप (2) स्टेप घास के मैदान (3) मरुस्थलीय स्टेप प्रदेश।
- यहां शरनोजम नामक उपजाऊ मिट्टी मिलती है। यहां कम वर्षा के कारण बसंत ऋतु में घास तथा फूल उगते हैं। ह्यूमस की मात्रा अधिक होने के कारण इस उपजाऊ मिट्टी में कृषि का बहुत विकास हुआ है।
- पूर्वी भाग में कैस्पियन सागर के इर्द-गिर्द मरुस्थलीय स्टेप प्रदेश है। यहां 25 सेमी. से कम वर्षा होती है तथा मिट्टी उपजाऊ नहीं है।

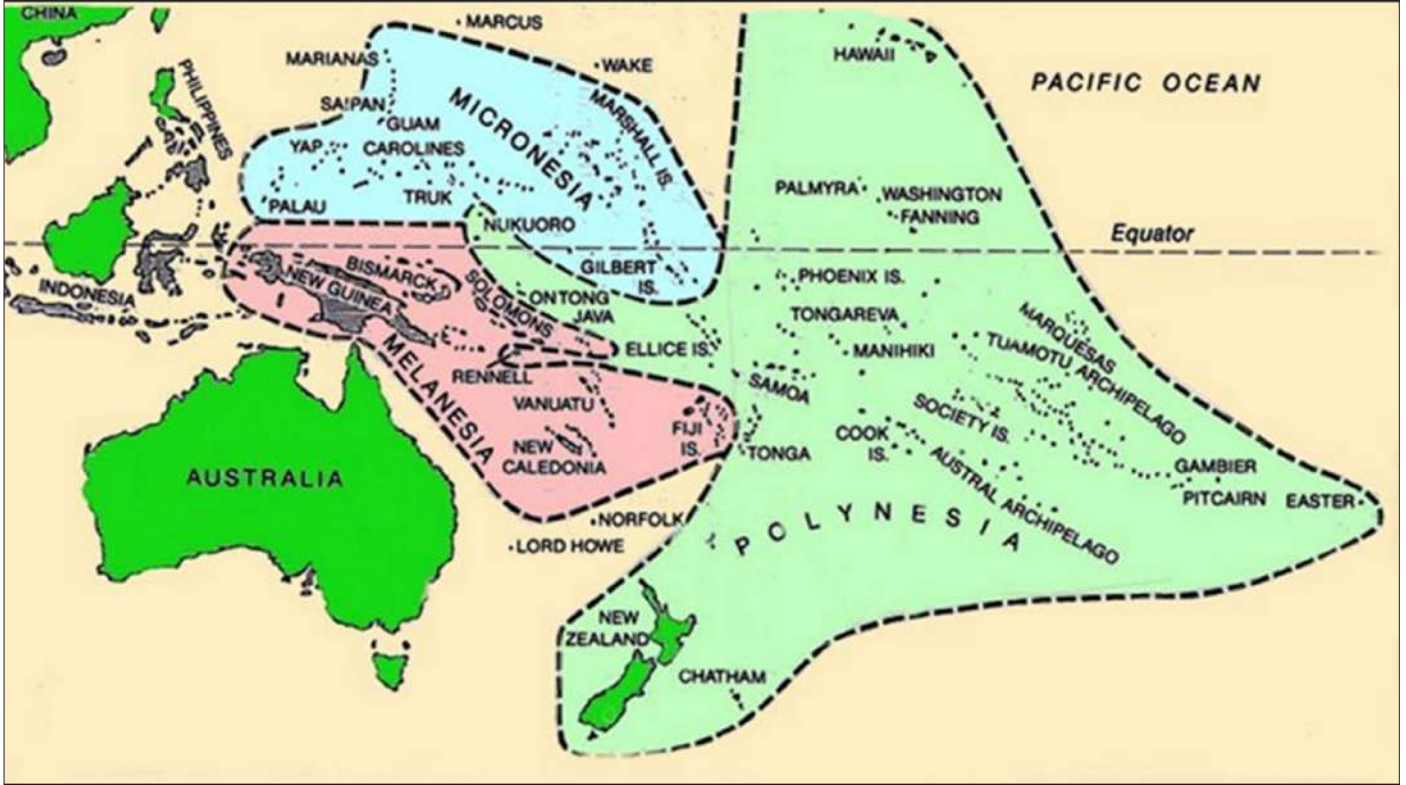
6. भूमध्यसागरीय वनस्पति प्रदेश

- भूमध्यसागर के साथ-साथ दक्षिण यूरोप के प्रदेश में यह वनस्पति पाई जाती है।
- भूमध्यसागर के साथ-साथ दक्षिणी यूरोप के प्रदेश में यह वनस्पति पाई जाती है।
- यहां कई प्रकार की वनस्पति है। कॉर्सिका द्वीप में मैक्विस तथा फ्रांस में गैरिगनामक शुष्क झाड़ियां मिलती हैं।
- नोकीले पत्ते ओटी तने तथा लम्बी जड़ें ग्रीष्म काल की शुष्क ऋतु को सहन करते हैं।
- मुख्य वृक्ष जैतून, कार्क, ओक तथा पाइन हैं। मिरटन, लेवंडर, मिंट, होली नामक खुशबूदार पौधे उगते हैं।
- यहां नींबू, नारंगी, संतरा और अंगूर आदि फलों के वृक्ष उगते हैं।
- चूने के प्रदेशों में उपजाऊ मृदा पाई जाती है।

ऑस्ट्रेलिया

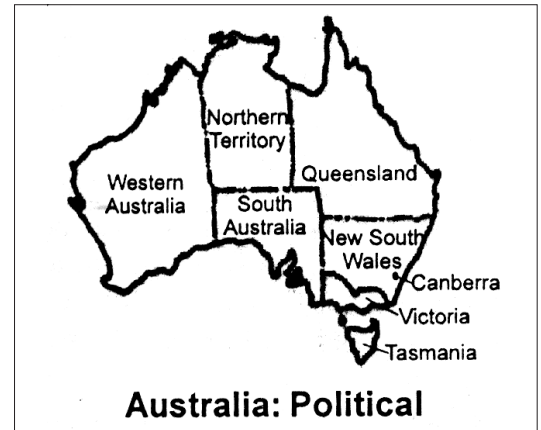
ऑस्ट्रेलिया महाद्वीपीय देश है जो पूर्णतः दक्षिणी गोलार्द्धों में स्थित है। इसका क्षेत्रफल 7686 हजार वर्ग किमी. तथा जनसंख्या 26.4 मिलियन (2023) है। औसत जनघनत्व 3 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है। ऑस्ट्रेलिया की खोज कैप्टन जेम्स कुक ने 1770 में की थी। ब्रिटिश लोगों ने यहाँ आकर बस्तियाँ बसाया।

ओशिनिया (OCEANIA)



Australia: Key Facts

- ऑस्ट्रेलिया दक्षिणी गोलार्ध का सबसे बड़ा देश है।
- विश्व का सबसे शुष्क, आबाद महाद्वीप।
- वैश्विक अलगाव और कम उच्चावच इसके विशिष्ट गुण हैं।
- आदिवासी लोग विशाल आउटबैक और ग्रेट डिवाइडिंग रेंज में निवास करते थे। (ज्यादातर विरल आबादी वाले, शिकारी और संग्रहकर्ता)
- ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रमंडल में 6 राज्य और 2 आंतरिक क्षेत्र हैं।

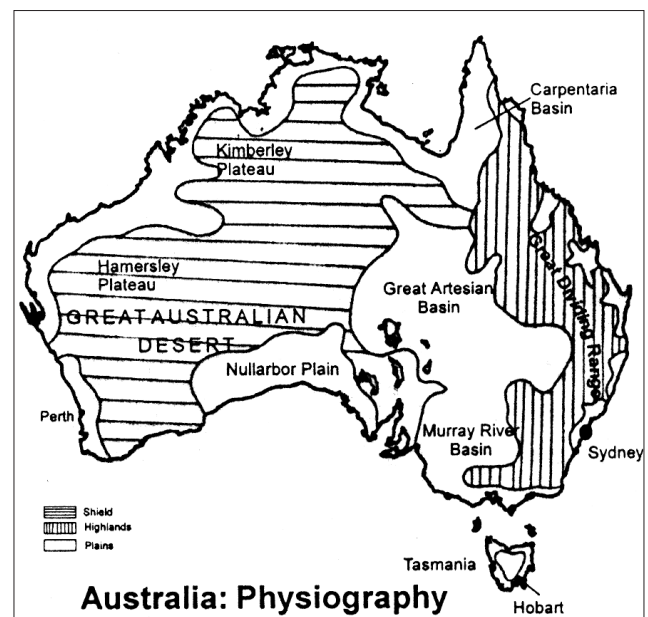


Papua New Guinea and New Zealand



मकर रेखा इसके मध्य से होकर गुजरती है। इसके दक्षिण टस्मानिया द्वीप मुख्य स्थल से बास जल संयोजी द्वारा पृथक होता है। ऑस्ट्रेलिया में कोई विशाल पर्वत श्रेणी विस्तृत नहीं है। केवल पूर्वी भाग में ग्रेट डिवाइडिंग रेंज स्थित है जिसकी सर्वोच्च शिखर माउंट कोस्युस्को (2230 मी.) है। यहाँ अधिकांशतः यह एक चौरस निम्न भूमि पायी जाती है। धरातल की दृष्टि से इसे तीन विभागों में बाँटा जा सकता है (i) पश्चिमी पठार, (ii) मध्यवर्ती निम्न भूमि, तथा (iii) पूर्वी उच्च भूमि।

पश्चिमी पठार देश के लगभग दो तिहाई क्षेत्र पर विस्तृत है। यह प्राचीन रवेदार शैलों से निर्मित है। इसकी औसत ऊँचाई 365 मीटर मात्र है। इस पठार पर केवल दो नीची श्रेणियाँ मिलती हैं- पठार के पश्चिमी छोर पर डार्लिंग श्रेणी तथा मध्य में मैकडोनाल तथा मुर्गाव श्रेणियाँ हैं। इन दोनों श्रेणियों के मध्य मरुस्थल विस्तृत हैं। उत्तर में ग्रेट मरुस्थल तथा दक्षिण में विक्टोरिया मरुस्थल स्थित हैं। इस शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश को 'नेवर-नेवर' भूमि कहते हैं। पश्चिमी पठार तथा पूर्वी तथा उच्च भूमि के मध्य निम्न भूमि विस्तृत है जो औसत रूप से 150 मीटर से भी कम है। आयर झील में समुद्रतल से भी 12 मीटर नीची है। इस निम्न भूमि में



तीन अपवाह क्षेत्र मिलते हैं- (i) कार्पेण्टरिया निम्न भूमि, (ii) मर्रे-डार्लिंग बेसिन, तथा (iii) आयर बेसिन। आयर बेसिन आंतरिक अपवाह का क्षेत्र है। यह एक विशाल आर्टीजियन बेसिन है। मर्रे-डार्लिंग प्रमुख नदियाँ हैं।

ऑस्ट्रेलिया के भौतिक लक्षणों में सबसे विशिष्ट तत्व मूँगे से निर्मित प्रवालरोधिका (Barrier Reef) है जो 1900 किमी. की लम्बाई में ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट के सहारे स्थल से 30-240 किमी. दूर फैली है। तट एवं रोधिका के मध्य उथला लैगून विस्तृत है।

जलवायु- ऑस्ट्रेलिया का अधिकांश भाग उष्ण कटिबंध में स्थित होने के कारण गर्म तथा शुष्क है। पूर्वी उच्च भूमि की बाधा के कारण विमुख ढालों पर अल्प वर्षा होती है। पश्चिमी तट के सहारे ठण्डी धारा बहने के कारण अल्प वर्षा होती है। अतः अधिकांश ऑस्ट्रेलिया शुष्क है। उत्तरी भाग में मानसूनी पवनों से कुछ वर्षा होती है दिसम्बर, जनवरी (ग्रीष्म ऋतु) में विली विली तूफान आते हैं जो भयंकर विनाशकारी होते हैं। दक्षिणी भाग में भूमध्य सागरीय जलवायु मिलती है। टस्मानिया द्वीप पर पछुवा पवनों से वर्ष भर वर्षा होती है।

प्राकृतिक वनस्पति- ऑस्ट्रेलिया में पाँच प्रकार की प्राकृतिक वनस्पति मिलती है- (i) उष्ण कटिबंधीय सदापर्णी वन, (ii) शीतोष्ण वन, (iii) उष्ण कटिबंधी घास भूमियाँ, (iv) शीतोष्ण घास भूमियाँ, (डाउंस), तथा (v) मरुस्थली एवं अर्द्ध मरुस्थली।

ऑस्ट्रेलिया “न्यू महाद्वीप” के नाम से जाना जाता है। यूरोपीयनों ने इसे टैरा ऑस्ट्रेलिया इनकॉग्निटा (Terra Australia Incognita) का नाम दिया जिसका अर्थ है-अज्ञात दक्षिणी द्वीप।

- 1. उष्ण कटिबंधीय आर्द्र-शुष्क प्रदेश (Tropical Wet-Dry Region):** इस प्रदेश में उत्तरी ऑस्ट्रेलिया, खाड़ी कार्पेण्टरिया का तटीय मैदान, यार्क प्रायद्वीप तथा पूर्वी तट शामिल हैं। उत्तरी भाग प्रायः शुष्क रहता है। पूर्वी भाग दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक पवनों के अभाव से आर्द्र है। शीतकाल में चक्रवात तथा तूफान सिडनी नगर तक प्रभाव डालते हैं।
- 2. भू-मध्य सागरीय प्रदेश (Mediterranean Climatic Region):** इसका पश्चिमी भाग ग्रेट ऑस्ट्रेलियन बाइट के पश्चिम में है तथा पूर्वी भाग पूर्व में है। दक्षिण-पश्चिम में गर्म शुष्क ऋतु होती है। यहां उच्च वायु दाब क्षेत्र होता है।
- 3. उपोष्ण कटिबंधीय आर्द्र प्रदेश (Sub-Tropical Humid Region):** यह प्रदेश क्वींसलैंड तथा न्यू साऊथ वेल्स के पूर्वी तट पर स्थित है। यहां ग्रीष्म ऋतु में दक्षिण-पूर्वी आर्द्र व्यापारिक पवनों द्वारा वर्षा होती है। दक्षिण की ओर वर्षा बढ़ती जाती है, परन्तु तापमान कम होता जाता है। स्नॉमी पहाड़ों (Snowy Mountains) पर ऊँचे भागों में हिमपात होता है।
- 4. शुष्क प्रदेश (Arid Region):** ऑस्ट्रेलिया का लगभग आधा भाग शुष्क है। इस प्रदेश में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया का पश्चिमी भाग तथा उत्तरी ऑस्ट्रेलिया का कुछ भाग शामिल है। ग्रीष्म ऋतु शुष्क तथा गर्म है। तापांतर में अधिक विभिन्नता है।
- 5. स्टेपी जलवायु प्रदेश (The Steppe Climatic Region):** यह शुष्क प्रदेश दो भागों में बंटा हुआ है। मकर रेखा प्रदेश के उत्तर में तथा दक्षिण में है। यह शुष्क प्रदेश है। ग्रीष्म ऋतु में लम्बे समय तक सूखा रहता है। अधिकतम तापमान 38°C तक चला जाता है।
- 6. पश्चिमी तट का सागरीय जलवायु प्रदेश (Marine West Coast Climate):** इस प्रदेश में दक्षिणी विक्टोरिया तथा तस्मानिया शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया के राजनैतिक प्रदेश (Western Australia)

- * **Perth:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की राजधानी जो समुद्र से 19 किमी. की दूरी पर खान नदी के किनारे स्थित है। लौह इस्पात, मोटर गाड़ी, मशीनरी तथा वस्त्र उद्योग के लिए प्रसिद्ध।
- * **Freemantle:-** स्वान नदी के मुहाने पर स्थित पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा पत्तन।
- * **Kalgoorlle and Collgrardie:-** ये दोनों नगर पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भाग में स्थित हैं। संसार में स्वर्ण खनन का प्रमुख केन्द्र।
- * **Pilbara:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के उत्तर पश्चिम में स्थित है जो अपने लौह अयस्क भंडार के लिए प्रसिद्ध है।

Northern Territory

- * **Darwin:-** उत्तरी प्रांत की राजधानी तथा प्रमुख पत्तन उत्तरी तट का जहाँ से लकड़ी अनाज तथा मांस का निर्यात किया जाता है।
 - प्रमुख लौह अयस्क भंडार क्षेत्र है।
 - इसे 'ऑस्ट्रेलिया का द्वार' कहते हैं।
- * **Alice Spring:-** उत्तरी प्रांत के दक्षिणी भाग में स्थित जो रेल के द्वारा एडीलेड से जुड़ा है। तेल तथा गैस का विशाल भंडार है।

South Australia

- * **Adelaide:-** St. Vincent Gulf पर स्थित है जो दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया प्रांत की राजधानी है तथा दक्षिणी तट का प्रमुख पत्तन है।
 - Agricultural Industriel, Fruit Canning, Flour Milling Dairy Industries Woolen Textile,

New South Wales

- * **Sydney:-** ऑस्ट्रेलिया का सबसे पुराना तथा बड़ा नगर।
 - प्रशांत तट के निचली पहाड़ियों पर स्थित।
 - न्यूसाउथ वेल्स की राजधानी तथा प्रमुख पत्तन।
 - लौह इस्पात, कागज तथा छपाई और रसायन उद्योग।
 - लेडजिंक तथा चांदी खनन।
- * **New Castle:-** प्रशांत महासागर के तट पर सिडनी के दक्षिण में स्थित।
 - यह एक सागर पत्तन तथा औद्योगिक नगर है।
 - लौह इस्पात, जहाज, अलौह धातु तथा वस्त्र उद्योग।
- * **Broken Hill:-** पश्चिम में स्थित जो लेड जिंक तथा चांदी खनन क्षेत्र है।

Queensland

- * **Brisbane:-** Ipswich Coal Field के निकट स्थित।
 - क्विन्सलैण्ड की राजधानी तथा प्रमुख बंदरगाह।
 - लोकोमोटिव, मशीनरी, तथा प्रसंस्कृत योजन।

- * **Ipswich:-** लिग्नाइट तथा बिटमिनस कोयला खनन क्षेत्र।
- * **Mount Isa:-** लेड तथा जिंक खनन का प्रमुख केन्द्र।
- * **Weipa:-** बॉक्साइट भंडार के लिए प्रसिद्ध।

Victoria

- * **Melbourne:-** विक्टोरिया की राजधानी जो देश का दूसरा बड़ा नगर है तथा ऑस्ट्रेलिया की भूतपूर्व राजधानी है।
 - यहाँ महत्वपूर्ण उद्योग विकसित है जिनका आधार Gippsland का लिग्नाइट कोयला तथा स्नोवी नदी का जल विद्युत परियोजना है।
 - रसायन उद्योग, पोतनिर्माण, वायुयान, इंजिनियरिंग तथा रेलवे उपकरण और मोटर गाड़ी प्रमुख उद्योग है।
- * **Gippsland:-** लिग्नाइट तथा उप बिटुमिनस कोयला खनन क्षेत्र।
 - ऑस्ट्रेलिया की राजधानी से लगा क्षेत्र।
- * **Canberra:-** सिडनी के दक्षिण में स्थित ऑस्ट्रेलिया की राजधानी है।
 - यह प्रमुख प्रशासनिक नगर।

Tasmania

- * **Hobart:-** ऑस्ट्रेलिया का दक्षिणतम नगर जो तस्मानिया की राजधानी है।
 - यह एक पत्तन है जो सेब के मौसम में काफी सक्रिय रहता है। यहाँ खाद्य प्रसंस्करण प्रमुख उद्योग है।

Newzealand

- * **Wellington:-** उत्तरी द्वीप के दक्षिणतम बिन्दु पर स्थित है।
 - देश की राजधानी जो विश्व का दक्षिणतम राजधानी नगर है।
 - कुक जलसंधि पर स्थित प्रमुख पत्तन।
 - मवेशी पालन तथा दुग्ध उत्पादन प्रमुख आर्थिक क्रिया है।
- * **Auckland:-** देश का सबसे बड़ा नगर जो उत्तरी द्वीप के तट पर स्थित सबसे बड़ा पत्तन है।
 - न्यूजीलैण्ड में अत्यधिक जनसंख्या वाला नगरीकृत केन्द्र।
- * **Christ Church:-** दक्षिणी द्वीप का प्रमुख औद्योगिक नगर।

ऑस्ट्रेलिया की झीलें

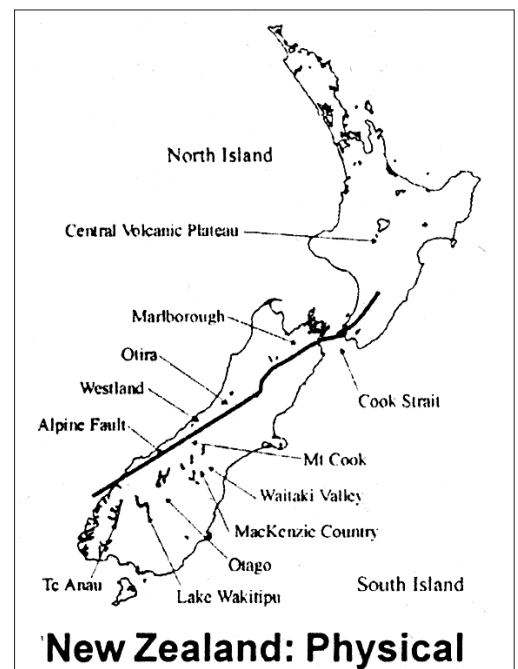
- * **Eyre Lake:-** दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में फ्रलीन्डर्स की पहाड़ियों के उत्तर स्थित खारे जल की झील जो सागर तल से 12 मी नीचे है। यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे गहरा बिन्दु तथा ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी झील है।
- * **Taupo Lake:-** न्यूजीलैण्ड के उत्तरी द्वीप के मध्यवर्ती भाग में स्थित झील जो न्यूजीलैण्ड की सबसे बड़ी झील है।
- * **Disappfiontrnent Lake:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी-मध्यवर्ती भाग में मकर रेखा पर ग्रेट सैण्डी मरुस्थल में स्थित एक शुष्क नमकीन झील।
- * **Mackay Lake:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया तथा उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के सीमा पर, मकर रेखा के उत्तर ग्रेट सैण्डी डेजर्ट में स्थित झील जो शुष्क नमकीन झील है।

ऑस्ट्रेलिया की नदी

- * **Darling River:-** ऑस्ट्रेलिया में क्वीन्सलैण्ड के दक्षिण तथा न्यू साउथ वेल्स के उत्तर-पश्चिम में प्रवाहित होने वाली नदी जो ग्रेट डिवाइडिंग रेंज तथा डार्लिंग बेसिन में निकलकर बेण्टवर्थ नगर के पास मरने नदी से मिल जाती है।
- * **Fitzroy River:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट सैण्टी मरुस्थल के उत्तर तथा King Leopold Range के दक्षिण बहने वाली नदी जो King Sound की खाड़ी में गिरती है।
- * **Murrumbidgee River:-** ग्रेट डिवाइडिंग रेंज से निकलकर न्यूसाउथ वेल्स में प्रवाहित हो मरने नदी में मिलती है।
- * **Murray River:-** पूर्वी विक्टोरिया के Kosciusko plateau से निकलकर विक्टोरिया तथा न्यूसाउथवेल्स की सीमा के सहारे प्रवाहित होती Alexandria Lake से बहती एनफाउण्टर की खाड़ी में गिरती है। डार्लिंग तथा मुरुम्बिजिगी उसकी सहायक नदियाँ हैं।

ऑस्ट्रेलिया की पर्वत श्रेणियाँ

- * **Flinders Range:-** दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में स्पेन्सर की खाड़ी के शीर्ष से उत्तर फैली पर्वत श्रेणी जो ब्लॉक पर्वत का उदाहरण है।
- * **Great Dividing Range:-** ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर क्वीन्स लैण्ड, न्यूसाउथ वेल्स तथा विक्टोरिया राज्यों में फैली पर्वत श्रेणी जिसकी सर्वोच्च चोटी Mount Koseiusko है।
- * **Mac Donnell Range:-** उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भाग में स्थित पश्चिम से पूरब दिशा में फैली पर्वत श्रेणी।
- * **Robinson Range:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी भाग में पूरब-पश्चिमी दिशा में फैली पर्वत श्रेणी।
- * **Sa Mruntain:-** क्वीन्सलैण्ड में स्थित पर्वतश्रेणी।
- * **Snowy Mountain:-** विक्टोरिया तथा न्यू साउथ वेल्स के दक्षिण-पूर्वी भाग में ऑस्ट्रेलियाई आल्पस की एक श्रेणी जहाँ महत्वपूर्ण जलविद्युत उर्जा संयंत्र स्थापित है।
- * **Southern Alps:-** न्यूजीलैण्ड के दक्षिणी द्वीप के मध्यवर्ती भाग में स्थित पर्वत जिसकी सर्वोच्च चोटी माउन्ट कुक है।
- * **Hamersley Range:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया उत्तर-पश्चिम स्थित पर्वत जिसकी सर्वोच्च चोटी Mount Bruce है।
- * **Barkly Table Land:-** ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी प्रांत के पूर्वी भाग में एक पठारी क्षेत्र जहाँ पशुपालन होता है।
- * **Barrier Range:-** इसे मेन बैरियर श्रेणी या स्टैनली श्रेणी कहा जाता है। न्यू साउथ वेल्स के पश्चिम एक श्रेणी जहाँ सीसा, चांदी तथा जस्ता का निक्षेप पाया जाता है।
- * **Broken Hill:-** न्यू साउथ वेल्स के पश्चिम एक खनन नगर जो Adelaide से उत्तर पूरब अर्धशुष्क क्षेत्र में स्थित है। यहाँ सीसा, जस्ता तथा चांदी का निक्षेप मिलता है।
- * **Mount Gold worthy:-** ये पर्वत पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में स्थित है जो लौह अयस्क क्षेत्र के रूप में प्रसिद्ध है।
- * **Australian Alps:-** यह श्रेणी न्यू साउथ वेल्स के दक्षिण पूर्व में स्थित है।



- * **Mount ISA:-** यह क्वीन्स लैण्ड के उत्तरी प्रदेश में है तांबे और जस्ता का वृहद् केन्द्र है।
- * **Mount Egmont:-** यह उत्तरी द्वीप के दक्षिणी भाग में है। यह शांत ज्वालामुखी का उदाहरण है।
- * **The western Plateau Regions:-** यह ऑस्ट्रेलिया का वृहद् पठारी प्रदेश है। इस क्षेत्र में Great Gibson deert और Great Victoria desert स्थित (मकर रेखा)।
- * **Kalgoorlie & Coolgradie:-** सोने की खान वाले नगर जो पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पर्थ से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है।

Bay/Gulf/Bight

- * **Tasman Bay:-** यह ऑस्ट्रेलिया में तस्मान सागर में स्थित खाड़ी है जो न्यूजीलैण्ड के दक्षिणी द्वीप के उत्तरी भाग में है।
- * **Geography Bay:-** यह खाड़ी ऑस्ट्रेलिया महादेश के पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया प्रांत के पश्चिमी तट पर पर्थ नगर के दक्षिण है। यह हिन्द महासागर की उपखाड़ी (Inlet) है।
- * **Gulf of Spencer:-** दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में योर्क प्रायद्वीप तथा ईरी प्रायद्वीप के मध्य स्थित खाड़ी है।
- * **Canterbury Bight:-** यह खाड़ी प्रशांत महासागर का भाग है जो न्यूजीलैण्ड के दक्षिणी द्वीप में स्थित कैन्टरवरी मैदान के पूर्व में है।
- * **Great Australian Bight:-** यह खाड़ी ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप के दक्षिणी तट पर पश्चिमी व दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया के पास हैं यह खाड़ी हिन्द महासागर का भाग है।

Strait

- * **Bass Strait:-** यह जलसंधि हिन्द महासागर तथा तस्मान सागर को जोड़ती है। यह ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण-पूर्वी प्रांत विक्टोरिया तथा तस्मानिया को अलग करती है।
— इसका पता सन् 1798 ई में ब्रिटिश सर्जन तथा नाविक जार्ज बास ने लगाया था।
- * **Cook Strait:-** इसे Raukawa भी कहा जाता है इसकी खोज 1770 ई. में कैप्टन क्रुक द्वारा की गई। यह जलसंधि तस्मान सागर को प्रशांत महासागर हो जोड़ती है तथा यह न्यूजीलैण्ड के उत्तरी द्वीप तथा दक्षिणी द्वीप को अलग करती है।
- * **Torres Strait:-** यह जलसंधि अराफुरा सागर तथा कोरल सागर को जोड़ती है और ऑस्ट्रेलिया के केपयार्क (Capeyork) को पापुआ न्यूगिनी से अलग करती है।
— इसका पता सन् 1606 ई. में स्पेन के नाविक Torres महोदय ने लगाया था।

ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख मरुस्थल

- * **Gibson Desert:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में वृहद् सैण्डी मरुस्थल के दक्षिण स्थित मरुस्थल/इसमें नमकीन पायी जाती है।
- * **Tanami Desert:-** उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में 20° दक्षिणी अक्षांश पर स्थित एक शुष्क मरुस्थल।
- * **Great Sandy Desert:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में मकर रेखा के उत्तर तथा किम्बरले पठार के दक्षिण शुष्क पठार।
- * **Great Victoria Desert:-** पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण-पूर्वी भाग तथा दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया के पश्चिम में स्थित मरुस्थल। इसकी ढाल दक्षिण Nullarbor Plain की तरफ है।

प्रमुख तथ्य

- ऑस्ट्रेलिया के 4 प्रतिशत भूभाग पर ही कृषि कार्य होता है।
- इसकी अधिकतर जनसंख्या पूर्वी और दक्षिण पूर्वी भागों में रहती है।
- न्यूजीलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया मेलानेशिया पोलिनेशिया एवं माइक्रोनेशिया को मिलाकर ओशनिया कहा जाता है।
- युकेलिप्टस की जारी एवं कारी किस्मों से इमारती लकड़ी प्राप्त होती है।
- न्यूसाउथ वेल्स तथा पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया गेहूं के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।
- गन्ना, कपास एवं तम्बाकू क्वींसलैण्ड में प्रमुखता से उपजाया जाता है।
- ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तथा दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों में दुधारू पशुओं को पाला जाता है।
- ऑस्ट्रेलियन अंतर्महाद्वीप रेलमार्ग सिडनी से पर्थ को जोड़ता है। इस मार्ग के महत्वपूर्ण स्टेशन ब्रोकेन हिल, पीट्सबर्ग, पोर्ट अगस्टा, कालगुली, कूलगार्डी हैं।
- ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण सड़क मार्ग को 'कामनवेल्थ राजमार्ग' के नाम से जाना जाता है।